Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20
।। पश्चिमी राजस्थान की आवाज ।।
मूल्य : दो रुपये

दैनिक जलते दीप

संस्थापक स्व. माणक मेहता

चौखी बात

इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।

अब्दुल कलाम

।। दसवां वेद ।।

धन छै तुमने माहरा,
हे आभूषण चीर।
आदर तो तुमने करै,
ऐ हिज म्हारा वीर।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

www.dainikjaltedeep.com | वर्ष : 22 | अंक : 356 | जयपुर, शुक्रवार 24 जनवरी, 2020 | कुल पृष्ठ : 8 | Email : news@dainikjaltedeep.com

एक नजर

कोटा जिला प्रमुख गिरफ्तार, पीए ट्रेप के बाद से एसीबी ने कसा था शिकंजा

जलतेदीप निसं, कोटा। कोटा में आखिरकार एसीबी ने जिला प्रमुख सुरेंद्र गोचर को गिरफ्तार कर ही लिया। जिला प्रमुख के पीए चंद्र प्रकाश गुप्ता को रंगे हाथों 25हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार करने के बाद से ही एसीबी ने जिला प्रमुख सुरेंद्र गोचर पर शिकंजा कस दिया था। प्रकरण की जांच कर रही बारां एसीबी की टीम ने कोटा में सिविल लाइंस स्थित जिला प्रमुख के सरकारी आवास से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद जिला प्रमुख को एसीबी कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे 4 फरवरी तक जेल भेज दिया गया है।

जयपुर : पुलिस की बड़ी कामयाबी, नौ क्विंटल से ज्यादा गांजा बरामद

जलतेदीप कासं, जयपुर। मादक पदार्थों खिलाफ जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत पुलिस ने 9 क्विंटल 15 किलो गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए पुलिस की स्पेशल टीम ने तीन महीने तक अंडर कवर रहकर काम किया। पुलिस ने इस मामले में अन्तरराज्यीय स्तर के 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ अंतरराज्यीय स्तर के 5 बदमाशों को हिरासत में भी लिया गया है।

370 हटाने की याचिका पर फैसला सुरक्षित

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में अनुच्छेद 370 को हटाने के सरकार के फैसले के खिलाफ गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 मामले को बड़ी बेंच को सौंपने को चुनौती दी जाए या नहीं इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने बताया कि कैसे जम्मू और कश्मीर का भारतीय संघ में प्रवेश हुआ और यह यह अपरिवर्तनीय है। वेणुगोपाल ने कहा कि मैं यह दिखाना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता वास्तव में अस्थायी थी। हम राज्यों के संघ हैं।

नौकरियों में खाली पड़े 7 लाख पदों पर भर्ती करेगी केन्द्र सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सरकारी नौकरियों में खाली पड़े पदों की भर्ती के लिए बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में सरकार की ओर से संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, मौजूदा समय में केंद्र सरकार के करीब सात लाख पद खाली पड़े हैं। इसके बाद कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने निर्देश दिए हैं कि सभी मंत्रालय और विभाग जल्द से जल्द इस संबंध में जरूरी कदम उठाएं। कैबिनेट कमेटी के निर्देश के बाद डीओपीटी ने सभी मंत्रालयों को एक सर्कुलर भेजा है। सर्कुलर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह वाले पैनल के निर्देशों का भी जिक्र किया गया है।

फटकारो...

सीएम ने किया जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का शुभारंभ

साहित्य पर चर्चा और गोष्ठियों से मिलेगी नई पीढ़ी को प्रेरणा : गहलोत

जलतेदीप कासं, जयपुर

जयपुर लिटरेचल फेस्टिवल का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि 18 साल पहले जब इसकी शुरूआत हुई थी तब राजस्थान में मैं ही मुख्यमंत्री था। इस उत्सव में देश दुनिया के साहित्यकार आते हैं। यह राजस्थान की शान है। यहां साहित्य व संस्कृति पर होने वाली चर्चाओं से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। साहित्य प्रेमी जिन्हें पढ़ते आए हैं उन्हें वे यहां देख भी सकेंगे।

जयपुर की शान है यह फेस्टिवल, तमाम साहित्यकार आयोजन का इंतजार करते है

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि इस साहित्य महाकुंभ ने 12 साल का सफर तय कर लिया है। यह 13 वां जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल मनाया जा रहा है। बहुत शानदार तरीके से नमिता गोखले, संजॉय राय और इनके दोस्तों ने मिलकर इस फेस्टिवल राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलवाई। जयपुर और राजस्थान की शान है यह फेस्टिवल। जिसकी दुनियां में चर्चा होती है। इसके आयोजन का इंतेजार किया जाता है।

मन की बात भी आवश्यक है और काम की बात भी आवश्यक है : देश विदेश के तमाम इंटरलेक्चुअल साहित्यकार यह सोचकर की एक अवसर आएगा तब खुलकर अपने मन की बात कर सकेंगे। मन की बात भी आवश्यक है और काम की बात भी आवश्यक है। सीएम ने कहा कि जेएलएफ में अब तक पांच हजार से ज्यादा विख्यात वक्ता और 30 लाख से ज्यादा साहित्य प्रेमी शामिल हो चुके है। सीएम ने कहा कि फेस्टिवल का इस दृष्टि से भी उपयोग है कि जो पुस्तक प्रेमी अपने साहित्यकारों को आज तक पढ़ते आए है। उन्हें वे यहां रुबरु देख व सुन सकते है।

राज्य के प्रसिद्ध लेखक विजयदान देथा की पुस्तक का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक विजयदान देथा की प्रसिद्ध राजस्थानी कहानियां 'बांता री फुलवारी' के अंग्रेजी अनुवाद में पुस्तक का लोकार्पण किया। सीएम ने पुस्तक के अंग्रेजी अनुवादक विशेष कोठारी को भी बधाई दी। सीएम ने कहा कि बिज्जी की कहानियों में राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्कृति और लोकजीवन की झलक दिखाई देती है। सीएम ने जेएलएन के आयोजकों और यहां शामिल होने आए साहित्यकारों का भी स्वागत किया।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुई शुरुआत

साहित्य उत्सव का वेन्यू इस बार राजस्थानी रंगों में नजर आया। फेस्टिवल की शुरुआत रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुई। जेएलएफ में इस बार प्रदेश की ऐतिहासिक परम्परा, विरासत से लेकर ग्लोबलिज्म का मिश्रण होटल डिग्गी पैलेस में देखने को मिल रहा है। फेस्टिवल में इस बार 550 से ज्यादा स्पीकर्स देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से शामिल हो रहे हैं। जहां ग्लोबल एंवायरमेंट, पॉलिटिक्स, एंटरटेनमेंट से लेकर कई मुद्दों पर बातें होंगी। फेस्टिवल में आने वाले लाखों विजिटर्स की सुरक्षा के लिहाज से फेस्टिवल के एंट्रेंस गेट पर फेस डिटेक्शन सिस्टम लगाए गए है। फेस्टिवल के डेकोरेशन की थीम राजस्थानी रंग, परंपराएं और पर्व-त्यौहार पर आधारित है। फ्रंट लॉन, चारबाग, मुगल टेंट, बैठक और संवाद में ब्लॉक प्रिंट से स्पेशल डेकोरेशन की गई है। जिनमें फ्लोरल मोटिफ बेस्ड डिजाइन होंगे।फेस्टिवल वेन्यू पर तीन लेवल पर सेफ्टी अरेंजमेंट रखे गए हैं। पहली सेफ्टी लेयर में 300 से 500 पुलिसकर्मी और ऑफिसर्स तैनात किए गए जो वेन्यू के अंदर और बाहर दोनों जगह पर होंगे।

रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने पर विचार तीन महीने बाद : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने सप्रीम कोर्ट से रामसेतु को ऐतिहासिक स्मारक के रूप में मान्यता देने की उनकी याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की है। वहीं कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में तीन महीने बाद विचार करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को एक हलफनामा दाखिल करके अपना रुख भी स्पष्ट करने को कहा है। बता दें कि सुब्रमण्यम स्वामी ने सर्वोच्च अदालत में रामसेतु का मुद्दा उठाया था। उन्होंने साल 2018 में रामसेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में मेंशन की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि कोर्ट ने इस पर केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया था। दस साल हो गए लेकिन सरकार ने अभी तक याचिका का जवाब दाखिल नहीं किया। गौरतलब है कि मोदी सरकार रामसेतु मामले पर अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना और राम सेतु के बारे में कहा था कि समुद्र में जहाजों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए प्रस्तावित सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा।

विधानसभा सत्र आज से

सीएए के खिलाफ राज्य में होगा प्रस्ताव पास

भाजपा ने सत्तापक्ष को घेरने के लिये कसी कमर

जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान विधानसभा का सत्र शुक्रवार से शुरू होगा। पहले दिन राज्यपाल कलराज मिश्र का अभिभाषण होगा। इसी सत्र में सीएए के खिलाफ कांग्रेस सरकार प्रस्ताव लेकर आ सकती है, केरल और पंजाब की तर्ज पर प्रस्ताव लाने की चर्चा है। सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है।

एससी-एसटी आरक्षण को बढ़ाने पर लग सकती मुहर

पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा.. फिर बीएसी की बैठक होगी इसी में सदन में आगे होने वाले विधायी कार्यो को तय किया जाएगा। शोकाअभिव्यक्ति के बाद एससी-एसटी आरक्षण को बढ़ाने से जुड़े प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। सीएए पर प्रस्ताव बीएसी पर चर्चा के बाद ही लाया जाने की बात कहीं जा रही। राज्यपाल अभिभाषण पर बहस भी सदन में होगी। पक्ष और विपक्ष के विधायक अपनी बात रखेंगे।

सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना

राहुल गांधी के जयपुर आगमन से पहले राजस्थान विधानसभा का सत्र हो रहा है, लिहाजा इस सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है।

सीएए के विरोध में केरल और पंजाब की सरकारों ने विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव पारित कर दिया. अब लगता है राजस्थान सरकार भी ऐसा करेगी, इसको लिये राज्य की विधान सभा में प्रस्ताव लाने की चर्चा है।

बीजेपी ने सत्तापक्ष को घेरने के लिये कसी कमर

अगर सीएए के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित होता है तो यह संभवतः पहली ऐसी घटना हो सकती है जब संसद में पारित प्रस्ताव को राजस्थान सरकार विधानसभा के जरिये चुनौती देगी. संवैधानिक इतिहास की यह बड़ी घटना राजस्थान के लिये हो सकती है. उधर बीजेपी ने सत्तापक्ष को घेरने के लिये कमर कस ली है. सीएए के पक्ष और विरोध की सियासत नजर आयेगी।

कृषि विपणन तंत्र होगा मजबूत, सीएम ने 34 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को दी मंजूरी

जलतेदीप कासं, जयपुर

प्रदेश में कृषि विपणन तंत्र को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए सीएम अशोक गहलोत ने 34 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इस राशि से प्रदेश की 38 मंडियों को वाई-फाई से जोड़कर ऑनलाइन किया जाएगा। वहीं इस राशि से नए प्लेटफॉर्म, मजदूरों के लिए शेड, चारदीवारी, कार्यालय भवन और शौचालय निर्माण जैसे कार्य भी होंगे।

पांच गौण अनाज मंडियों को दिया स्वतंत्र मंडी का दर्जा

सीएम अशोक गहलोत ने इसके साथ ही पांच गौण अनाज मंडियों को स्वतंत्र मंडी का दर्जा देने की भी स्वीकृति दी है। इन मंडियों में बहरोड़, किशनगढ़बास, तिजारा, मनोहरथाना और सोजत सिटी मंडी शामिल हैं। ये मंडियां 40 लाख रुपए की वार्षिक आय के मापदंड को पूरा करती हैं। कांग्रेस ने अपने जनघोषणा-पत्र में सभी गौण मंडियों को स्वतंत्र मंडियों के रूप में विकसित करने का वादा किया था. सरकार के इन फैसलों से किसानों, व्यापारियों और मजदूरों को जहां सुविधा मिल सकेगी, वहीं किसानों को कृषि जिन्सों के उचित दाम मिल पाएंगे। इतना ही नहीं मंडी समिति और राज्य सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी भी होगी।

सरकार यह भी बना रही है योजना

उल्लेखनीय है कि हाल ही में सरकार किसानों की सुविधा के मद्देनजर प्रदेश की सहकारी समितियों को अब मंडी यार्ड के रूप में विकसित की योजना भी तैयार कर रही है। इसके तहत जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों और क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के पास मंडी यार्ड विकसित करने के लिए जमीन है उन्हें मंडी यार्ड के लाइसेंस जारी किए जाने की सरकार कार्ययोजना बना रही है।

प्रस्ताव तैयार कराने की तैयारियां

सहकारिता रजिस्ट्रार नीरज के. पवन के अनुसार इस फैसले से किसान को अपनी फसलें बेचने और खाद-बीज खरीदने के लिए अलग-अलग जगहों पर नहीं भटकना पड़ेगा. वहीं सहकारी समितियों की आय में भी इससे बढ़ोतरी होगी। इस कार्ययोजना को अमली जामा पहनाने के लिए जिला कलेक्टर्स को कृषि और सहकारिता विभाग के जिला स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने 101 किसानों के साथ शुरू किया जमीन समाधि सत्याग्रह

एक्सप्रेस हाईवे के लिए अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजे देने की मांग

जलतेदीप निसं, दौसा

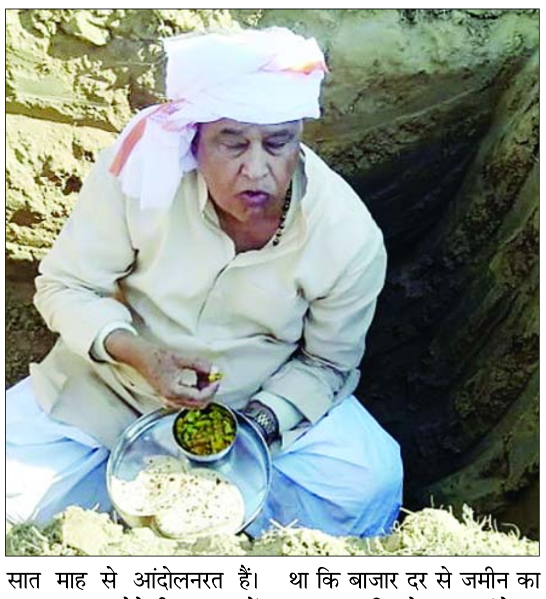

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे के लिए अधिग्रहित जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलने पर आंदोलित किसानों ने गुरुवार से लाडली का बास में अनिश्चितकालीन जमीन समाधि सत्याग्रह शुरू कर दिया। इसमें 101 किसान शामिल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। यह सत्याग्रह प्रदेश किसान संघर्ष समिति के संयोजक हिम्मत सिंह गुर्जर और भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के नेतृत्व में किया जा रहा है। किसान दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे के लिए की जा रही भूमि अवाप्ति का बाजार दर से मुआवजे की मांग पर पिछले सात माह से आंदोलनरत हैं। सत्याग्रह शुरू होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। दोपहर में एक किसान की तबीयत बिगड़ने से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बेहोश किसान को हाथों-हाथ अस्पताल पहुंचाया। जमीन समाधि सत्याग्रह आंदोलन में शामिल हुए किसानों का कहना था कि बाजार दर से जमीन का मुआवजा मिलने तक आंदोलन जारी रखेंगे। किरोड़ी ने कहा कि संसद में कानून पारित कर दिया इसके बावजूद मुआवजे के लिए किसानों को आंदोलन करना पड़ रहा है। राजस्थान सरकार किसानों को मुआवजा देने में आनाकानी कर रही है जबकि अन्य राज्यों में मुआवजे की पूरी राशि मिली है।

लिटरेचर फेस्टिवल ने देश-दुनिया में जयपुर की अलग पहचान कायम की : पायलट

जलतेदीप कासं, जयपुर

उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में शिरकत की। पायलट ने लिटरेचर फेस्टिवल में पोइट्री के लिए दिए गए कन्हैया लाल सेठिया अवार्ड समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर सचिन पायलट ने कहा कि लिटरेचर फेस्टिवल ने देश-दुनिया में जयपुर की एक अलग पहचान कायम की है। देश के चुनिंदा कार्यक्रमों में से एक कार्यक्रम है, जहां विभिन्न विचारधारा विभिन्न सोच और विभिन्न पर्सनैलिटी के लोग एक मंच पर अपनी बात रखते हैं।

पायलट ने कहा कि आज के दौर में जब विपरीत विचारधाराओं का सम्मान नहीं हो रहा, तब ऐसे आयोजनों की अहमियत और भी बढ़ जाती है। पायलट ने कहा कि इस तरह के आयोजन की मेजबानी करना गर्व और सम्मान की बात है। सचिन पायलट ने कहा मैं पिछले कई सालों से देख रहे हैं कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में देश दुनिया के नामचीन और सेलिब्रिटी लोग आम आदमी के साथ बेहद सहज भाव के साथ साहित्य कला संस्कृति जैसे मुद्दों पर चर्चा करते हैं। यहां आकर बड़े और छोटे का फर्क खत्म हो जाता है। यही इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी खूबसूरती है। सबसे अहम बात यह है कि इस आयोजन में जो डिस्कशन होते हैं। उनका असर देश और समाज पर नजर आता है। यहां कहीं जाने वाली बात को न केवल एक बड़ा वर्ग सुनता है बल्कि कहीं न कहीं उसका असर भी दिखता है। सचिन पायलट ने कहा कि देश में यह एकमात्र ऐसा आयोजन है, जिसको कवर करने के लिए पत्रकारों में भी होड़ रहती है। जयपुर में गुरुवार को सुबह 9 बजे से 27 जनवरी तक सहित्य की बयार शुरू हो चुकी है।

झारखंड

बवाल-आगजनी के बाद लगा कर्फ्यू

लोहरदगा में सीएए समर्थकों के जुलूस पर पथराव

एजेंसी, लोहरदगा

झारखंड के लोहरदगा जिले में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के समर्थन में गुरुवार को जुलूस निकाला गया। विशाल जुलूस पर उपद्रवी तत्वों द्वारा गुरुवार को पथराव के बाद हिंसा भड़क गई। पथराव के विरोध में लोगों ने गाड़ियों में तोड़फोड़ व आगजनी की जिसके बाद पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिये हवाई फायरिंग करनी पड़ी। पथराव में कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। पुलिस के कई जवान भी इस घटना में घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने एहतियातन शहर में कर्फ्यू लागू कर दिया है और पूरे मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है। पुलिस ने बताया कि जब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएए और एनआरसी के समर्थन में लोग जुलूस निकाल रहे थे उसी समय अज्ञात लोगों ने लोहरदगा के अमलाटोली चौक के पास उन पर पथराव कर दिया। उन्होंने बताया कि इससे भड़के लोगों ने आसपास खड़ी कई मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्थिति जब नियंत्रण से बाहर हो गई और और इलाके की दुकानों में तोड़फोड़ की गई तो पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हवा में कई राउंड गोलियां चलाईं। स्थिति तनावपूर्ण होने की खबर पाकर जिले की उपायुक्त आकांक्षा रंजन एवं पुलिस कप्तान प्रियदर्शी आलोक पूरे दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

कैलाश विजयवर्गीय ने सीएए की भगवान कृष्ण और विपक्ष की कंस से की तुलना

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने गुरुवार को नागकरिकता संशोधन कानून 2019 (सीएए) पर विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए इस कानून की भगवान कृष्ण और विपक्ष की कंस से तुलना की। बता दें कि विपक्ष सीएए को भेदभावपूर्ण बताकर इसके खिलाफ विरोध कर रहा है। साथ ही इसे भारतीय संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ बता रहा है। दूसरी ओर, केंद्र ने यह सुनिश्चित किया है कि कानून किसी भी मौजूदा नागरिक को प्रभावित नहीं करेगा। इस कानून में 31 अक्टूबर तक उत्पीड़न के कारण भारत आए पाकिस्तान बांग्लादेश और अफ्गानिस्तान के धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का प्रावधान है। यह कानून संसद में पिछले महीने दिसंबर में पास हुआ था। विजयवर्गीय ने एक ट्वीट में नए कानून को देवकी के आठवां बेटा और विपक्ष की उनके भाई कंस से की तुलना की। उन्होंने ट्वीट करके कहा, सीएए, एनआरसी न हुआ... देवकी का आठवां पुत्र हो गया! पैदा होने से पहले ही कंस को अंत नजर आने लगा!

असम में 177 हथियारों के साथ 644 आतंकवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी, गुवाहाटी

असम में आठ प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के कुल 644 आतंकवादियों ने 177 हथियारों के साथ गुरुवार को आत्मसमर्पण किया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। ये आतंकवादी उल्फा (आइ), एनडीएफबी, आरएनएलएफ, केएलओ, सीपीआइ (माओवादी), एनएसएलए, एडीएफ और एनएलएफबी के सदस्य हैं। इन आतंकवादियों ने यहां एक कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में आत्मसमर्पण किया।

पुलिस महानिदेशक ज्योति महंत ने संवाददाताओं से कहा कि यह राज्य और असम पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। कुल मिलाकर 644 कैडर और आठ आतंकवादी समूहों के नेताओं ने ने हथियार डाल दिए। उन्होंने कहा कि यह हाल के दिनों में आतंकवादियों के सबसे बड़े आत्मसमर्पण में से एक है। महंत ने आगे बताया कि इन आतंकवादियों के पास से एके- 47 और एके-56 जैसे कई हथियार सौंपे हैं। यह असम के लिए ऐतिहासिक दिन है।

बता दे कि इससे पहले 31 दिसंबर को अधिकारियों ने बताया था कि आठ दिसंबर से पिछले तीन सप्ताह के दौरान असम में 240 से अधिक आतंकवादियों ने समर्पण किया।

मछलीगिरी

पहले ट्यूबलाइट ने सवाल खड़े किए अब मछली फड़फड़ा रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए फिर भी हो गया। पता नहीं हो गया अथवा कर दिया गया। हुआ तो भी ठीक, कर दिया गया तो करने वालों की कुबद। न तो होने पर पहरे, ना किए जाने पर। शहर की एक हथाई पे आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

सवाल खड़ा करना नई बात नहीं है। हम ने महंगाई के इस दौर में सब सस्ती चीजों की सूची कई बार परोसी थी। उस में कुछ और नाम जुड़ गए। हमने मानखे की जिंदगी को सस्ता बताया था। हम ने किसी के मांजणे पे धूड़ डालने को सस्ता बताया था। हम ने किसी की इज्जत पर कीचड़ उछालने को सस्ता बताया था। आप को भी लग रहा होगा। ऐसा नहीं कि हम ने एहसास कराया तभी हुआ यह तो जगजाहिर है।

हो सकता है किसी को हमारी और श्रेष्ठ पुरूषों की बात में विरोधाभास नजर आया हो। पर यह साफ करना जरूरी कि हम उन की बात का समर्थन करते हैं। हम संत-सुजानों के उपदेशों पर चलने वाले। हम उन की लगभग हर सीख मानने वाले। वो कहते हैं मानव योनि बड़े भाग से मिलती है। हजारों योनियों में भटकने के बाद मानव जीवन मिलता है। हमें इस जीवन को नेक कार्यों में लगाना चाहिए। लोगों की भलाई में लगाना चाहिए। सद्कर्म में लगाना चाहिए। हम भी इसके समर्थक। ये मति सोचो कि कौन, कितने साल तक जीया बल्कि ये सोचो कि कौन, कैसे जीया। जीओ ऐसे कि रामप्यारा होने के बाद लोग सदियों तक याद रखें। हम भी इसके पक्षधर। इस बात पर भी गौर करने की जरूरत भी है कि पांच-पच्चीस रूपड़कों के लिए किसी का कत्ल क्यूं हो जाता है। जमीन के एक अदने से टुकड़े के लिए भाई, भाई का खून क्यूं बहा देता है। शराब पीने के लिए मना करने पर (कु) पुत्र मां की हत्या क्यूं कर देता है। शक होता है कि इंसान का कोई मोल नहीं रहा। मानव जीवन बीस रूपए से सस्ता हो गया। यही देख-सुनकर हमने उसे सस्ते की सूची में डाल दिया। जिस दिन मानखा सच्चा इंसान बन जाएगा, उसे उस सूची से निकाल देंगे।

हथाई
गुरुदत्त अवस्थी
gda32500@gmail.com

किसी की ओर अंगुली उठाना भी उस सूची में। जिसे देखो वो सामने वाले की प्रतिष्ठा पर कीचड़ उछालने में लगा हुआ। उन्हें अपने पांव देखने की फुरसत नहीं। किसी के चरित्र पर उंगुली उठाने में सब से आगे। बुझाने के लिए जग भर पानी डालने से तौबा। आग लगाणे के लिए घासलेट-पेट्रोल सब तैयार।

सवाल भी इसी जाजम पर। हमें नहीं पता कि सवाल की वॉल किस ने खड़ी की। सब से पहला सवाल किस ने, किस से और किस मसले पर किया इसका तो पता नहीं, पर इतना जरूर जानते हैं आज चारों और सवाल ही सवाल तैरते नजर आ रहे हैं। दुनिया में आने से लेकर अंतिम सफर तक सवाल ही सवाल। जच्चा ऑपरेशन थिएटर में हो तो बाहर बैठे परिजनों के जेहन में सवालों की घटा। क्या होगा। बेटा होगा या बेटी। डिलीवरी नॉरमल होगी या ऑपरेशन करना पड़ेगा। दरवाजा खुलता ही लपकते हैं। मुंह से निकल जाता है-'काई हुवो!' घर में सवाल। बाहर सवाल। चौक में सवाल। चौबारों-बाजारों में सवाल। स्कूलों में सवाल। अस्पतालों में सवाल। थानों-चौकियों में सवाल। सदन में सवाल। कोर्ट-कचहरियों में तो सवाल ही सवाल। कुछ सवाल वाजिब। कई नाहक खड़े कर दिए जाते हैं। मानखे के भीतर बैठा जमीर खड़ा हो या ना हो नाहक सवाल खड़े करने में किसी प्रकार का मुंजीपणा नहीं। तभी तो उसे सस्तों की सूची में स्थान दिया।

अब सवाल ये कि ट्यूबलाइट पर सवाल कैसे। ट्यूबलाइट तो ट्यूबलाइट है। इस का अविष्कार किस ने किया। पहली ट्यूबलाइट किस ने बेची और किस ने खरीदी सरीखे सवाल किए जा सकते हैं। हम दूधिया रोशनी बिखेरने वाली ट्यूबलाइट के डंडे की नहीं। ट्यूबलाइट नाम की फिलिम की बात कर रहे हैं। इस के आने बाद सवाल उठा कि कल को बल्व, मर्करी, पंखा, फ्रीज, कूलर या एसी नाम की फिल्में ना आ जाए। फिलिम का नाम ट्यूबलाइट हो सकता है तो लट्टू क्यूं नहीं। अब मछली सवाल खड़े कर रही है। मछली की प्रजाति कौन सी है..कांटा निकाला हुआ है या नहीं..जैसे सवाल नहीं वरन ये कि आज मछली का नंबर आया कल को कछुए, मेंढक या अन्य जलजीवों का नंबर ना आ जाए। यह सवाल मुंबई के एक कांगरेसी नेता की हरकत ने खड़े किए। ये भाईसाब माछुआरों की मांगों और समस्याओं को लेकर मत्सय आयुक्त से मिलने गए थे। वार्ता के दौरान वो इतने उखड़ गए कि साथ लाई मछलियों में से एक उठाकर अफसर के मुंह पर फैंक दी। हमने जूतागिरी देखी। स्याहीगिरी देखी। अंडागिरी देखी। टमाटरगिरी देखी। मछली वार पहली बार देखा। मछलीगिरी पहली बार देखी। ऐसे में मगरमच्छ की बारी आने संबंधी सवाल उठ गया तो उठ गया।

पेंशनर समाज का सम्मान समारोह आयोजित

बालोतरा, 23 जनवरी (निसं)। पेंशनर अपने खातों में नॉमिनी का नाम जुड़वा दें। राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा बालोतरा के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में पेंशनरों को संबोधित करते हुए भारतीय स्टेट बैंक नाकोड़ा रोड के लोन ऑफीसर दीपक गहलोत ने कहा कि पेंशनर अपनी जमा राशियों को राष्ट्रीय कृत बैंकों में ही जमा करावे। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में नवनिर्वाचित नगर परिषद सभापति श्रीमती सुमित्रा जैन प्रतिपक्ष नेता महबूब खान सिंधी तथा वार्ड पार्षद श्रीमती सीमा पवार का शॉल साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया।

उन्होने कहा कि आप वृद्ध जनों के पास अनुभव का अपूर्व खजाना है नगर के विकास के लिए आप जो भी सलाह सुझाव देंगे हमारा बोर्ड उसका पालन करने में गर्व अनुभव करेगा।

इस अवसर पर समाज के आजीवन अध्यक्ष डॉक्टर केवल चंद जैन के दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यकारी अध्यक्ष शंकरलाल सलुंदिया ने पेंशनर समाज की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में पार्षद असलम भाई, महेश कुमार, श्रीमती सीमा, उपशाखा मंत्री गुला रामचंदानी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ, उपाध्यक्ष भैराराम चौधरी, कुमना नंद शर्मा, ईश्वर सिंह इंदा, मोहनलाल गहलोत, हीरा लाल प्रजापत, जैसल सिंह खारवाल, श्रीमती कमला चौहान, श्रीमती सुमन गुप्ता, श्रीमती आशा रानी, श्रीमती भगवती देवी, श्रीमती शांता देवी, गोविंद राम परिहार, शिव सिंह सोलंकी, मूलदान आशिया, भेरूलाल, रुपाराम पांचाल, महेश राठौड़ सहित दर्जनों पेंशनर उपस्थित थे।

जनजागरण अभियान सम्पन्न

बालोतरा, 23 जनवरी (निसं)। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा देश में लागू किये गए नागरिकता संशोधन अधिनियम के समर्थन में आमजन को जानकारी देने के लिये भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहर के शास्त्री सर्कल के पास पत्रक वितरण कर एव आमजन से मिस्ड कॉल करवाकर जनजागरण अभियान सम्पन्न किया गया।

प्रवक्ता कांतिलाल घांची ने बताया कि अभियान के तहत आज भाजपा जिलाध्यक्ष महेश बी चौहान एवं खेताराम प्रजापत के नेतृत्व में विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रांतियों को उजागर करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर अमराराम सुंदेशा, अरुण सालेचा, गोविंदसिंह कालूड़ी, हनुमान पालीवाल, रमेशपुरी, महेश परमार, हनुमान घांची, नेनाराम माली, हितेश पटेल, महेंद्रसिंह गोलिया, मुकेश सेठिया, राजेंद्र सालेचा, कमलेश ढेलडिया, ओमप्रकाश माली, मदन बालड़, प्रताप घांची, प्रवीण खत्री, उत्तम परिहार, भरत सोनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बालिका सप्ताह के तहत पोस्टर, पेंटिंग, रंगोली व मेहन्दी प्रतियोगिता आयोजित

पाली, 23 जनवरी (निसं)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत गुरूवार को राष्ट्रीय बालिका सप्ताह अन्तर्गत जिला स्तरीय पेन्टिग, पोस्टर, रंगोली, मेंहदी प्रतियोगिताओं का आयोजन डिस्ट्रीक्ट क्लब में हुआ। जिसमे सेन्टपाल, सेन्ट्रल एकेडमी, वंदेमातरम, रूपरजत, बांगड, बालिया, मिल क्षेत्र रा.बा.उ.मा. विद्यालय, चीमा बाई संचेती, एएनएम ट्रेनिग स्कूल, रेनबो स्कूल की 150 बालिकाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती कुसुम जैन, विशिष्ठ अतिथि श्रीमती अनुभा सिंह, अध्यक्षता अतिरिक्त जिला कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह चैधरी ने की। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बालिकाओं की कला को सराहना करते हुये उन्हें प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षु आरएएस मधुलिका सीवर ने बालिकाओं को पढाई के साथ सहशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का आहवान किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में दीपिका बाफना सेन्टपाल स्कूल प्रथम रही द्वितीय व तृतीय स्थान पर लक्षिता राठौड़ रेनबो स्कूल, रिया तनवानी, जागृति गहलोत विजेता रही। पेन्टिग प्रतियोगिता में व्रतिका बांगड स्कूल, निधि, प्रिया प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में आशा राजपुरोहित एएनएम ट्रेनिग स्कूल, श्रेया सेन्ट्रल स्कूल, अनमोल सेन बालिया स्कूल ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेंहदी प्रतियोगिता में नीतू बालिका मिल एरिया प्रथम स्थान, गुड्डू संस्कार केन्द्र द्वितीय स्थान, अफसाना बालिया स्कूल व पुष्पा एएनएम ट्रेनिग स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढाओ ब्रांड एम्बसेडर डॉ.के.एम.शर्मा, आशा पंकज मूंदडा व डॉ.के.सी.सैनी, मांगीलाल तंवर, भावना, मेघा व्यास, देवी बामणिया, दया चारण आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में भागीरथ, सहायक निदेशक महिला अधिकारिता ने सभी का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन 24 जनवरी को नगर परिषद सभागार में प्रातः 10 बजे किया जायेगा जिसमे बेटी जन्मोत्सव, सर्वाधिक बाल लिंगानुपात की जैतारण में बलाड़ा, रोहट में खारड़ा, बाली में चामुण्डेरी, रानी में जवाली, सोजत में राजोला कंला, पाली में मणिहारी, मारवाड़ जंक्शन में जोजावर, रायपुर में बर, देसूरी में पनोता, सुमेरपुर में साण्डेराव को जिला स्तर पर सम्मानित किया जायेगा। जिलें में सर्वाधिक संस्थागत प्रसव की देसूरी में गुडा पृथ्वीराज, रोहट में कुलथाना, देसूरी में कोट सोलंकियान, पाली में भांवरी, सुमेरपुर में बिठुडा उपस्वाथ्य केन्द्रों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जायेगा।

इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत जिलें के समस्त उपस्वास्थ्य केन्द्रों पर 2500 बेबी किट व 2500 डिलेवरी किट भी दिये जायेगे जिसे जच्चा व बच्चा में सक्रमण नही फैले। प्रातः 10 बजे बेटी बचाओ बेटी पढाओ जागरूकता रैली का आयोजन महिला अधिकारिता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में किया जायेगा।

38 मण्डियां होंगी वाई-फाई, विकास कार्यों के लिए 34 करोड़ रूपए मंजूर

पाली, 23 जनवरी (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में कृषि विपणन तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। उन्होंने 38 कृषि उपज मंडियों को वाई-फाई से जोड़कर ऑनलाइन करने तथा विभिन्न मंडियों में विकास कार्य करवाने के लिए 34 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। साथ ही 5 गौण अनाज मण्डियों को स्वतंत्र मंडी का दर्जा देने की भी स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री के इन निर्णयों से किसानों को उनके नजदीकी स्थान पर उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। साथ ही वे वाई-फाई सिस्टम के जरिए अपनी उपज को देश की विभिन्न मण्डियों में ई-नाम योजना के तहत अच्छे से अच्छे दाम पर बेच सकेंगे। कृषि उपज मंडियों में लगभग 34 करोड़ रूपए से वाईफाई सिस्टम एवं विद्युत लाइन के कार्य तथा नए प्लेटफॉर्म, मजदूरों के लिए शेड, चारदीवारी, कार्यालय भवन एवं शौचालय आदि के निर्माण कार्य शामिल हैं।

श्री गहलोत ने ई-नाम (ई-राष्ट्रीय कृषि मंडी) योजना के तहत प्रदेश की 38 कृषि उपज मंडियों को ऑनलाइन करने के लिए वाईफाई नेटवर्क की व्यवस्था और उच्च तकनीक की विद्युत अर्थिंग के लिए लगभग 22.82 करोड़ रूपए के निर्माण कार्यों के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी है।

इसी प्रकार श्रीगंगानगर के अनूपगढ़, जैतसर और रावला मंडी परिसरों में निर्माण कार्यों के लिए भी 6.08 करोड़ रूपए के प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। इस राशि में से 1.67 करोड़ रूपए अनूपगढ़ मंडी और 2.82 करोड़ रूपए रावला मंडी में नीलामी प्लेटफॉर्म, फुटपाथ, सड़क, शौचालय, मजदूरों के लिए शेड और अन्य निर्माण कार्यों के लिए खर्च होंगे। साथ ही, जैतसर मंडी परिसर में लगभग 1.57 करोड़ रूपए की लागत के निर्माण कार्यों के लिए भी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री ने डूंगरपुर एवं झालरापाटन मंडी परिसरों में नवीन निर्माण कार्यों के साथ-साथ टीनशेड, चारदीवारी, टॉयलेट, कार्यालय भवन आदि के निर्माण और जीर्णोद्धार कार्यों के लिए भी क्रमशः 3.56 करोड़ रूपए एवं 1.21 करोड़ रूपए के ब्याज रहित ऋण मंडी विकास निधि से उपलब्ध कराने की मंजूरी दी है।

पांच गौण मंडियों को स्वतंत्र मंडी का दर्जा : श्री गहलोत ने किसानों को कृषि विपणन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य के तीन जिलों में स्थित पांच गौण मंडी यार्डों को स्वतंत्र मंडियों के रूप में क्रमोन्नत करने को मंजूरी दी है। उन्होंने अलवर जिले के बहरोड़, किशनगढ़बास और तिजारा, झालावाड़ के मनोहर थाना और पाली के सोजत सिटी में स्वतंत्र मंडियां बनाने के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। ये सभी गौण मंडी यार्ड स्वतंत्र मंडी की स्थापना के लिए निर्धारित मंडी शुल्क के रूप में न्यूनतम 40 लाख रूपए वार्षिक आय के मापदंड को पूरा करते हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलवाई

पाली, 23 जनवरी (निसं)। बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के तहत सीडलिंग किड्स एकेडमी रानी मे गुरूवार को बच्चो व शिक्षिकाओ को अच्छा स्पर्श और खराब स्पर्श की भावनाओं व सुरक्षा के उपायो की जानकारी दी।

पाली बेटी बचाओ बेटी पढाओ के ब्रॉड एम्बेस्टर डॉ. राजकमल पारीक ने बेटीबचाओ बेटी पढाओ की शपथ दिलाई।

इससे पूर्व स्वच्छता, स्वास्थ, जलबचाव यातायात सावधानियो के बारे में तथा हिमांशु पलोड ने सुकन्या पोस्ट ओफिस योजना की जानकारी दी। टीम सदस्य व एकेडमी प्रबंधक रजनी कुमावत, प्रधानाचार्य सोनिया परमार, ममता वैष्णव, शोभा चैहान, दिशा, हिना, अनिता, तरूणा मौजुद थे।

महात्मा गांधी अहिंसात्मक तकनीक विषयक व्याख्यान आयोजित

पाली, 23 जनवरी (निसं)। राजकीय बांगड़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरूवार को योजना मंच के तत्वावधान में महात्मा गांधी की अंहिसात्मक तकनीक विषयक व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें मुख्यवक्ता प्रो. जे.पी. टेलर पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय जैतारण रहें। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की सत्य एवं अंहिसा की तकनीकों की सहायता से वर्ग विहीन समाज की स्थापना की जानी चाहिए तभी भारत वर्ष शांति की ओर अग्रसर हो सकेंगा। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वी.डी. दवे ने की। योजना मंच संयोजक डॉ. उषा राठी ने गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. विनीता अरोड़ा ने किया। निबंध प्रतियोगिता, चार्ट मैकिंग तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। चार्ट प्रतियोगिता में प्रथम रोजी अखतारी, द्वितीय संयुक्त रूप से अनुराग पंवार, भुवनेश्वरी पारीक, तृतीय संयुक्त रूप से शेरसिंह राजपुरोहित तथा आचल राजपुरोहित रहीं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम शेरसिंह राजपुरोहित, द्वितीय संयुक्त रूप से पुनम सोलंकी व श्रवणसिंह राजपुरोहित, तृतीय संयुक्त रूप से भुनेवशरी पारीक व किरण राजपुरोहित रहें। कार्यक्रम में डॉ. रविकुमार दाधिच, डॉ. संगीता आर्य, डॉ. प्रेमवती, डॉ. रेणु कोहली, डॉ.देवाराम आदि संकाय सदस्य मौजूद रहे अन्त में धन्यवाद ज्ञापित प्रो. श्यामलाल तोषावरा ने किया।

पालिका बोर्ड की पहली साधारण बैठक आयोजित

भीनमाल, 23 जनवरी (निसं)। नगरपालिका बोर्ड की पहली साधारण बैठक गुरूवार को नगरपालिका के सभा भवन में अध्यक्ष विमला सुरेश बोहरा, विधायक पूराराम चौधरी, उपाध्यक्ष प्रेमराज बोहरा, उप खंड अधिकारी अवधेश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व सभी नव निर्वाचित पार्षदों का उपाध्यक्ष प्रेमराज बोहरा ने माल्यार्पण व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। अध्यक्ष विमला सुरेश बोहरा ने महिला सदस्यों का स्वागत करते हुए सभी नवनिर्वाचित पार्षदों का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। अधिशाषी अधिकारी शिकेश कांकरिया ने बैठक के एजेंडा के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बैठक नगर हित में निर्णय लिये जायेगे। बैठक में विधायक पूराराम चौधरी ने कहा पानी की समस्या को लेकर वे लिखित में मुझे अवगत करवाए ताकि उनका समाधान करवाया जा सके। पानी की समस्या को प्राथमिकता दी जाएगी। उपखण्ड अधिकारी अवधेश मीणा ने कहा कि शहर में स्वच्छता के लिए नगरपालिका बोर्ड अभियान चलाए। पानी की समस्या को लेकर सभी को मिलकर समाधान करना होगा। पार्षद ममताकंवर भोजाणी ने नाले के जरिए जाकोब तालाब में आ रहे गंदे पानी को रोकने एवं ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर गंदे पानी को साफ करने के लिए अपनी बात रखी। जिस पर अधिशाषी अधिकारी ने इस पर कार्य करवाने का आश्वासन दिया। पार्षद प्रवीण एम दवे ने सब्जी मंडी को नेहरू मार्केट में ही रखने के लिए अपनी बात रखी। पार्षद जयसिंह राव ने कहा कि आईएचएसडीपी योजना के अंतर्गत निर्मित अवासीय मकान पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को आवंटित किए जाए। पार्षद बागाराम मेघवाल ने अपने वार्ड में निवास करने वाली पाउआ बस्ती के पास मकान नही है ऐसे में उन्हें इस योजना के तहत आवंटित करने की बात रखी। पार्षद तलकाराम रांगी ने हाईस्कूल तक जर्जर सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की। पार्षद गोमती देवी ने वार्ड 18 में नियमित सफाई कर्मी नही पहुंचने के बारे में शिकायत की। बैठक में पार्षद शंकरलाल बंजारा, हकीम खां, तेजाराम सोनी, दीपाराम घांची, भोमाराम माली, रेखा देवी माली, समुंद्र कंवर, हीना माली, डिंपल बंजारा, भावना, संतोष कंवर, संगीता जैन सहित कई पार्षदगण उपस्थित रहे।

मंडी बनाने के लिए रखा प्रस्ताव- उपाध्यक्ष प्रेमराज बोहरा ने राजकीय चिकित्सालय के पीछे सब्जी मंडी बनाने के लिए सदन में प्रस्ताव रखा। उपाध्यक्ष ने कहा कि पुरानी सब्जी मंडी में यातायात हमेशा बाधित रहता है, जिससे राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ती है। राजकीय चिकित्सालय के पीछे सब्जी मंडी बन जाने के बाद पार्किंग एवं खुली जगह मिलने से हर किसी के लिए सुविधा रहेगी। इसके पश्चात सभी ने इस पर सहमति व्यक्त की।

बैठक में नगरपालिका में पुरानी आबादी की सीमा निर्धारित करना, कर्मचारियों का परीविक्षाकाल पूर्ण होने पर सेवाओं का स्थाईकरण, भीनमाल की ऐतिहासिक धरोहरों का पूर्ण जीर्णोद्धार करने, पालिका क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण व अवैध निर्माण पर कार्यवाही करने, राज्य सरकार द्वारा नगरपालिका को आवंटित हुई जमीन को सुपुर्द करने, माघ चौक स्थित सुलभ शौचालय के पास स्थित पालिका भूमि को विकसित करने सहित 15 विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिशाषी अधिकारी शिकेश कांकरिया ने नए वाहनों की खरीद के लिए सदन में प्रस्ताव रखा। जिसमें एक इनोवा कार, एक छोटी जेसीबी, बड़ी जेसीबी, सीवर जेटिंग मशीन, एक अग्निशमन वाहन, एक ट्रेक्टर ट्रॉली खरीदने के

आउटरीच कैंपों में 389 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

पाली, 23 जनवरी (निसं)। चिकित्सा विभाग की ओर से गुरूवार को पाली शहर के नया गांव एवं मणि नगर में आउटरीच कैंपों का आयोजन किया गया। इन दोनों स्वास्थ्य शिविरों में 389 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर निःशुल्क दवाईयां दी गई। सीएमएचओ डॉ.आरपी मिर्धा ने बताया कि पाली शहर की दूरस्थ आबादी में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की ओर से पाली शहर के राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टैगोर नगर की ओर से 23 जनवरी गुरूवार को मेडिकल कैम्प का आयोजन सांसी बस्ती नया गाँव मे किया गया। मेडिकल कैंप में आसपास के शहर वासियों ने भारी संख्या में भाग लिया। नया गांव स्थित सांसी बस्ती में आयोजित शिविर में आए 207 लोगों के स्वास्थ्य की जांच डॉ विकास अरोड़ा ने की। कार्यक्रम प्रबन्धक जितेन्द्र परमार ने बताया कि मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ विकास अरोड़ा ने मौसमी बीमारियों की जानकारी प्रदान की। शिविर में किशोरी बालिकाओं के टी-टी के टीके लगाये गये। साथ ही गर्भवती महिलाओं को प्रसवपूर्व जाँच कर संतुलित पोषण, टीकाकरण व संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर शहरी कार्यक्रम प्रबंधक जितेंद्र परमार, शहरी जिला लेखा प्रबंधक हाजी मोहमद, चिकित्सा अधिकारी डॉ.विकास अरोड़ा, आशा समन्वयक कुलदीप गोस्वामी, दक्षता मेंटर डॉ.सूर्यभवानीसिंह, जिला आईईसी समन्वयक नंदलाल शर्मा, पब्लिक हेल्थ मैनेजर अशोक कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर मो फरदीन, लेखाकार भूमिका चैधरी, नर्स रेखा चैधरी, एलटी यशपाल सिंह, एएनएम मंजू पालीवाल व कांता मौजूद रहे। इसी तरह एनयूएचएम के अंतर्गत राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रताप नगर की ओर से गुरूवार को ही मणि नगर स्थित गोगा जी मंदिर के समीप आउटरीच कैंप आयोजित किया गया। इस शिविर में चिकित्सक डॉ.राजेश कुमार द्वारा 182 लोगों के स्वास्थ्य की जॉच कर उपचार दिया गया। इस शिविर में डीईओ गोपाल सिंह, लेखाकार दिनेश सिंह, जीएनएम आशालता शर्मा, एएनएम उमा सामरिया, शोभा वैष्णव, एलटी विजय वागोरिया, आशा मुन्नी शर्मा, सविता शर्मा, रुकमणी आदि उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस परेड-2020 : फुल ड्रेस रिहर्सल में राजस्थान की झांकी ने दर्शकों का मन मोहा

जलतेदीप ब्यूरों नई दिल्ली। नई दिल्ली के राजपथ पर गुरुवार को गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल में राजस्थान की झांकी ने दर्शकों का मन मोह लिया। राजस्थान की झांकी में ऐतिहासिक नगर जयपुर की विश्व विख्यात हेरिटेज़ विरासत के दिग्दर्शन हुआ। झांकी की आकर्षक डिज़ाइन जयपुर के जाने माने कलाकार हरशिव शर्मा ने बनाई है। राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव एवं झांकी के नोडल ऑफ़िसर विनय शर्मा ने बताया कि झाँकी में जयपुर के विरासतीय भवनों के वैभव को दर्शाया गया। जिसमें जाली झरोखों से सुसज्जित बाज़ारों स्मारकों

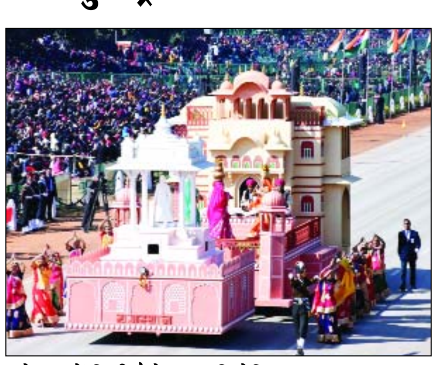

प्रवेश द्वारों सिटी पैलेस द्वार त्रिपोलिया दरवाज़ा स्टेच्यू सर्किल आदि को शामिल किया गया हैं जो जयपुर की खूबसूरती में चार चाँद लगाने वाले प्रतीत हुए। झांकी के ट्रैक्टर पार्ट पर कंगूरेदार परकोटा पर स्टेच्यू सर्किल पर स्थित जयपुर के संस्थापक सवाई जयसिंह की प्रतिमा आलंकारिक मार्बल पत्थर में छतरी सहित दर्शाई गई। झांकी के ट्रेलर पार्ट में जयपुर शहर की खूबसूरत गुलाबी रंग की दीवारों को छतरियों जालियों महराब आदि से सजाया गया हैं। पृष्ठ भाग में जयपुर के सिटी पैलेस में स्थित चंद्रमहल का रंगीन डिज़ाइन युक्त द्वार झरोखे खूबसूरत गुम्बद आदि को दर्शाया गया हैं। यहाँ तीनों तरफ़ के दरवाज़ों में लोक कलाकारों को ग्यारह प्रकार के सुप्रसिद्ध कठपुतली नृत्य करते हुए दर्शाया गया।

झांकी के ऊपर लोक वाध्य वादकों को सारंगी मंजीरा ढोलक आदि बजाते हुए दर्शाया गया हैं।साथ ही राजस्थानी संगीत की सुमधुर धुनों के साथ सिर पर मटके लेकर चरी एवं भवई नृत्य प्रस्तुत करती नृत्यागनाओं को दर्शाया गया ।झाँकी के दोनों ओर भी राजस्थान के प्रसिद्ध लोक देवता रामदेव जी पीर के पलगीत रुण झूंण बाजे घुंघरा लोक गीत पर नृत्यागनाओं द्वारा नृत्य प्रदर्शित कर रहे थे ।

16 उप सरपंच निर्विरोध निर्वाचित

पाली, 23 जनवरी (निसं)। पंचायत राज संस्थाओं के द्वितीय चरण में पाली पंचायत समितियों के 24 उप सरपंच के चुनाव में 16 उप सरपंच निंविरोध, 7 विजयी एवं एक उप सरपंच लॉटरी के माध्यम से बने है। पाली पंचायत समिति में 24 ग्राम पंचायतों में 16 उप सरपंच निंविरोध निर्वाचित हुए है। जिसमें ग्राम बाणिवास से मनोहरसिंह, भांगेसर से भंवरकंवर, भांवरी से ज्ञानदास, बोमादडा से कन्हैयालाल, डरी से किशनसिंह, दयालपुरा से श्रवण भाट, डिंगाई से महेन्द्रसिंह, गिरादडा से नरपतसिंह, गुडा एंदला से हंजा, गुरडाई से पारसदेवी, हेमावास से हर्षलता, कुरना से सुगना मीणा, मनिहारी से डूंगाराम, रूपावास से संजू, सोडावास से नाहरसिंह, टेवाली से केवाराम उप सरपंच के लिए निंविरोध निर्वाचित हुए। ग्राम पंचायत वडेरवास से गुणेशराम, गुन्दोज से मधु शर्मा, खैरवा से मजीज खान, लाम्बिया से नेमसिंह, साकदडा से पार्वतीदेवी, सांपा से काली देवी एवं सोनाईमांझी से उषा कंवर उप सरपंच चुनाव विजयी रहे। ग्राम पंचायत डेण्डा से श्रवण दास लॉटरी के माध्यम से उप सरपंच निर्वाचित हुए।

उचित मूल्य दुकान का प्राधिकार पत्र निलंबित

पाली, 23 जनवरी (निसं)। जिला रसद विभाग द्वारा सोजत सिटी उचित मूल्य दुकान में अनियमितता पाये जाने पर प्राधिकार पत्र निलम्बित कर दिया है। जिला रसद अधिकारी सुरेशदत्त पुरोहित ने बताया कि प्रवर्तन निरीक्षक श्रीमती कृष्णा भाटी द्वारा मैसर्स गणपतलाल बस्तीराम उचित मूल्य दुकानदार सोजत सिटी में निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में गंभीर अनियमितता पाई गई। मैसर्स गणपतलाल बस्तीराम उचित मूल्य दुकानदार का प्राधिकार पत्र तुरन्त प्रभाव से निलम्बित कर वैकल्पिक व्यवस्था के लिए नजदीकी डीलर मैसर्स मोहनलाल सीमाराम उचित मूल्य दुकानदार सोजतसिटी को वैकल्पिक व्यवस्था अधिकृत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम इंद्रधनुष का आगाज

बालोतरा, 23 जनवरी (निसं)। छात्र संघ के तत्वावधान में इंद्रधनुष का शुभारंभ आज प्राचार्य अर्जुनराम पूनिया ने किया। छात्रसंघ परामर्शदाता डॉ संजय माथुर ने बताया कि कविता पाठ प्रतियोगिता में ज्योति ने प्रथम, रंजना ने द्वितीय एवं अनीता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल गायन प्रतियोगिता में नेहा ने प्रथम, अनीता ने द्वितीय एवं दीपिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह गान प्रतियोगिता में भावना समूह ने प्रथम, ज्योति समूह ने द्वितीय एवं मैना चौधरी समूह तृतीय स्थान पर रही।

जलदाय विभाग के राजस्व वसूली अभियान शिविर 27 से

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राजस्व वसूली अभियान के लिए शिविरों का समयबद्ध कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। नगर खण्ड प्रथम के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि 27 से 30 जनवरी तक चलने वाले इस राजस्व वसूली शिविर का विभिन्न क्षेत्रवार आयोजन किया जाएगा। शिविरों का समय प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगर उपखण्ड व्यास पार्क में लगने वाले शिविर के तहत चांदपोल के अंदर व बाहर का क्षेत्र, तापड़िया बेरा, भागीपोल से जुड़ा क्षेत्र, नवचौकिया, नायों का बडा, विद्याशाला स्कूल, बाईजी आश्रम वितरण क्षेत्र, आडा बाजार से लखारा बाजार, कुम्हारिया कुआ से खाण्डा फलसा, सिंवाची गेट, कबूतरों का चौक, इस्हाकिया स्कूल क्षेत्र के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इसी तरह उपखण्ड कबीर नगर में लगने वाले शिविर में कबीर नगर भील बस्ती, सूरज बेरा वितरण क्षेत्र, सूरज बेरा भुरिया बस्ती, व्यापारियों का मोहल्ला, रूपावतों का बास, कालूरामजी की बावड़ी, भैरूचौक, सिंधियों की गली, भोजावतों का बास, मन्ना की बाडी, उटों की घाटी, प्रकाशनी नई पुरानी भाकरी बास, रेडियो चौराहा, खरखुजा बावडी आदि, रावटी, गोयलों की ढाणी, कालीबेरी, गण्डेरों की ढाणी, तिंवरी रोड, सोढों की ढाणी आदि वितरण क्षेत्र के लोग लाभ उठा सकेंगे। उपखण्ड गांधी मैदान में सरदारपुरा ए से

बी रोड, नेहरू पार्क, बख्तसागर, शनिश्चरजी का थान से उम्मेद अस्पताल, उम्मेद अस्पताल से बी पी पैट्रोल पंप से अहिंसा पार्क के सी लोन से बी रोड से नानक स्टोर तक का क्षेत्र रहेगा। इसके साथ ही राजदान अस्पताल, घोड़ों का चौक, राजदादी अस्पताल, रावतों का बास, नृसिंह दडा, जालप मौहल्ला, जालोरी गेट से पुरी तिराहा, महावीर काम्पलेक्स चौराहा, सरदारपुरा सी रोड, कुम्हारों का बास, गोल बिल्डिंग से शनिश्चरजी का थान मंदिर तक के क्षेत्र के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। प्रतापनगर उपखण्ड में भीका प्याऊ, जगदंबा कोलोनी, संजय कोलोनी, प्रताप नगर, मीरा कोलोनी, कायलाना चौराहा, हुडकों टंकी से जुडे क्षेत्र, आखलिया चौराहा, मसूरिया हिल, बलदेव नगर, 12 वीं रोड के उपरी क्षेत्र से बोम्बे मोटर्स तथा नगर उपखण्ड फ्तेहसागर में लगने वाले शिविर में नागोरी गेट के अंदर का क्षेत्र, किला रोड, कागा कागडी, अजय चौक, विजय चौक, कलाल कोलोनी, बागर, त्रिपोलिया, माणक चौक, मकराणा मोहल्ला, हाथीराम का ओडा, जालोरियों का बास, महावतों का बास से घासमंडी तक, बम्बा मोहल्ला, पुराना स्टेडियम, हनुमान भाखरी, आसन उदय मंदिर, गउ फाटक, कलाल कोलोनी, नया तालाब, गुलजारपुरा, उम्मेद चौक, लायकान मोहल्ला आदि क्षेत्र के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

चित्रांगदा का प्रदर्शन आज

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। फिल्म सोसायटी ऑफ जोधपुर 24 जनवरी से चुनिंदा श्रेष्ठ फिल्मों का प्रदर्शन करेगी। फिल्मों का प्रस्तुतिकरण सूचना केन्द्र के सभागार में प्रतिदिन शाम 6 बजे से होगा। यह प्रदर्शन चार दिन लगातार किया जायेगा। फिल्म सोसायटी जोधपुर के सचिव प्रोफेसर केएल श्रीवास्तव ने बताया कि 24 जनवरी को फिल्म 'चित्रांगदा' प्रदर्शित की जाएगी। चित्रांगदा बंगाली पृष्ठभूमि की कथा है जो लिंग भेद के दर्द को बखूबी बयान कर सकारात्मक निष्कर्ष देती है। यह फिल्म विश्व के लाखों ऐसे लोगों के प्रेरणा है जो एकल लिंग परिवार में पूर्णता खोज रहे है। 2012 के न्यूयार्क भारतीय फिल्मोत्सव इसे प्रदर्शन का तथा 60वा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'विशेष जूरी' सम्मान प्राप्त है। 25 जनवरी को प्रदर्शित होनी वाली फिल्म 'मिथ्या' 2008 की रजत कपूर द्वारा लिखित एवं निर्देशित फिल्म है जिसमें रणवीर शौरी, नेहा धूपिया, नसीरूद्दीन शाह एवं विनय पाठक मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म इतिहास की एक श्रेष्ठ कृति 'गोन विद द विंड' जो अमेरिकन अंग्रेजी फिल्म है, पश्चिम अमेरिका के 'काले गोरे' भेद और जुल्म के पार्श्व की 1939 की फिल्म है जिसे अब तक के सर्वाधिक सम्मान प्राप्त हुए हैं। इस फिल्म का प्रदर्शन 26 जनवरी को होगा। 27 जनवरी को 'श्वेत क्रांति' पर आधारित फिल्म 'मंथन' की प्रस्तुति होगी। पांच लाख गरीब किसानों द्वारा दो रुपए प्रति व्यक्ति संचय कर दुग्ध उत्पादन और व्यापार की सफ्ल कहानी जो गुजरात की है का प्रदर्शन होगा।

डॉ. दाधीच साहित्य सम्मान समारोह दो को

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। लेखिका प्रतिभा शर्मा को मौन सोनचिरी कविता संग्रह पर डॉ. रामप्रसाद दाधीच साहित्य सम्मान से नवाजा जाएगा। चिंतक साहित्य अकादमी, दिल्ली से पुरस्कृत नन्दकिशोर आचार्य के मुख्य आतिथ्य में गांधी भवन में दो फरवरी को सुबह 11.30 बजे आयोज्य सम्मान समारोह में प्रतिभा शर्मा को 5100 रूपए, शॉल और श्रीफल भेंट किया जाएगा। दिया जाएगा। डॉ. पद्मजा शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में कवि दशरथ सोलंकी पत्र वाचन करेंगे। अध्यक्षता मोहनकृष्ण बोहरा करेंगे।

आयकर विशेषज्ञों का दल दिल्ली रवाना

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। आयकर अपीलीय अधिकरण के 79 वें फाउंडेशन डे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आईटीएटी बार मरूधरा टैक्स बार एसोसिएशन वेस्टर्न राजस्थान तथा ऑल इंडिया फैडरेशन से पीएम चौपड़ा के नेतृत्व में राजस्थान से 8 सदस्यीय दल मंडेर एक्सप्रेस से दिल्ली रवाना हो गया। दल में डॉ एसएल जैन,अशोक जांगिड, महेश गहलोत आदि मुख्य पार्टिसिपेंट होंगे। फाउंडेशन डे कार्यक्रम 24 तथा 25 जनवरी को होटल द अशोक चाणक्यपुरी दिल्ली में होगा। कार्यक्रम का उदघाटन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एसए बोबड़े करेंगे। कार्यक्रम 24 तथा 25 जनवरी को दो दो टैक्निकल सेशन होंगे।

श्रवण बाधित बच्चों की जांच कर यंत्र दिए

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। रूद्राक्ष एज्युकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क जांच एवं निशुल्क श्रवण यंत्र वितरण शिविर के अंतिम दिन 50 से अधिक बच्चों की जांच की गयी एवं श्रवण यंत्र वितरित किये गये। शिविर में अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक एवं श्रवण दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान से आये विशेषज्ञ डॉ आरपी शर्मा, गोपाल शर्मा, अरविंद सुखाडे, बालाजी शिंदे तथा संजय खडांगले ने बच्चों के कान की जांच की एवं उनकी आवश्यकतानुसार श्रवण यंत्र प्रदान किये गये। शिविर में जोधपुर जिले तथा आस पास के क्षेत्रों से आये बच्चों ने जांच करवायी तथा श्रवणयंत्र प्राप्त किये।

'मन की बात' के लिए मंडल समन्वयक नियुक्त

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का बूथ स्तर पर सफल आयोजन को लेकर जिला समन्वयक व मण्डल समन्वयकों की नियुक्ति की।

संभाग मीडिया प्रभारी जगदीश धाणदिया ने बताया कि शिवकुमार सोनी को मन की बात कार्यक्रम का जिला समन्वयक नियुक्त किया गया। साथ ही मण्डल समन्वयकों को भी नियुक्त किया। महामन्दिर मण्डल में सुरेन्द्रसिंह भाटी, लालसागर मण्डल में मनोहर सिंह परिहार, पावटा मण्डल में अब्दुल रशीद अब्बासी, राईकाबाग मण्डल में कैलाश गौड़, खाण्डाफलसा मण्डल में लक्ष्मीनारायण सोलंकी, त्रिपोलिया मण्डल में ललित सुथार, रातानाडा मण्डल में जेठूसिंह चैहान, शास्त्रीनगर मण्डल में शिवकरण गुर्जर, मसूरिया मण्डल में किशन लढ्ढा, चैपासनी मण्डल में ललित पारवानी, सूरसागर मण्डल में शिवदत्त व्यास एवं प्रताप नगर मण्डल में नवीन वैष्णव को नियुक्त किया गया।

कृषि अधिकारियों ने फसलों पर हो रहे प्रयोगों की जानकारी ली

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अनुसंधान प्रक्षेत्र पर विभिन्न फसलों पर चल रहे अनुसंधान एवं बीज उत्पादन कार्यों का अवलोकन कृषि विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त

निदेशक, डा. वीके पाण्डे के नेतृत्व में भ्रमण किया और पादप प्रजनक वैज्ञानिकों द्वारा जीरा, सरसों व इसबगोल की फसलों का प्रयोगो की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डा. सीताराम कुम्हार, शस्य वैज्ञानिक डा. मोतीलाल मेहरिया ने फसलों पर हो रहे प्रयोगों की जानकारी दी। इस मौके संयुक्त निदेशक उद्यान एनआर बामनिया, उप निदेशककृषि बीआर सोलंकी, उप निदेशक रसायन अकरम व कृषि अनुसंधान अधिकारी केके शर्मा, वैज्ञानिक डा. रमेश, डा. विक्रम मीना व डा. राहुल भारद्वाज आदि उपस्थित रहें। इस बीच विश्वविद्यालय में राजस्थान के कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक कार्य योजना 2020 का उद्घाटन किया गया। कुलपति डा. बीआर चौधरी ने कहा कि बदलते परिवेश को ध्यान में रखते हुए प्रति हेक्टयर उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत कम करना आवश्यक है इसके लिए समन्वित कृषि प्रणाली प्रबंधन सबसे अच्छा उपाय है। डा. एस.के सिंह निदेशक अटारी ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को किसान उत्पादक समूह एवं संरक्षित खेती पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि उत्पादकता के साथ-साथ स्थायित्व आ सके। डा. ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय ने आगन्तुकों का स्वागत किया।

शिविर में 200 महिलाओं के आर्टिजन कार्ड बनें

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। लघु उद्योग भारती मण्डोर इकाई तथा कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय के सहयोग से हस्तशिल्पियों-दस्तकारों के हितार्थ आर्टिजन कार्ड शिविर का आयोजन हरे कृष्णा इंडस्ट्रीज मण्डोर औद्योगिक क्षेत्र परिसर में किया गया। कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार जोधपुर के सहायक निदेशक किरण वी एन ने आर्टिजन कार्ड के महत्व को बताया। मण्डोर इकाई अध्यक्ष मंजू सारस्वत ने अतिथियों का स्वागत किया। लघु उद्योग भारती मण्डोर अंचल सचिव पूनमचन्द तंवर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं के 200 से अधिक आर्टिजन कार्ड बनाये गए। इस मौके घनश्याम खत्री, श्रीमती स्वाति शर्मा, बिन्दु जैन, रीना ओझा, भानुप्रिया भट्ट व चंचला दवे उपस्थित रहे।

टेक्सटाईल्स उद्योगों को चेंज ऑफ मशीनरी की छूट प्रदत्त

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। मरूधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन की मांग पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा राज्य के टेक्सटाईल्स उद्योगों को बड़ी राहत दी गई है। एमआईए के अध्यक्ष ज्ञानीराम मालू एवं सचिव मुकेश खत्री ने बताया कि एमआईए ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अवगत कराया गया था कि राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा टेक्सटाईल्स उद्योगों में परंपरागत प्रिंटिंग की बजाय मशीनरी से प्रिंटिंग करने हेतु यदि विभाग द्वारा स्वीकृत केएलडी में ही मशीनरी लगाने हेतु विभाग में आवेदन किया जाता है तो विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड मशीनरी अर्थात उद्योग में पूर्णतया मशीनरी लगाने पर ही एनओसी प्रदान की जाती है जिससे राज्य के हजारों टेक्सटाईल्स के छोटे उद्यमियों को इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा था। उद्योपतियों की समस्या पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल ने इंटीग्रेटेड शब्द को विलोपित करते हुए सीईटीपी से जुड़ी हुई सभी टेक्सटाईल्स इकाईयों को चेंज ऑफ मशीनरी के आदेश जारी किये गये है जिससे राज्य के सभी छोटे टेक्सटाईल्स उद्योगों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। एमआईए के पूर्व अध्यक्ष सुनील परिहार ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

व्यक्ति के जीवन को बदल देता है सत्संग

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। यह विचार सुनील महाराज ने व्यक्त किए। वे आज धर्मार्थ सेवा संस्थान, श्री सालासर बालाजी प्रचार एवं सेवा समिति, किसान नर्सरी कच्छवाह परिवार के संयुक्त तत्वावधान में रॉयल्टी नाका के पास प्रतापनगर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। व्यक्तियों को जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। भागवत कथा के दौरान कपिल चरित्र, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र, नृसिंह अवतार आदि प्रसंगों पर प्रवचन करते हुए उन्होने कहा कि भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है।

गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल आज

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। गणतंत्र दिवस समारोह की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण की जा चुकी है। मुख्य समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास फुल ड्रेस के साथ शुक्रवार की प्रातः उम्मेद राजकीय स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। मुख्य समारोह 26 जनवरी की प्रातः 9 बजे से होगा।

मुख्य अतिथि समारोह में सीधे सलामी मंच पर ध्वजारोहण के साथ ही स्टेडियम पहुंचेंगे तथा खुली जिप्सी में विभिन्न टुकड़ियों में मार्चपास्ट का निरीक्षण करने के बाद सलामी लेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि प्रतिभावान विद्यार्थियों, होनहार खिलाड़ियों, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उत्कृट कार्य करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित करेंगे। समारोह में राज्यपाल के संदेश पठन के बाद सामूहिक व्यायाम, डंबल्स एवं लेजियम के प्रदर्शन एवं अन्य रोचक कार्यक्रम भी होंगे। इस मौके सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की छात्राएं रंग-बिरंगी पौशाक में करेंगी। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी की शाम 6 बजे जयनारायण व्यास टाउन हॉल में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की ओर से आकर्षक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। समारोह में सरदारपुरा बालिका विद्यालय, नेहरू युवा केन्द्र...

सांस्कृतिक संध्या कल

बालिका विद्यालय, नेत्रहीन विकास संस्थान, जालोरी गेट विद्यालय, सोहनलाल मनीहार, बी जे एस, न्यू आर के पब्लिक स्कूल एवं जालोरी गेट बालिक विद्यालयों द्वारा राजस्थानी, महिला सशक्तिकरण, देशभक्ति गीत एवं अन्य संदेशों पर आधारित गीत एवं नृत्य के शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी।

हुंडई की ऑरा जोधपुर में लॉन्च

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। हुंडई इंडिया लिमिटेड के स्थानीय अधिकृत विक्रेता देवड़ा हुंडई पर कल नई कार ऑरा लॉन्च हुई। मुख्य अतिथि जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक की डायरेक्टर कुंती देवड़ा थीं।

शो रूम के डायरेक्टर किशनसिंह देवड़ा ने बताया कि ऑरा एक कम्पलीट सेडान कार है। इसे तीन प्रकार के ईंजन के साथ मार्केट में उतारा है। इसे पेट्रोल में 1.2 वीटीवीटी केएपीपीए इंजन और डीजल में 1.2 सीआरडी इंजन के साथ-साथ 1.0 टर्बो जीडीआई इंजन उतारा गया है।

ईको कोटिंग टेक्नोलॉजी के साथ 13.6 सीएम डिजिटल स्पीडोमीटर, वायरलेस चार्जर, 20.25 सीएम का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेन्ट सिस्टम साथ में स्मार्ट फोन कनेक्टिविटी, क्रूज कंट्रोल, ड्राइवर रियर व्यू मिरर मॉनिटर जो कि इस सेगमेंट में किसी भी कम्पनी द्वारा पहली बार दिए गए है। ऑरा 6 आकर्षक रंगों में डायमंड कट अलॉयव्हील्स के साथ उपलब्ध रहेगी। शुरूआती कीमत 5,79,900 रुपए है। इस मौके पर विवेक देवड़ा, विनिता देवड़ा (गहलोत) व जनरल मैनेजर अजित सिंह टाक सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विवेक अध्यक्ष और अभिषेक सचिव

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। अखिल भारतीय भंसाली समाज जोधपुर शाखा का गठन पाल रोड स्थित भंसाली भवन में किया गया। समाज के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष घेवरचंद भंसाली की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से जोधपुर शाखा के गठन हेतु कार्यकारिणी के चुनाव करवाये गए।

राष्ट्रीय क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राणमल भंसाली ने बताया कि अध्यक्ष पद पर विवेक भंसाली एवं सचिव पद पर अभिषेक भंसाली का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया।

इश्क अली दरगाह में उर्स शुरू

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। न्यू चांदपोल रोड न्यू बरकतुल्लाह खान कॉलोनी स्थित दरगाह इश्कअली शाह का उर्स आज शुरू हो गया। जादीम इलियास ने बताया कि गुरूवार को दोपहर 2.30 बजे जौहर की नमाज के बाद झण्डा की रस्म अदा कर उर्स का आरंभ किया गया। 25 जनवरी को रात्रि 10 बजे से कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। सांय 4 बजे चादर शरीफ पर पेश की जाएगी। कुल की रस्म 26 जनवरी को अदा की जाएगी।

मोदी वार्ड अध्यक्ष

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। उपभोक्ता कांग्रेस राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विजय पंडित के निर्देशानुसार जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष मोहम्मद अशफाक खान ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए उत्तर जोन के वार्ड संख्या 34 के अध्यक्ष पद पर मोहम्मद काशिम मोदी को नियुक्त किया है।

आफन्दी ने मौलाना आजाद कैम्पस का अवलोकन किया

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। जर्मनी बर्लिन के सूफी सिनेटर रब्बानिया के तुर्की वंशज के आध्यात्मिक गुरू शेख अशरफ आफन्दी ने 14 अनुयायियों के साथ मौलाना आजाद कैम्पस का अवलोकन किया। उन्होने कहा कि हमें खुदा से इबादत और उसके बन्दों से खिदमत का सम्पर्क बनाये रखना चाहिये। उन्होने मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी जोधपुर की स्थापना, उसके निर्माणाधीन भवन व यूनिवर्सिटी की शिक्षा पद्धति को सराहा। संचालन मोहम्मद अमीन ने किया। इस मौके पूर्व महासचिव मोहम्मद अतीक, फिरोज अहमद काजी, इन्तिखाब आलम, जितेन्द्र खत्री, शब्बीर हुसैन, मीनाक्षी, करूणा सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत

तीन मकानों में चोरी, धारदार चाकू सहित दो युवक गिरफ्तार

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। जालोर जिले में रहने वाली एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसे बुधवार को जालोर से जोधपुर रैफर किया गया था। संदेह है कि उसने कीटनाशक का सेवन किया था। पुलिस ने गुरवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम करवाया। जालोर जिले की कोतवाली पुलिस ने बताया कि मूलतः चूरू जिले के राजगढ़ हाल सीएमएचओ कार्यालय जनेउखारी की रहने वाली खुशी (23) पत्नी पवन कुमार की संदिग्ध हालात में तबीयत बिगड़ गई। तब उसे उपचार के लिए जालोर अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में रात को उसे जोधपुर के एमडीएमएच रैफर किया गया। यहां उसकी मध्य रात मौत हो गई। संदेह जताया गया है कि खुशी ने कीटनाशक खाया था जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिस की तरफ से अनुसंधान जारी है।

तीन मकानों में चोरी- शहर में नकबजनी की वारदातें नहीं थम रही। लगातार चोरों द्वारा सेंध लगाई जा रही है। शहर में तीन मकानों में हुई चोरी के केस पुलिस ने दर्ज किए है।

बनाड़ थाने में दी रिपोर्ट में लक्ष्मणनगर बी नांदड़ी निवासी विमलेश कुमार पुत्र रामकरणसिंह ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने रात्रि के समय उसके मकान में सेंधमारी करके अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा लिए। दूसरी तरफ महामंदिर के शिव शक्ति नगर महामंदिर निवासी हेमराज पुत्र किशनलाल ने पुलिस को बताया कि गत 21 जनवरी की रात्रि को चोरों ने उसके मकान के ताले तोड़कर अन्दर प्रवेश किया और वहां अलमारी व बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात चुरा ले गए। इधर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड के बिड़ला स्कूल के सामने रहने वाले पूनमसिंह पुत्र भंवरसिंह ने पुलिस को बताया कि उसके घर में घुसे अज्ञात नकबजनों ने अलमारी और बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा लिए।

धारदार चाकू सहित दो युवक गिरफ्तार- पुलिस ने धारदार चाकू लेकर घूम रहे दो युवकों को आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार किया। सदर बाजार थाने के एएसआई रामपाल ने जवाहर खाना रोड पर धारदार चाकू लेकर घूम रहे आसिफ पुत्र मुन्ना तथा बनाड़ थाने के एएसआई गोरधनराम ने खोखरिया गांव के पास रेलवे फाटक के सामने धारदार चाकू लेकर घूम रहे मूलतया मेड़ता सिटी हाल झोपड़ पट्टी रेलवे कैंट के सामने रहने वाले दिनेश पुत्र कालूराम गवारिया को आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार किया।

डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित हुए मेहता

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। भारत सरकार के नीति आयोग से पंजीकृत अमेरिका की 'रॉयल अमेरिकन यूनिवर्सिटी' की ओर से

समाजसेवी, पूर्व पार्षद राजेश मेहता को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुंबई की पांच सितारा होटल हॉली-डे-इन में आयोजित समारोह में मेहता को डॉक्टरेट ड्रेस कोड पहनाकर मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किये गये। मेहता को यह उपाधि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने हेतु विशेष पहल के फ्लस्वरूप मिली। इस अवसर पर पोदार इंटरनेशनल की निदेशक श्रीमती वंदना, यूएस पीस की एम्बेसेडर श्रीमती मधु कृष्णा, हास्य अभिनेता राजू सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

डॉ पंवार राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। वरिष्ठ समाजसेवी व साहित्यकार डॉ देवीलाल पंवार को भारतीय दलित साहित्य अकादमी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एसपी सुमनाक्षर ने बताया कि यह नियुक्ति डॉ पंवार की दीर्घकालीन सेवाओं व सेवाभाव, त्याग की मनोवृति को देखते हुए की गई है। स्मरण रहे डॉ पंवार वर्तमान में आधा दर्जन संस्थाओं के अध्यक्ष भी है और कई बार सम्मानित हो चुके है। इस नियुक्ति का सेनाचार्य अचलानंदगिरी महाराज, अकादमी के प्रदेशाध्यक्ष महंत आत्माराम उपाध्याय, जिलाध्यक्ष नरपतराम जोरम, बसेठा विकास सेवा समिति के महामंत्री ओमप्रकाश बामणिया, राज. अन्य पिछड़ावर्ग संरक्षण मंच के भगवानसिंह चौहान सहित अनेक व्यक्तियों व संस्थाओं ने स्वागत किया है। इससे पूर्व डॉ पंवार की धर्मपत्नी कीर्ति शेष डॉ गोविंद पंवार भी इस पद पर सेवा दे चुकी हैं।

मेवाड़ा प्रदेश महामंत्री

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद महेन्द्र मेवाड़ा को संगठन का प्रदेश महामंत्री पद पर मनोनीत किया है।

बालिका दिवस पर आज अनेक कार्यक्रम होंगे

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस पर रैली एवं रोचक प्रतियोगिताओं व कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि सभी कार्यक्रम प्राधिकरण के अध्यक्ष नृसिंहदास व्यास के नेतृत्व में आयोजित किए जाऐंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष संगीतराज लोढ़ा के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रातः 8 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर नैनी बाई का मंदिर तथा पुलिस कंट्रोल रूम में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी रैली के लिए इकट्ठे होंगे। प्रातः 9 बजे से समस्त रैलियां उम्मेद स्टेडियम जोधपुर पहुंचेंगी। इसके बाद न्यायाधिपति के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बैलून शो तथा पोस्टर एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के भी आयोजन किये जाएंगे।

सद्गुरु युक्ति साहेब का बरसी महोत्सव कल

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। सालावास कबीर चौराहा स्थित कबीर आश्रम में सद्गुरु कबीर आश्रम ट्रस्ट सालावास की ओर से आश्रम के संस्थापक सद्गुरु युक्ति (जुगति) साहेब का 49वां बरसी महोत्सव महंत अमरदास साहेब के सानिध्य में 25 जनवरी को श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। महंत अमरदास साहेब ने बताया कि सुबह युक्ति साहेब के समाधि स्थल पर पूजा अर्चना के बाद 11 बजे से गुरु महिमा व बीजक पाठ, दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सत्संग, 4.30 बजे से संतों की पंगत व भक्तों की प्रसादी और रात्रि 8 बजे से संध्या पाठ, सत्संग जागरण का आयोजन होगा।

28 ग्राम पंचायतों के विद्यार्थियों को दिलाई बेटी बचाओ-बेटी पढाओ की शपथ

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से बेटी बचाओं-बेटी पढाओं योजना के तहत 28 ग्राम पंचायतों में स्थित

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को बेटी बचाओं बेटी पढाओं की शपथ दिलाई। विभाग की प्रचेता उर्मिला जोशी व नाज परविन ने बताया कि अभियान में पर्यवेक्षक व ब्लॉक सुपरवाइजर सुमेरसिंह व घनश्याम पंवार, स्कूल के बलदेव, कंचन, किस्तूराम, सीमा, रहमत, आचुकी, हेमलता सहित स्वयं सहायता समूह व आंगनवाडी कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया। उन्होने बताया कि अभियान के तहत गुरुवार को सामुदायिक बैठकों का आयोजन किया गया। वहीं 24 जनवरी को जाजीवाल अटल सेवा केन्द्र पर बालिका दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा।

छात्रसेवा मंडल ने कुलपति का स्वागत किया

जोधपुर, 23 जनवरी (कासं)। जेएनवीयू छात्रसेवा मंडल के पदाधिकारियों ने आज नवनियुक्त कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी के

स्वागत एवं शिष्टाचार भेंट की। सेवा मण्डल के चैयरमेन प्रो. ए.वी. सिंह, सचिव डॉ. जालमसिंह राठौर, सांस्कृति समन्वयक प्रो. कैलाश कौशल, सह-सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. हितेन्द्र गोयल एवं राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने कुलपति का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मौके कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के युवा महोत्सव के आयोजन की मंशा जताई। उन्होने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शैक्षणिक के साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी जरुरी है। कुलपति ने सेवा मंडल को रचनात्मक कार्य करने का सुझाव दिया।

दैनिक
जलते दीप

जयपुर, शुक्रवार 24 जनवरी 2020

सुप्रीम कोर्ट के हवाले

नागरिकता संशोधन कानून के पक्ष और विरोध में पूरा देश जिस तरह आंदोलित है, उसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के सामने अच्छा विकल्प यही था कि वह इस मामले में कोई जल्दबाजी न दिखाए। इसलिए उस तर्क को सबसे पहले खारिज हो ही जाना था, जिसमें यह आग्रह किया जा रहा था कि इस कानून पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाई जाए। इस मामले के महत्व को देखते हुए अब इस मामले को पांच जजों की पीठ के हवाले कर दिया गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार को इस कानून पर उठाई गई आपत्तियों का जवाब देने के लिए चार सप्ताह का और समय दिया गया है। पांच सप्ताह के बाद अदालत मामले की अगली सुनवाई के लिए नई तारीख देगी। पिछली बार जब सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तारीख मुकर्रर की थी, तो 60 से अधिक याचिकाएं दायर की गई थीं। और यह तारीख आते-आते अदालत में लगभग 80 अन्य याचिकाएं दायर हो गईं, जिनमें केरल राज्य द्वारा दायर याचिका भी शामिल है। केंद्र सरकार का आग्रह था कि नए तर्कों को देखते हुए उसे जवाब तैयार करने के लिए थोड़ा वक्त और मिलना चाहिए। अदालत को इस तर्क में दम दिखाई दिया और उसका यह अनुरोध स्वीकार कर लिया गया। इस समय अदालत में इस कानून की सांविधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 143 याचिकाएं हैं। ज्यादातर में तर्क यही है कि इस कानून पर रोक लगनी चाहिए, क्योंकि यह संविधान की भावना के विपरीत है। हालांकि कुछ याचिकाएं ऐसी भी हैं, जो कहती हैं कि यह कानून असम समझौते का उल्लंघन करता है, इसलिए इस पर रोक लगनी चाहिए। ऐसी ही याचिका त्रिपुरा मामले में भी दायर की गई है। केंद्र सरकार के अटॉर्नी जनरल का तर्क था कि कानून की सांविधानिक वैधता का मामला अलग है और असम-त्रिपुरा का मामला अलग, इसलिए इन दोनों तरह के मामलों में अलग-अलग सुनवाई होनी चाहिए। अदालत ने यह तर्क स्वीकार कर लिया, इसलिए अब दोनों तरह के मामलों की सुनवाई दो अलग-अलग पीठ करेंगी। यह ठीक है कि सांविधानिक वैधता का मामला अभी पूरे देश में चर्चा का मुख्य विषय है, इसलिए ज्यादा ध्यान उसी पर रहेगा, लेकिन असम समझौते को लेकर उठाए गए तर्क भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं और उस पर होने वाली बहस भी पूरे देश का ध्यान खींचेगी। भले ही सुप्रीम कोर्ट का यह मकसद नहीं रहा होगा, लेकिन चार सप्ताह का जो समय दिया गया है, उसका एक राजनीतिक महत्व भी है। इस समय दिल्ली में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। जब तक मामले की अगली सुनवाई शुरू होगी, तब तक न सिर्फ दिल्ली के चुनाव हो चुके होंगे, बल्कि नई सरकार भी बन चुकी होगी। जाहिर है, इस मामले का राजनीतिक लाभ उठाने का मौका किसी को नहीं मिल सकेगा। अगर अदालत कानून पर तुरंत रोक लगा देती या हर रोज सुनवाई शुरू हो जाती, तो राजनीतिक तस्वीर कुछ अलग भी हो सकती थी।

स्वर्ण जयंती उपहार योजना

प्रदेश के राजस्थान आवासन मंडल की स्थापना के 50 वर्ष हो गए हैं। ऐसे अवसर पर मंडल की ओर अपने ग्राहकों के लिए स्वर्ण जयंती उपहार योजना लांच की है। पिछले 50 वर्षों में आवासन मंडल की क्या स्थितियां रही, यह किसी से छिपा नहीं है। शुरू शुरू में जो आकर्षण लोगों में मंडल के प्रति रहा वह धीरे धीरे कम होता गया। स्थिति यह बन गई लोगों कि आवासन मंडल के मकानों के प्रति रूचि ही कम हो गई। इसके कई विभिन्न कारण रहे हैं। एक और मकानों के निर्माण में गुणवत्ता की कमी, तो दूसरी ओर व्यावसायिकता हावी। नतीजतन लोग निजी आवास निर्माणकर्ताओं की ओर आकर्षित होने लग गए। स्थिति यह तक भी बन गई कि आवासन मंडल के पास आवास तैयार हैं, लेकिन खरीदार तैयार नही है। अब आवासन मंडल अपने को उबारने के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है। हाल ही में उसने अपनी योजनाओं में आवंटित वाणिज्यिक और संस्थानिक भूखंडधारियों को लीज राशि के पेटे बड़ी राहत दी है। उसने लीज राशि आधी कर दी है। अब लीज की गणना आवंटित आरक्षित दर की 5 प्रतिशत के स्थान पर 2.5 प्रतिशत ही लीज लेने का निर्णय किया है। इसके अलावा जिन भूखण्डों पर निर्माण की अवधि निकल चुकी है, ऐसे प्रकरणों में निर्माण की समयावधि को बढाने के मामले अब मुख्यालय की बजाय उप आवासन आयुक्त कार्यालय स्तर पर ही निस्तांरित किये जाएंगे। इनके अलावा अब स्वर्ण जयंती के मौके पर उपहार योजना लाकर लोगों को आकर्षित किया जा रहा है। इस योजना के तहत ई ऑक्शन या नीलामी उत्सव के तहत आवास खरीदने वाले क्रेताओं को कार,स्कूटर सहित अन्य उपहार जीतने का मौका मिलेगा। आवासन आयुक्त के अनुसार इस योजना के तहत मंडल के आवास खरीदने वाले प्रत्येक क्रेता को निश्चित उपहार के रूप में मिक्सर ग्राइंडर दिया जाएगा। इसके अलावा योजना में बंपर उपहार का प्रावधान भी रखा है।कार लक्की ड्रा के जरिये उपहार में दी जाएगी। यह योजना 22 जनवरी से शुरू होकर 19 फरवरी तक चलेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मंडल की ओरसे 30 सितंबर 2019 को शुरू की गई ई ऑक्शन योजना और 4 दिसंबर से शुरू की गई बुधवार नीलामी उत्सव योजना के सफल क्रेताओं के लिए अलग से 20 स्कूटर का बंपर पुरस्कार निकाला जाएगा और उनके नाम 5 कारों के बंपर उपहारों में भी शामिल किया जाएगा। यह अच्छी बात है कि आवासन मंडल ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उपहार योजना लाया है। लेकिन आवासन मंडल यदि गंभीरता और समझदारी के साथ गुणवत्ता युक्त आवास बनाए और अपने स्थापना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्य के सस्ते आवास प्रस्तुत करे तो ग्राहकों वैसे ही खिंचे चले आएंगे।

।। दसवां वेद ।।

-जुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8773. आदर तो तुमने करै

धन छै तुमने माहरा, हे आभूषण चीर।
आदर तो तुमने करै, ऐ हिज म्हारा वीर।।

हे मेरे आभूषणों और वस्त्रों। तुम अन्य हो। ये मेरे ही भाई हैं जो तुम्हारा आदर कर रहे हैं। ये कोई मेरा आदर नही कर रहे है।

मकरावास नगर में धरण सेठ रहता था। उसके एक पुत्र था और तीन पुत्रियां थी। चारों का विवाह हो चुका था। उसका पौत्र बड़ा हो गया था, इसलिए इसका विवाह तय हो गया। ससुराल से तीनों पुत्रियों को इस अवसर पर बुलाया गया। तीनों ही पुत्रियां आई। एक पुत्री के ससुराल में घाटा हो जाने से गरीबी आ गई थी, इसलिए वह केवल साधारण वस्त्रों में आई थी। बाकी दोनों पुत्रियां वैभव शालिनी और संपन्न होने से बडी सज धज कर आई थी। पीहर में उन दोनों का तो बहुत आदर सत्कार हुआ,लेकिन निर्धन पुत्री की उपेक्षा। अपने पीहर में अपेक्षित मान-सम्मान नहीं मिलने से वह मन ही मन बहुत ही खिन्न हुई और विपन्नता के कारण अपने को विधक्कारती हुई ससुराल लौटी। अब सभी दिन तो एक जैसे रहते नही है। जब संपन्नता ही नहीं रही तो विपन्नता कौन सी रहने वाली थी। दिन पलटे तो उसकी ससुरालमें पुन संपन्नता आ गई। अब उसके पास किसी बात की कोई कमी नहीं थी। कुछ समय बाद उसके दूसरे भतीजे के विवाह का निमंत्रण आया। पिछली बातें याद करके इस बार वह बहुमूल्य आभूषणों और वस्त्रों से सुसज्जित होकर बड़े आडंबर के साथ अपने पीहर पहुंची। इस बार उसके भाईयों और भाभियों ने खूब आदर-सत्कार किया। जब चंदन श्री भोजन करने बैठी तो वह मिष्ठान व्यंजन आदि के ग्रास अपने वस्त्रों और आभूषणों पर रखने लगी। लोगों को उसे ऐसा करते देखकर बड़ा ही आश्चर्य हुआ और वे कानाफूसी करने लगे। तब चंदनश्री ने उपरोक्त दोहा कहा कि यह आदर सत्कार मेरा नही,मेरे बहुमूल्य वस्त्रों और आभूषणों का है। **(समाप्त)**

एक घर में नई बहू आई तो सास ने उसे समझाया कि अपने घर की यह रीति है कि सबको जी कहकर बतलाना चाहिए। सास के कहने का तात्पर्य यह था कि सबको आदर सूचक शब्द से बतलाना चाहिए। बहू ने सास की आज्ञा शिरोधार्य कर ली। एक दिन भैंस के पाडे मे बहू की नई साडी पर पोटा यानी गोबर कर दिया। बहू इस बात का उपालंभ देने के लिए सास के पास पहुंची और कहने लगी कि सासूजी थारीजी भैसजी को पाडोजी म्हारीजी नयीजी साडीजी परजी पोटोजी करजी दियोजी। बहू की बात सुनकर सास चक्कर खा गई। बोली कि बहू, बावली तो नही बन गई है। इस प्रकार क्या कह रही है? बहू ने तब कहा कि आपने ही तो कहा थाकि सबको जी कहकर पुकारना चाहिए। मैं तो आपकी आज्ञा का पालना ही कर रही हूं।

चुनौतियों के बीच नड्डा की ताजपोशी

– राजकुमार सिंह

जीवन के 60वें वर्ष में चल रहे जगत प्रकाश नड्डा तमाम परीक्षाओं में खरा उतरने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर पहुंचे हैं या फिर उनकी असली परीक्षा अब होनी है? इस स्वाभाविक सवाल का जवाब दे पाना आज शायद बेहद मुश्किल हो सकता है। बेशक केंद्र समेत अनेक राज्यों में सत्तारूढ़ और तेज रफ्तार विस्तार वाली राजनीतिक पार्टी का नेतृत्व संभालना किसी भी राजनेता के लिए बड़ी उपलब्धि हो सकती है। आखिर हम नेतृत्व के सवाल पर ही दूसरे दलों में असमंजस और परिवारों में अंतर्कलह देखते रहे हैं। यह नेतृत्व का ही सवाल था, जिस पर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और यादव परिवार में चाचा-भतीजे में विभाजक रार हुई। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल और उसका नेतृत्व करने वाला चौटाला परिवार भी नेतृत्व की जंग में ही दोफाड़ हुआ। बिहार में राजद पर राजनीतिक वर्चस्व को लेकर लालू प्रसाद यादव के परिवार में जारी अंतर्कलह भी गोपनीय नहीं है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, कमान के सवाल पर ही गहरे राजनीतिक संकट की ओर बढ़ रहा है।

कह सकते हैं कि ये सभी तो परिवार केंद्रित क्षेत्रीय दल हैं, लेकिन कांग्रेस तो उस श्रेणी में नहीं आती? देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस में भी नेतृत्व का संकट कम गहरा नहीं है। सोनिया गांधी से राहुल गांधी ने कांग्रेस का नेतृत्व संभाला था, लेकिन लगातार दूसरे लोकसभा चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक दुर्गति के बाद उन्होंने राजहठ करते हुए पिछले साल इस्तीफा दे दिया। राहुल के इस्तीफे के बाद अटकलें तो कई तरह की लगीं। कुछ लोगों ने खुद को नेतृत्व का दावेदार भी मान लिया, पर अंततः जो हुआ, वह सबके सामने है। राहुल ने इस्तीफे का राजहठ नहीं छोड़ा तो सोनिया गांधी को ही अंतरिम अध्यक्ष बनकर वापस आना पड़ा। उनके अंतरिम अध्यक्ष काल में किसी नये पूर्णकालिक अध्यक्ष के चुनाव की किसी भी तरह की चर्चा तक न होने से भी इस धारणा को बल मिल रहा है कि उनसे नेतृत्व की कमान वापस राहुल गांधी ही संभालेंगे। बेशक अपने नेतृत्व का फैसला खुद कांग्रेस को करना है, पर वह एक राजनीतिक दल है, कोई प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं। इसलिए वह जो भी फैसला करेंगी, गुण-दोष के आधार पर उसकी व्याख्या-विश्लेषण तो होगा ही। हमारे राजनीतिक दलों के इस आचरण-व्यवहार के मद्देनजर देखें तो एक मध्य वर्गीय अराजनीतिक परिवार से आने वाले जगत प्रकाश नड्डा का विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में सबसे बड़े दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना एक सामान्य घटना तो हरगिज नहीं है। यही कारण है कि अपने नये राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताजपोशी के अवसर पर भी भाजपा के नेता कांग्रेस पर हावी परिवारवाद पर कटाक्ष करने से नहीं चूके। स्वाभाविक ही इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष अमित शाह समेत तमाम वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने नड्डा को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जतायी कि उनके नेतृत्व में पार्टी और भी बुलंदियों को छुएगी। ऐसे अवसर पर ऐसी शुभकामनाएं स्वाभाविक ही हैं। नेतृत्व संभालने वाला व्यक्ति भी ऐसा ही विश्वास दिलाता है और सपना भी ऐसा ही करने का पालता है। इसलिए यह अस्वाभाविक नहीं कि हर नये नेतृत्व को आने वाले समय में राजनीतिक परीक्षाओं की कसौटियों पर कसा जाये। इसलिए नड्डा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से भाजपा के स्वप्रचारित आंतरिक लोकतंत्र की पुष्टि के दावों के बावजूद उनके नेतृत्व की असली परीक्षा आगामी राजनीतिक घटनाक्रमों, खासकर चुनावी चुनौतियों के रूप में ही होगी। यह सही है कि छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर राजनीति में आये और भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने के बाद भाजपा में भी राष्ट्रीय महासचिव एवं कुछ माह कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे नड्डा के पास लंबा संगठनात्मक अनुभव है। हिमाचल प्रदेश में विधायक एवं मंत्री रह चुके नड्डा के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के अलावा किसी से असहज संबंधों की चर्चा भी कभी सुनायी नहीं दी। अगर वह असहजता नहीं होती तो शायद वर्ष 2017 के विधानसभा चुनावों में धूमल की हार के बावजूद भाजपा को बहुमत मिल जाने पर नड्डा ही हिमाचल प्रदेश के नये मुख्यमंत्री होते, लेकिन शायद नियति ने उनके लिए उससे कहीं बड़ी भूमिका चुन रखी थी। अब जबकि नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वह भूमिका मिल गयी है तो उनकी चुनौतियां ज्यादा जटिल इसलिए हो जाती हैं, क्योंकि उन्होंने पार्टी की कमान उन अमित शाह से संभाली है, जिन्होंने अप्रत्याशित चुनावी सफलताओं के जरिये अध्यक्ष के रूप में अपनी छवि इतनी विराट बना ली कि हर आने वाले अध्यक्ष का आकलन उसी आलोक में किया जायेगा। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में जब, तीन दशक के अंतराल के बाद, भाजपा ने अकेलेदम बहुमत हासिल कर सभी को चौंका दिया, उससे पहले भाजपा देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में तीसरे स्थान पर खिसक चुकी थी। ध्यान रहे कि लोकसभा चुनावों के समय तो अमित शाह पार्टी अध्यक्ष भी नहीं थे, सिर्फ प्रदेश के प्रभारी महासचिव थे, पर 80 में से 71 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। तब भी लगता था कि केंद्र में सरकार बनाने के लिए मिले इस अप्रत्याशित समर्थन के बावजूद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में तस्वीर कुछ अलग ही रहेगी, लेकिन तब तक अध्यक्ष बन चुके शाह ने ऐसी चुनावी बिसात बिछायी कि बहुमत से भी बहुत ज्यादा भाजपा ने 325 सीटें जीतने का करिश्मा कर दिखाया। यह तब हुआ, जब नोटबंदी के बाद मोदी और भाजपा की लोकप्रियता गिरने के कयास लगाये जा रहे थे। नोटबंदी, जीएसटी, बढ़ती बेरोजगारी और बेलगाम महंगाई के बावजूद जब पिछले साल लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें, घटने की अटकलों के बावजूद, और बढ़ कर 300 के पार चली गयीं तो गुजरात की राजनीति से राष्ट्रीय राजनीति में आये मोदी-शाह की जोड़ी का लोहा सभी ने मान लिया।

बेशक भाजपा के राजनीतिक सफर में अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा, लेकिन मोदी-शाह के दौर में भाजपा ने जो हासिल किया है, वह किसी भी राजनीतिक दल का सपना हो सकता है। कई फैसलों-मुद्दों पर असहमति हो सकती है, लेकिन अगर भाजपा और उसके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडे के नजरिये से देखें तो इस जोड़ी के नेतृत्व काल में उस दिशा में पार्टी और सरकार की रफ्तार बेहद तेज रही है। फिर भी अगर बतौर अध्यक्ष नड्डा का सफर चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है तो इसलिए कि केंद्रीय स्तर पर अभी भी अजेय नजर आ रही भाजपा की कमजोरियां राज्य स्तर पर उजागर होने लगी हैं। सहयोगी दल भी साथ छोड़ने लगे हैं। वर्ष 2018 के अंत में भाजपा ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सत्ता गंवायी थी तो 2019 में उसके हाथ से महाराष्ट्र और झारखंड की सत्ता निकल गयी। हरियाणा में सत्ता तो बची, लेकिन नवगठित क्षेत्रीय दल जेजेपी से गठबंधन की कीमत पर। चुनावी चुनौतियों की बात करें तो नड्डा की पहली परीक्षा दिल्ली विधानसभा चुनाव होंगे, जहां अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी प्रचंड बहुमत से सत्तारूढ़ है। लोकसभा में दोनों ही बार भाजपा ने सभी सात सीटें जीती हैं, पर विधानसभा चुनाव में दिल्लीवासियों का विश्वास पाने में वह नाकाम रही है। लक्ष्य और दावे अपनी जगह हैं, पर दिल्ली में बड़े राजनीतिक उलटफेर की संभावना नजर नहीं आती। दिल्ली की नाकामी को नड्डा से जोड़ना उनके साथ अन्याय होगा, लेकिन इसी साल बिहार और फिर अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों के परिणामों की जवाबदेही से वह नहीं बच पायेंगे। बिहार में भाजपा की निर्भरता नीतीश कुमार और जद-यू पर बढ़ गयी है तो पश्चिम बंगाल में किसी चमत्कार की उम्मीद अभी तक तो नहीं नजर आती। नड्डा की दूसरी बड़ी चुनौती मोदी-शाह की चुनावी सफलताओं के दौर में शिथिल पड़ गये संगठन को गति देना और प्रदेशों में बढ़ते असंतोष को दूर करना होगी। गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री द्वारा अपने पास ही रखे जाने के इस दौर में हरियाणा में गृहमंत्री बनाये गये अनिल विज सीआईडी पर नियंत्रण के सवाल पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से ही भिड़े नजर आ रहे हैं। सार्वजनिक रूप से दोनों ही किसी मतभेद से इनकार करते हैं, पर विवाद है कि मीडिया में लगातार सुर्खियां बन रहा है। सरकार और पार्टी को इस फजीहत से बचाना नड्डा की पहली चुनौती हो सकती है तो महाराष्ट्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश में पार्टी में बढ़ते असंतोष और अंतर्कलह से भी उन्हें समय रहते निपटना होगा।

जल तरंग

क्या से क्या बन गया ड्रोन

स्मार्ट विश्वविद्यालय ने ड्रोन विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें प्रथम पुरस्कार विजेता निबंध इस प्रकार है -

ड्रोन यूं तो ड्रोन होता है, पर इनसानी फितरत उसे तस्कर, छिछोरा और आतंकी भी बना सकती है। जैसा कि हमने देखा, अभी कुछ दिन पहले पंजाब पुलिस ने ड्रोन के जरिये होने वाली तस्करी के मामले पकड़े। तस्कर प्रतिबद्ध हो तो नाव के सहारे, कबूतरों के और ड्रोन तक के सहारे तस्करी कर सकते हैं। उद्योग प्रतिनिधि संस्था फिक्की के मुताबिक देश में अवैध टाइप के ड्रोनों की तादाद पचास हजार से साठ हजार के बीच है। सरकार अब जागी है। सरकार का रवैया कुछ ऐसा रहता है कि पहले हालात बिगड़ने दो, तब ही सुधार का जतन करेंगे। समाज सुधारक होने के लिए पहले समाज का बिगड़ना जरूरी होता है। इसलिए बिगड़ा हुआ समाज एक तरह से समाज सुधारकों के काम का मार्ग प्रशस्त करता है। इसी तरह से बिगड़े हुए हालात सरकार को काम देते हैं, सरकार वह काम करती है या नहीं, यह अलग सवाल है। बहुत संभव है कि सरकार में ड्रोन कैडर अलग आ जाये। ड्रोन मंत्रालय, ड्रोन सचिव, ड्रोन कमिश्नर वगैरह भी आ जायें। ड्रोन आये हैं, तो उससे जुड़ा सरकारी रोजगार तो आना बनता है ना।

ड्रोन खूब चल रहे हैं। तमाम शादियों में ड्रोन सिर के ऊपर मंडराते हुए फोटू खींचते हैं। तरह -तरह के एंगल से फोटू, भारत फोटू-प्रिय देश है। जमीन से फोटू, छत से फोटू, ड्रोन से फोटू, हवाई जहाज से फोटू, फोटू ही फोटू। ड्रोन का आविष्कार जिस वैज्ञानिक ने किया होगा, उसने कभी न सोचा होगा कि गुड्डू वैड्स पिंकी के शादी के फंक्शन में ड्रोन की ड्यूटी फोटू खींचने की लगी होगी। भारतीय कैसी-कैसी ड्यूटी लगा सकते हैं, इस मसले पर तमाम वैज्ञानिक सोच भी नहीं सकते।

ड्रोन बहुत शानदार टेक्नोलोजी है। पर भारत में शादी के लड्डुओं के फोटू, किसी शादी में नाराज फूफाजी की फोटू खींचने के ही काम ही आ रही है। और इससे भी ज्यादा बुरा तो पाकिस्तान वाले कर रहे हैं, वह ड्रोन को तस्कर ही बना दे रहे हैं। पाकिस्तानियों के हाथ कुछ लग जाये तो वह उसे ना जाने क्या का क्या बना देते हैं। बेहतरीन क्रिकेटर थे इमरान खान। अब पाकिस्तानी पालिटिक्स में आकर वह लगभग लघु स्तरीय आतंकियों जैसी बातें करते हैं। एक समूची सेना ही बतौर आतंकी बरताव करती है। पाकिस्तान में कौन क्या बन जाये, यह कहना मुश्किल है। अच्छे खासे खिलाड़ी जावेद मियांदाद बतौर खिलाड़ी बहुत सम्मानित थे, पर उन्होंने सम्मान का नया रास्ता तलाशा भारतीय आतंकी दाउद इब्राहिम का समधी बनकर। खिलाड़ी आतंकी बन सकता है, आतंकी का समधी भी बन सकता है। पाकिस्तान में कुछ भी हो सकता है। पाकिस्तान में ड्रोन तस्कर भी हो सकता है और आतंकी भी हो सकता है। हो क्या सकता है अब तो बाकायदा है ही।

देश में कब सुरक्षित होंगी बालिकायें?

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष

– रमेश सर्राफ धमोरा

राष्ट्रीय बालिका दिवस से पहले खेल के मैदान से आयी एक अच्छी खबर ने सबका दिल खुश कर दिया है। आस्ट्रिया के इन्सब्रूक में चल रहे मीटन कप इंटरनेशनल निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की निशानेबाज अपूर्वी चंदेला ने स्वर्ण पदक पर निशाना साध कर दुनिया मे देश का मान बढ़ाया है। वहीं दूसरी तरफ सात वर्ष पूर्व दरिंदगी की शिकार हुयी निर्भया की आत्मा आज भी न्याय के लिये तड़प रही है। उसके गुनाहगारों को अभी तक फांसी पर नहीं लटकाया जा सका है। निर्भया के गुनहगारों को सजा दिलवाने के लिये उनके परिजन न्यायालयों के चक्कर काट रहें हैं। उपर से कुछ तथाकथित मानवतावादी लोग तो निर्भया के परिजनो से गुनहगारों को माफ करने तक की बात करने लगे हैं।

भारत में बालिकायें आज हर क्षेत्र में आगे बढने् के बावजूद भी वो अनेक कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढने् में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है।

समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर फिक्रमन्द नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है। हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश, समाज के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। देश में लिंगानुपात लगातार घट रहा है। देश में लिंगानुपात बढ़ाने की कोशिश सफल नहीं हो रही है। 2014-2016 के दौरान लिंगानुपात 898 था। वहीं 2015-17 के दौरान यह 896 पर आ गया। 2011 की जनगणना में लिंगानुपात 940 था। सर्वे के मुताबिक 2012 से 2017 के दौरान देश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में जन्म दर में क्रमशः 1.3 फीसदी और 0.6 फीसदी की गिरावट आई है। लिंगानुपात कम होना देश के सभी हिस्सों, जातियों, वर्गो और समुदायों में व्याप्त है। लगातार घटते जा रहे बाल लिंगानुपात के कारण को गंभीरता से देखने और समझने की जरुरत है।

देखा जाय तो अगर समाज में बेटियों को भी उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो कभी भी ये बेटिया किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहती है। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कोई गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। भारत में पुरुषों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रुढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। आज लड़किया लडकों से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। दुश्कर से दुश्कर कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर जिले का पूरे देश में मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लड़का-लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए।

बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हे धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनोना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताड़ना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेड़िये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं व उन्हे जब भी मौका मिलता है नौंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

हर साल बालिका दिवस मनाने की बजाय सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। जब तक बालिकाओं की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं हो पायेगी तब तक बालिका दिवस मनाने की कोई सार्थकता नहीं हो पायेगी। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिये सरकार को कानून में और अधिक सुधार करना चाहिये। कई राज्य सरकारों ने नाबालिग बालिकाओं के साथ बलात्कार करने वालों को फांसी देने का कानून बनाया है। ऐसा कानून सभी जगह लागू होना चाहिये। निर्भया प्रकरण की तरह बलात्कार का मुकदमा लम्बा ना चले। हाल ही में केन्द्र सरकार ने एक अच्छी पहल करते हुये सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी डाली है। केंद्र ने अपनी याचिका में कहा है कि ये तय किया जाए कि कोर्ट की ओर से डेथ वारंट जारी करने के बाद सात दिनों के भीतर ही दया याचिका दायर की जा सकती है। देश के सभी सक्षम न्यायालयों, राज्य सरकारों, जेल प्राधिकारियों को उनकी दया याचिका को खारिज करने के सात दिन के भीतर डेथ वारंट जारी करने और इसके सात दिनों के भीतर मौत की सजा देने का आदेश दिया जाए भले ही उसके साथी दोषियों की पुनर्विचार या क्यूरेटिव याचिका दया याचिका लंबित हो। निर्भया प्रकरण में पटियाला हाउस कोर्ट ने दोषियों को 22 जनवरी को फांसी देने के लिए डेथ वारंट जारी किया था लेकिन जब दया याचिका दाखिल की गई तो उसके बाद कोर्ट ने एक फरवरी के लिए नया डेथ वारंट जारी किया है।

राज कपूर की बेटी और श्वेता बच्चन की सास रितु नंदा का हुआ निधन, कैंसर से रही थीं जूझ

श्वेता बच्चन की सास और राज कपूर की बड़ी बेटी रितु नंदा का क ल निधन हो गया है। 71 साल की उम्र में रितु ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

रितु नंदा एक लम्बे अर्से से कैंसर से पीड़ित थीं। अमिताभ बच्चन ने अपनी समधन के निधन की जानकारी अपने ब्लॉग पर भी दी है। अमिताभ ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'मेरी समधन रितु नंदा, श्वेता बच्चन की सास का रात 1:15 बजे अचानक निधन हो गया'।

आपको बता दें कि श्वेता के ससुर के निधन को भी अभी बहुत ज्यादा वक्त नहीं हुआ है। अगस्त 2018 में श्वेता के ससुर राजन नंदा का निधन हुआ था। रितु नंदा के बेटे निखिल नंदा और अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन की शादी 1997 में हुई थी।

ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर ने इस बात की जानकारी इंस्टाग्राम के जरिए दी। रिद्धिमा ने अपनी बुआ की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'मैं अपनी जिंदगी में इनसे ज्यादा विनम्र और सभ्य व्यक्ति से आजतक नहीं मिली थी। बुआ आप हमेशा याद आएंगी।

फिल्म 'बेल बॉटम' में होगी मृणाल ठाकुर की एंट्री

बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक हिट फिल्म देने वाले बॉलीवुड के दिग्गज अक्षय कुमार के साथ काम करने की तमन्ना किस हिरोइन में नहीं होती। हर कोई अक्षय के साथ जोड़ी बनाना चाहता है। 'गुड न्यूज' के बाद अक्की जल्द ही पर्दे पर फिल्म 'लक्ष्मी बम' लेकर अपने फैन्स के बीच में आने वाले हैं। लेकिन क्या आपको याद है कि पिछले साल अक्षय कुमार ने अपनी नई फिल्म बेल बॉटम का ऐलान किया था। अब इस फिल्म में अक्षय की लीडिंग लेडी को लेकर खबर आ रही है। इस एक्ट्रेस के साथ अक्षय पहली बार पर्दे पर नजर आएंगे।

फिल्म बेल बॉटम यह एक पीरियड फिल्म है, जिसमें अक्षय एक जासूस के रोल में दिखेंगे।

बॉलीवुड हंगामा में छपी एक खबर के मुताबिक, 'निर्देशक निखिल आडवाणी अदाकारा मृणाल ठाकुर को अपनी फिल्म में साइन करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्होंने बटला हाउस में भी काम किया था। निखिल आडवाणी को लगता है कि मृणाल ठाकुर के अंदर बहुत टैलेंट है और वो बेल बॉटम के लिए एकदम फिट हैं।

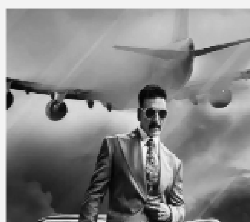

हालांकि अभी सब कुछ बातचीत के दौर में है लेकिन ये माना जा रहा है कि मृणाल फाइनल हो सकती हैं। अगर सबकुछ ठीक रहता है तो मृणाल ठाकुर फिल्म में अक्षय कुमार की लव-इंट्रेस्ट के रूप में नजर आएंगी। हालांकि ऐसा नहीं होगा कि मृणाल का किरदार केवल प्रेमिका का होगा, उनके किरदार में अलग-अलग शेड्स होंगे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल मृणाल शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'जर्सी' में दिखेंगी, जिसकी शूटिंग अभी चल रही है। वहीं, फिल्म 'तूफान' में वो फरहान अख्तर के साथ नजर आएंगी।

मि. इंडिया में दिखे इस बच्चे का बॉलीवुड डेब्यू, अनिल कपूर ने दी बधाई

अनिल कपूर जिंदगी के छठे दशक में एंट्री करने के बावजूद काफी यंग दिखते हैं और सोशल मीडिया पर वे इस वजह से काफी चर्चा में भी रहते हैं। ऐसा ही एक बार फिर देखने को मिला जब उन्होंने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया की एक तस्वीर शेयर की जिसमें अनिल कुछ बच्चों के साथ नजर आ रहे थे। खास बात ये है कि इनमें से एक लड़का बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहा है।

गौरतलब है कि शेखर कपूर द्वारा निर्देशित फिल्म मिस्टर इंडिया में अनिल कपूर के अलावा श्रीदेवी और अन्नू कपूर ने भी काम किया था। फिल्म में अमरीश पुरी लेजेंडरी विलेन मोगैम्बो की भूमिका में भी नजर आए थे। अनिल ने ट्विटर पर इन दो तस्वीरों को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा - मिस्टर इंडिया का ये बच्चा अब अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। ऑल दि बेरी बेस्ट।

बता दें कि इस फिल्म का नाम गन्स ऑफ बनारस है। इस फिल्म को शेखर सूरी ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म 28 फरवरी को 2020 रिलीज होने जा रही है। फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर करण नाथ हैं। वे इस फिल्म के साथ ही अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले अनिल कपूर ने कुछ समय पहले अपने रिटायरमेंट प्लान के बारे में भी बात की थी। उनसे पूछा गया था कि वे आखिर कब तक एक्टिंग करते रहना पसंद करेंगे? इस पर बात करते हुए अनिल ने कहा था 'जब तक आप लोग मुझे स्क्रीन पर देखते-देखते थक नहीं जाते तब तक मैं ऐसे ही काम करता रहूंगा। जब तक मुझे लोगों का प्यार और उनसे हौसलाफजाई मिलती रहेगी तब तक मैं इसी तरह काम करता रहूंगा। जो लोग काफी समय से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं उनके लिए ये जरूरी है कि लोग उन्हें स्वीकार करते रहें।'

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर की पिछली फिल्म एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा और पागलपंती जैसी फिल्मों में नजर आए थे। वे फिलहाल अपनी फिल्म मलंग को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उन्होंने एक स्टायलिश पुलिसवाले का किरदार निभाया है। इस फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों की पॉजिटिव प्रतिक्रिया मिल रही है।

इलियाना डिक्रूज ने सोशल मीडिया पर उड़ाया खुद का मजाक

इलियाना डिक्रूज को बॉलीवुड की सबसे बिंदास एक्ट्रेसेस में से एक माना जाता है। वह न सिर्फ अपनी बेबाकी से ट्रोल्स की बोलती बंद कर देती हैं बल्कि खुद ही सोशल मीडिया पर अपना मजाक भी उड़ा लेती हैं। ऐसा ही कुछ उन्होंने इस बार भी किया है।

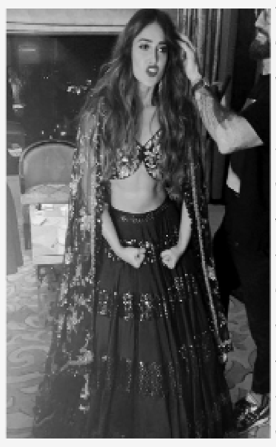

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें और विडियो शेयर किए हैं जिनमें वह एक इवेंट के लिए रेडी होती दिख रही हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर तरह-तरह के फनी एक्सप्रेशन्स दिखाई दे रहे हैं।

इन्हीं एक्सप्रेशन्स को लेकर उन्होंने खुद का मजाक भी उड़ाया है। पोस्ट के साथ इलियाना ने लिखा, 'क्या मैं कभी स्ट्रेट फेस रख सकती हूं? पिक 1: नहीं, पिक 2: uh uh, पिक 3: no haha, पिक 4: छोड़ो...'।

वैसे ऐक्ट्रेस ने भले ही इन पिक्स से अपना मस्तीभरा मूड दिखाया हो लेकिन फैन्स को जरूर उनकी तस्वीरें बेहद पसंद आईं। उन्होंने इन तस्वीरों में भी इलियाना के लुक को हॉट बताया। वहीं कुछ ने लिखा कि उनके कैप्शन्स को कोई भी हरा नहीं सकता है।

चौथे दिन की कमाई में भारी गिरावट, तानाजी से कड़ी टक्कर

एसिड अटैक सर्वाइवर पर बेस्ड फिल्म छपाक बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है। दीपिका पादुकोण और विक्रांत मैसी की फिल्म छपाक ने 4 दिन में 21.37 करोड़ की कमाई कर ली है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने चौथे दिन की कमाई के आंकड़े साझा किए हैं। उन्होंने ट्वीट कर लिखा- छपाक के चौथे दिन की कमाई में गिरावट आई है। फिल्म का बिजनेस अर्बन सेंटर्स के चुनिंदा प्रीमियम मल्टिप्लेक्स तक सीमित रह गया है। Tier-2, 3 शहरों के अलावा मास बेल्ट में भी फिल्म कम कमाई कर रही है। शुक्रवार को छपाक ने 4.77 करोड़ के साथ खाता खोला था।

फिर शनिवार को मूवी ने 6.90 करोड़, रविवार को 7.35 करोड़ और सोमवार को 2.35 करोड़ का कारोबार किया। भारतीय बाजार में फिल्म की कुल कमाई 21.37 करोड़ हो गई है। वहीं छपाक के साथ रिलीज हुई अजय देवगन की मूवी तानाजीः द अनसंग वॉरियर ने 4 दिन में 75 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। दोनों फिल्मों के कलेक्शन को देखें तो मालूम पड़ता है कि दर्शक इमोशनल ड्रामा छपाक की बजाय पीरियड मूवी तानाजी को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं।

छपाक का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। शादी के बाद इस फिल्म से दीपिका पादुकोण ने कमबैक किया है।

एक कमरे के मकान में रहते थे पंकज त्रिपाठी, पत्नी की सैलरी से चलाते थे खर्च

बॉलीवुड में पंकज त्रिपाठी अब अपनी पहचान बना चुके हैं। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से लेकर पंकज ने 'न्यूटन' में अपने किरदार के लिए नैशनल अवॉर्ड भी जीत लिया। फिल्मों में काम करने का सपना लेकर वह 2004 में मुंबई में आए थे। तब पंकज काफी गरीबी में दिन गुजार रहे थे एक कमरे के घर में रहते थे। अब वह मड आईलैंड में एक शानदार सीफेसिंग अपार्टमेंट में रहते हैं।

एक हालिया इंटरव्यू में पंकज ने अपने स्ट्रगल के दौर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उस समय पर उनके पास कोई काम नहीं होता था जिसके कारण उनकी पत्नी को मुंबई के एक स्कूल में पढ़ाना पड़ता था और उसी से घर का खर्च चलता था। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के खर्चों के लिए वह अपनी पत्नी की सैलरी पर निर्भर थे।

हालांकि पंकज ने यह भी कहा कि उनकी स्ट्रगल स्टोरी बहुत दुखभरी भी नहीं थी। न तो उन्हें स्ट्रीट लाइट के नीचे बैठना पड़ा और न ही उन्हें रेलवे स्टेशन पर सोना पड़ा। हालांकि उन्हें एक छोटे सिंगल कमरे वाले घर में रहना पड़ता था। पंकज अपनी इन यादों को शानदार मानते हैं।

अपने नए घर के बारे में बात करते हुए पंकज ने कहा, 'जब हम मड आईलैंड वाले अपार्टमेंट में शिफ्ट हुए थे तो मृदुला इमोशनल हो गई थीं। पहले ऐसा घर खरीदने का मेरा कोई सपना नहीं था। मेरी पत्नी और मैं बस मुंबई में अपना एक घर चाहते थे जो हमने कुछ साल पहले खरीद भी लिया था लेकिन यह वाला घर हमारे लिए बोनस की तरह है।'

'गंगूबाई काठियावाड़ी' में कुछ ऐसी दिखेंगी आलिया भट्ट

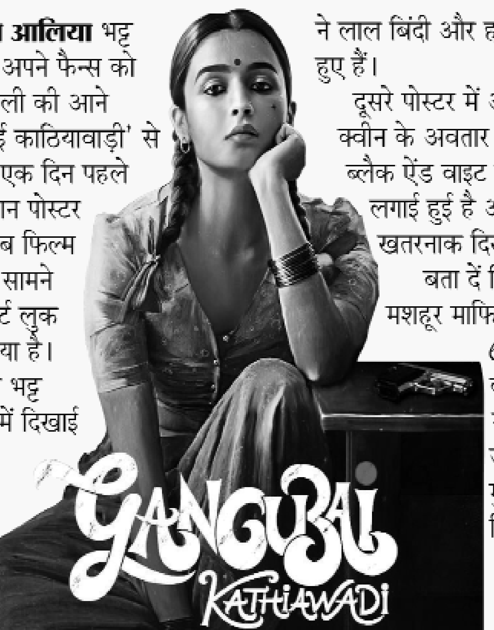

ऐक्ट्रेस आलिया भट्ट एक बार फिर अपने फैन्स को संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' से इंप्रेस कर दी जाती हैं। एक दिन पहले ही फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था। अब फिल्म से आलिया का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। आलिया ने फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

पहले पोस्टर में आलिया भट्ट गंगूबाई के जवानी के दिनों में दिखाई दे रही हैं। पोस्टर में ब्लू ब्लाउज और रेड स्कर्ट में आलिया साथ में पिस्टल रखे दिखाई दे रही हैं। इसके अलावा आलिया ने लाल बिंदी और हरे रंग के कंगन पहने हुए हैं।

दूसरे पोस्टर में आलिया बिल्कुल माफिया क्वीन के अवतार में दिखाई दे रही हैं। इस ब्लैक ऐंड वाइट पोस्टर में आलिया ने बड़ी बिंदी लगाई हुई है और उनका लुक माफिया की तरह खतरनाक दिख रहा है।

बता दें कि फिल्म में आलिया कमाठीपुरा की मशहूर माफिया गंगूबाई का किरदार निभा रही हैं जो 60 के दशक में कम उम्र में वेश्यावृत्ति करने के बाद मुंबई की एक प्रभावशाली महिला बन गई थीं। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' आधारित है। यह फिल्म 11 सितंबर 2020 को रिलीज होगी।

'जयेशभाई जोरदार' में रणवीर सिंह के पिता बनेंगे बमन ईरानी

बॉलीवुड में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए मशहूर ऐक्टर बमन ईरानी एक बार फिर एक दिलचस्प कैरक्टर में दिखाई देंगे। इस बार वह रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' में उनके पिता के किरदार में दिखाई देंगे। बमन का कहना है कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट बिल्कुल अलग तरह की है और इसलिए उन्होंने इस रोल को करने का फैसला किया।

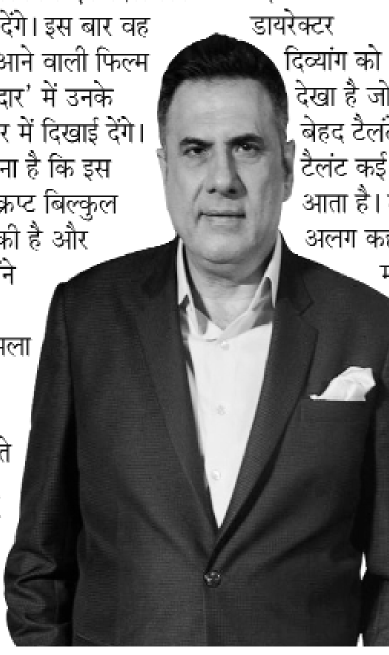

फिल्म के बारे में बात करते हुए बमन ने कहा, 'जयेशभाई जोरदार की स्क्रिप्ट बिल्कुल अलग है और एक बेहतरीन कहानी बताती है। मैंने सिर्फ फिल्म के राइटर और डायरेक्टर दिव्यांग को देखा है जो बेहद टैलेंटेड हैं। उनके जैसा टैलंट कई सालों में एक बार आता है। उन्होंने बिल्कुल अलग कहानी लिखी है जो मजेदार तरीके से एक पावरफुल मैसेज देती है।'

बता दें कि 'जयेशभाई जोरदार' की कहानी एक गुजराती व्यक्ति की है जिसका रोल रणवीर सिंह निभाएंगे।

'गो गोवा गॉन 2' की तैयारी शुरू, मार्च 2021 में होगी रिलीज

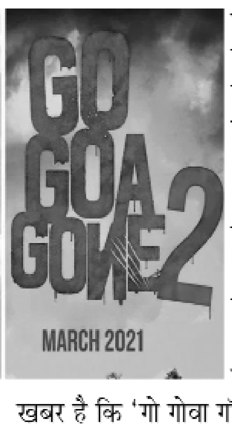

साल 2013 में रिलीज हुई अभिनेता सैफ अली खान, वीर दास, पूजा गुप्ता और कुणाल खेमू स्टारर फिल्म 'गो गोवा गॉन' का दूसरा भाग बनाया जाएगा। 'गो गोवा गॉन 2' की कहानी और स्क्रिप्ट का काम शुरू हो गया है। जॉम-कॉम जॉनर वाली इस फिल्म में कलाकारों के चयन से जुड़ी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। दरअसल जब फिल्म का पहला पार्ट बनाया गया था सैफ अली खान और प्रड्यूसर दिनेश विजन दोस्त थे, सैफ फिल्म के निर्माता भी थे।

'गो गोवा गॉन' के कुछ समय बाद ही सैफ और दिनेश की दोस्ती में दरार आ गई और दोनों अलग हो गए। अब जब इस फिल्म का पार्ट 2 बनाए जाने की बात हो रही है तब क्या सैफ फिल्म में काम करेंगे। फिल्म से जुड़े सूत्र बताते हैं, 'गो गोवा गॉन 2 की कहानी जिस तरह से तैयार हो रही है, उसके हिसाब से फिल्म का सीक्वल मूल से बेहतर और ज्यादा मजेदार होगा।'

कुनाल खेमू, आनंद तिवारी और सैफ अली खान अभिनीत फिल्म का निर्देशन राज निदीमोरू और कृष्णा डीके की जोड़ी ने किया था।

खबर है कि 'गो गोवा गॉन 2' में वीर दास को अभी से साइन कर लिया गया है। निर्माता दिनेश कहते हैं, 'अब निश्चित तौर पर एक अच्छी फिल्म बनाने का दबाव है। यह पहले वाली फिल्म जितनी ही मजेदार होनी चाहिए। हमने निर्देशकों से मुलाकात की और मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह पहली फिल्म से बेहतर बनेगी।'

'गो गोवा गॉन 2' को इरोज इंटरनैशनल और मड-डॉक फिल्म्स मिलकर प्रड्यूस करेंगे। दिनेश विजन और सुनील लुल्ला की मानें तो फिल्म का पहला भाग दोनों के लिए ही बेहद स्पेशल रहा है।

कंगना रनौत ने खरीदा 3 मंजिला प्रोडक्शन हाउस तो बहन बोली- 'न शादियों में नाची न अवॉर्ड फंक्शनों में...'

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने अपने नाम एक और उपलब्धि कर ली है। बुधवार को कंगना ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस 'मणिकर्णिका फिल्म्स' की शुरूआत कर दी है। अपने इस प्रोडक्शन हाउस के लिए कंगना ने मुंबई के पॉश इलाके पाली हिल में 3 मंजिला इमारत ली है। आज कंगना ने पूजा कर अपने प्रोडक्शन हाउस की शुरूआत की है, जिसकी तस्वीरें उनकी बहन रंगोली चंदेल ने शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कंगना अपने भाई अक्षित के साथ पूजा करती हुई नजर आ रही हैं। कंगना की इस उपब्लि की तारीफ करते हुए उनकी बहन ने यहां तक कह दिया कि वह न शादियों में नाची न अवॉर्ड फंक्शन में और न ही चिंदी ब्रांड्स का प्रमोशन किया, वह मूवी माफियाओं से भिड़ गई और फिर भी आज उसके पास किसी भी एक्ट्रेस से ज्यादा प्रोपर्टीज हैं। (उनके पतियों की प्रोपर्टी को काउंट न करें।)

बता दें कि कंगना का ये नया प्रोडक्शन हाउस पाली हिल इलाके में है। इस प्रोडक्शन हाउस में कंगना प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगी जबकि उनके भाई अक्षित यहां का कानूनी और फाइनेंस से जुड़े विभाग देखेंगे।

इस प्रोडक्शन हाउस की तस्वीर शेयर करते हुए कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने लिखा, 'मुंबई की प्राइम लोकेशन पर ये है कंगना का प्रोडक्शन हाउस जिसका सपना कंगना ने 10 साल पहले देखा था और आज हम भी इसे देख पा रहे हैं। अगर लोग सच्चाई और इमानदारी से सब कुछ पा सकते हैं तो लोग ये छोटीमोटी बंडलबाजी और धोखेबाजी क्यों करते हैं।'

बता दें कि कंगना रनौत ने फिल्म 'मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी' से अपने डायरेक्शन की शुरूआत की थी। वह जल्द ही निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की फिल्म 'पंगा' में नजर आने वाली हैं।

उप सरपंच पद के प्रत्याशियों के परिणाम घोषित

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

पंचायतीराज आम चुनाव-2020 के द्वितीय चरण में पचांयत समिति नदबई, कुम्हेर, सेवर, उच्चैन एवं भुसावर में 151 ग्राम पंचायतों के उप सरपंच पद के लिए हुए मतदान के परिणाम घोषित कर दिये गये हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने बताया कि पंचायत समिति नदबई की ग्राम पंचायत झारकई में बाबूलाल लॉटरी द्वारा तथा कटारा में सावित्री, नयावास में सत्यभान, बरौलीरान में सुरेन्द्र कुमार, बरौलीछार में सुनील कुमार शर्मा, अखैगढ में संतोष कुमारी, उटारदा में ऊषा, पिपरउ में रामरती देवी, खांगरी में महेन्द्र सिंह, हंतरा में आशा, डहरा में कश्मीरा, मई में राजकुमारी, नाम में यादव चंद, जहांगीरपुर में ताधिया, अटारी में मोहन सिंह, बछामदी में कल्ला देवी, गगवाना में बाबूलाल, गादौली में सफेदी, पहरसर में सुनील सैनी, कवई में अतर सिंह, खटौटी में केसरी सिंह, लुहासा में लक्ष्मी देवी, बहरामदा में निर्मला, भदीरा में लोकेन्द्र सिंह, ऐंचेरा में रामचंद, रौनीजा में सोहनसिंह, ऊंच में निर्मला एवं करीली में राजपाल निर्विरोध विजयी घोषित हुए तथा तलछेरा में बतीका 4 मतों से, न्यौठा में भजराम 6 मतों से, परसवारा में यशोदा 3 मतों से, लखनपुर में विजय सिंह 6 मतों से, करही में बलदेव 4 मतों से, खेडीदेवीसिंह में माधोसिंह 3 मतों से, रायसीस में अमर चंद 3 मतों से एवं गांगरौली में इंदू 8 मतों से उप सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित हुए।

इसी प्रकार पंचायत समिति कुम्हेर की ग्राम पंचायत उसरानी में विजेन्द्र, थैरावर में रामचरण, साबौरा में कमल सिंह, विरहरू में सामंती, रीठौठी में राखी बघेल, पिचूमर में मंजू, अस्तावन में उर्मिला, महरावर में शांति देवी, भटावली में बाबू, पपरेरा में मिथलेश कुमारी, आजउ में रामवती देवी, हेलक में नीलम देवी, धनवाडा में प्रेमसिंह गुर्जर, पाहुआ में गंगावासी, बोरई में हरदेवी, अवार में गिरधारी, डहरा में रामवती, उवार में केहरी सिंह, कूम्हां में विजयपाल सिंह, दांदू में गम्भीर, बैलाराकलां में गुडिया, लखन में उर्मिला, अजान में कमलेश, गुनसारा में मिथलेश, रारह में प्रेमसिंह, सातंरूक में सफेदी, ताखा में जयदेव सिंह, तालफरा में ब्रह्मपाल, अभौरां में अजनेश देवी, तमरेर में गुलकंदी, सैंत में अनीता एवं पला में मानिकचंद निर्विरोध विजयी घोषित हुए तथा सिकरोरी में ममता देवी 3 मतों से, गुदावली में रामश्री 2 मतों से, रूंध हेलक में श्रीमती देवी 7 मतों से, बाबैन में ललिता देवी 6 मतों से एवं सोगर में विनोद सिंह 10 मतों से उप सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित हुए।

इसी प्रकार पंचायत समिति सेवर की ग्राम पंचायत माडौनी में सुभाष एवं जाटौली रथभान में अमर चंद, लॉटरी द्वारा एवं तुहिया में लक्ष्मण सिंह, मूडौता में मनोहर सिंह, बांसीखुर्द में रेखा, महुआ में वतनदेई, लुधावई में महेन्द्र सिंह, कूम्हां में सपना, पार में लखन सिंह, मलाह में सुनीता, बरसो में वेदप्रकाश सिंह, बछामदी में लक्ष्मी देवी, गांवडी में रविना, रूंध इकरन में भूरीलाल, इकरन में छोटेलाल, फुलवारा में अतर सिंह, ऊंदरा में नेहा, घुस्यारी में कमलेश, हथैनी में रामसिंह, मडरपुर में मीना देवी, बिलौठी में सदन सिंह,एवं मौरोली कलां में भगवान सिंह निर्विरोध विजयी घोषित हुए तथा मुरवारा में घीसी देवी 4 मतों से, झारौली में नरेश शर्मा 2 मतों से, रामपुरा में घनश्याम 2 मत से, बहनेरा में आशा देवी 4 मतों से, खैमरा में ब्रजेश 8 मतों से, सुनारी में जलवीरी 3 मतों से, चिकसाना में रतनसिंह 1 मतों से, जघीना में केदार सिंह एवं धौरमुई में सतवीर सिंह 4 मतों से उप सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित हुए। इसी प्रकार पंचायत समिति उच्चैन की ग्राम पंचायत पिंगौरा में निधि शर्मा लॉटरी द्वारा, फतेहपुर में हरवीर सिंह, उच्चैन में कमलेश देवी, मुढेरा में मंजेश कुमारी, बहरारेखपुरा में मांगीलाल, नगला बीजा में बुद्धा, नगला तेरहिया माफी में मोहनदेवी, कुरका में तुलसी देवी, खुडासा में शांति देवी, बरिघा में खेमराज, सैदपुरा में भागीरथी, बारहमाफी में सूरजो, गहलऊ में गुद्दी देवी, खरैरा में सीमा कुमारी, एक्टा में मानसिंह, कल्याणपुर में होशियार सिंह, खडैरा में जवाहर सिंह, अघापुर में विनोद कुमार, चिचाना में रामवेती एवं तेहरालोधा में शशी देवी तथा सहना में निरंजन लाल शर्मा 3 मतों से, पिचूना में भगवान देई 8 मतों से एवं भैंसा में विमलेश कुमारी 4 मतों से उप सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित हुए। इसी प्रकार पंचायत समिति भुसावर की ग्राम पंचायत अलीपुर में गंगाराम लॉटरी द्वारा तथा नैवाडा में रामचरण, झारौठी में रामखिलाडी, कमालपुरा में सीमा देवी, बाछरैन में हरीश चंद, दीवली में परमसुख जाटव, सलैमपुर खुर्द में सुखदेव सिंह, छौंकरवाडा कलां में रेशम, चैटोली में रामखिलाडी, इटामडा में उदयराम, सुहारी में बाल सिंह, सैंधली में कलुआराम, रणधीरगढ में लक्ष्मी कुमारी, निठार में रामचरण, बल्लभगढ में ग्यासीयाराम सैनी, सलैमपुर कलां में रचना, गोगेरा में बबीता जाटव, बबेखर में सुनीता, नारौली में मनीषा एवं पथैना में शीला देवी निर्विरोध विजयी घोषित हुए तथा भैंसीना में मीरा देवी 2 मतों से, बारौली में नीलम देवी 5 मतों से, घाटरी में महेन्द्र सिंह 4 मतों से एवं मैनापुरा में प्रकाश 1 मत से उप सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित हुए।

नव निर्वाचित सरपंच एवं उपसरपंच का किया अभिनंदन

■ जलतेदीप, निस. झालावाड़

झालावाड़ जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत सुनेल के नव निर्वाचित सरपंच सीमा कुमारी मैहर एवं उपसरपंच जितेंद्र मंडलोई का गुरुवार को विजय जुलूस निकाला गया तथा ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। सरपंच सीमा कुमारी मैहर का हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से जुलूस निकाला गया जो मुख्य मार्गों पर होता हुआ। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पहुंचा जहां पर सरपंच प्रतिनिधि बलराज जयपुरी ने मतदाताओं का आभार जताया। सरपंच प्रतिनिधि बलराज जयपुरी ने बताया कि बताया कि जनता ने मुझ पर एवं मेरी माता पर विश्वास करते हुए चुनाव में अपना मतदान दिया उनकी आशाओं के अनुरूप में कार्य करूंगा एवं गांव का विकास करूंगा गरीबों के लिए मेरे घर के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे अब यह ग्राम पंचायत गरीबों की पंचायत होगी। हम आपको बता दें कि कल देर रात्रि को मतगणना के परिणाम के अनुसार सरपंच प्रत्याशी सीमा कुमारी ने अपने निकटतम इंद्रा बाई को 362 मतों से पराजित किया। सरपंच सीमा कुमारी को 2112 मत प्राप्त हुए।मैदान में प्रत्याशी रेखा कुमारी को 1015 प्राप्त हुए वह तीसरे स्थान पर रही। चौथे स्थान पर संगीता बाई रही जिन्होंने 889 मत प्राप्त मिले। शुक्रवार को उप सरपंच चुनाव के परिणाम घोषित किए गए उसके अनुसार जितेंद्र मंडलोई को 21 मत प्राप्त हुए उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी श्याम लाल गुर्जर को 26 मतों से पराजित किया श्याम लाल गुर्जर को 5 मत प्राप्त हुए वही विशाल नागर को 1 मत प्राप्त हुआ। नवनिर्वाचित उपसरपंच जितेंद्र मंडलोई का भी विजय जुलूस निकाला गया जो मुख्य मार्गो से होता हुआ उनके निवास स्थान पर पहुंचा।

वार्ड पंचों के पुनर्मतदान के परिणाम घोषित

भरतपुर। पंचायतीराज आमचुनाव 2020 के द्वितीय चरण की पंचायत समिति सेवर की ग्राम पंचायत पीपला के वार्ड संख्या 6 एवं पंचायत समिति उच्चैन की ग्राम पंचायत अंधियारी के वार्ड संख्या 6 में गुरूवार को वार्ड पंच के लिए हुए पुर्नमतदान का परिणाम घोषित कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत नथमल डिडेल ने बताया कि पंचायत समिति सेवर की ग्राम पंचायत पीपला के वार्ड संख्या 6 में हुए मतदान में कुल 234 मत पडे जिसमें मौनू कुमार 44 मतों से विजयी घोषित हुए। मोनू कुमार को 138 तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंदी श्यामवीर को 94 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार पंचायत समिति उच्चैन की ग्राम पंचायत अंधियारी के वार्ड संख्या 6 में हुए मतदान में 151 मत पडे जिसमें मीना देवी 42 मतों से विजयी घोषित हुईं। मीना देवी को 91 तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंदी इंदिरा को 49 मत प्राप्त हुए।

सार-समाचार

नेता जी की 124वीं जयंती मनाई

■ जलतेदीप, निस., सादुलपुर

आशा देवी इन्टरनेशनल स्कूल में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की 124 वीं जयंती मनाई गई। तुम मुझे खुन दो मैं तुन्हे आजादी दुँगा, इस ब्रह्म वाक्य से अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिलाने वाले एवं युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत सुभाष चन्द्र बोस का जन्म दिवस मनाया गया। निदेशक डॉ.कौशल पूनियां और अकादमिक निदेशक सौरभ डोंगरे ने दीप प्रज्वलित किया और सुभाषचन्द्र बोस के आदर्श एवं विचारों पर चलने की प्रेरणा दी। अकादमिक निदेशक सौरभ डोंगरे ने नेताजी के जीवन से जुड़ी घटनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्कूल छात्रों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। शाला स्टाफ व अन्य श्रोताओं ने नेता जी की जयंती पर उनके विचारों को जीवन में उतारने का प्रण लिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक सुधन सिंह जड़िया, दिनेश ख्यालिया, व्यवस्थापक महेन्द्र नेहरा, कार्यालय अध्यक्ष निर्मल स्वामी, पंकज जांगिड़ आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रदर्शनी कल

भरतपुर। दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर निर्वाचन सम्बंधी प्रदर्शनी का शुभारम्भ जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल के मुख्य आतिथ्य में 25 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, भरतपुर में किया जायेगा।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक 27 को

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलक्टर नथमल डिडेल की अध्यक्षता में 27 जनवरी को सांय 5 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी।

लाठियों से पीटकर मौत के घाट उतारा

■ जलतेदीप, निस., झालावाड़

जिले के झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र के गांव चाचूर्णी ने एक जने को लाठियों से मारपीट कर जमीन पर पटक-पटक कर गंभीर घायल कर दिया जिला चिकित्सालय झालावाड़ द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी भंवर सिंह गुर्जर ने बताया कि सरकारी अस्पताल झालावाड़ में फरियादी सुजान नाथ पुत्र पूना नाथ कालबेलिया निवासी चाचूर्णी थाना डग ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की कि सुबह 9 बजे मेरे बड़े भाई प्रताप नाथ व उसके लड़के प्रकाश नाथ के आपस मे बोल चाल हो रही थी तब में व मेरा लड़का देव नाथ व छोटे भाई की घरवाली सुगना नाथ उनके घर उनके पास गये देखा तो जितेन्द्र नाथ मेरे भाई प्रताप उर्फ प्रकाश नाथ को जमीन पर पटक कर लाठी से मारपीट कर रहा था उसके सिर व शरीर पर काफी चोट लग रही थी हमने छुड़ाया ओर 108 एम्बुलेंस से डग लेकर गये डाक्टर ने गम्भीर हालत होने से झालावाड़ रेफर कर दिया। झालावाड़ अस्पताल जाकर उसे डाक्टर को दिखाया। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस का जिला स्तरीय समारोह आज

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस का जिला स्तरीय समारोह का शुभारम्भ जिला कलक्टर नथमल डिडेल के मुख्य आतिथ्य में 24 जनवरी को दोपहर 11 बजे नगर विकास न्यास के ऑडिटोरियम में आयोजित किया जायेगा। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अमित गुप्ता ने बताया कि समारोह में 21 बेटियों का सामूहिक जन्मोत्सव मनाया जायेगा तथा शिक्षा, कला, खेल-कूद में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान, महिला एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच, घूंघट मुक्त भरतपुर बनाने के लिए हस्ताक्षर अभियान, विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। समारोह के अंत में उपस्थितजनों को बेटी बचाओ -बेटी पढाओ की शपथ भी दिलायी जायेगी।

डॉ.योगेश ने प्रदेश में बढ़ाया धमोरा का मान

■ जलतेदीप, निस., झुंझुनूं

जिले के धमोरा गांव के रहने वाले लाडले डॉ. योगेश जाखड़ ने पूरे राजस्थान में धमोरा गांव का मान बढ़ाया है। झुंझुनूं जिले के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मण्ड्रेला में चिकित्सा प्रभारी के पद पर कार्यरत डा. योगेश जाखड़ व उनके सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत की बदौलत मण्ड्रेला सीएचसी ने पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए डॉ. योगेश जाखड़ व उनकी टीम बधाई की पात्र है।भारत सरकार के कायाकल्प कार्यक्रम की स्टेट कमेटी ने वर्ष 2019-20 के परिणाम जारी किये जिसमें जिले की मंड्रेला सीएचसी ने 99.83 अंको के साथ बाजी मारते हुए प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहने पर मण्ड्रेला सीएचसी को पुरस्कार स्वरूप 15 लाख रुपए की राशि विकाय कार्यों के लिए मिलेगी। डा. योगेश की उपलब्धी पर धमोरा गांव के पूर्व सरपंच रमेश सर्राफ ने बधाई देते हुए कहा है कि सभी ग्रामवासी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

नववर्ष स्नेह मिलन समारोह में पत्रकारों ने की आपसी भाईचारे व मुद्दों की चर्चा

■ जलतेदीप, निस., दौसा

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की दौसा जिला इकाई के तत्वावधान में नववर्ष स्नेह मिलन का आयोजन गुरुवार दोपहर 12.30 बजे गुप्तेश्वर रोड स्थित किंग्स पैराडाइज मैरिज गार्डन पर किया गया। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) जिला कार्यकारिणी, दौसा के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एक साथ बैठकर पत्रकारों के हित के मुद्दों पर बातचीत की। पत्रकार एकता की बात करते हुए सभी के बीच आपसी भाईचारा व आदरभाव और आपसी स्नेह को भी प्रमुख माना गया। इस अवसर पर नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्टस (इंडिया) का स्थापना दिवस 23 जनवरी 1972 को हुई थी। स्थापना दिवस पर संपूर्ण दौसा व दौसा से बाहर के पत्रकारों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं दौसा जिला जार के संरक्षक विनय जोशी ने की। कार्यक्रम संयोजक जयपुर संभाग सचिव महेश बालाहेड़ी ने पत्रकारों के लिए हमेशा एक साथ रहने की बात की। जार के जिलाध्यक्ष रामगोपाल सैनी ने आगन्तुक पत्रकार साथियों का धन्यवाद व आभार जताया। जिला महासचिव कमल शर्मा व संगठन मंत्री लक्ष्मीकांत भांकरी ने सभी पत्रकार साथियों का स्वागत-सत्कार किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष दिनेश तिवाड़ी, कोषाध्यक्ष दीपक रावत, राजेन्द्र जैन, मनोज शर्मा, मनीष शर्मा, भास्कर जैमन, द्वारिका विजय, रामावतार शर्मा, कैलाश सैनी, हेमन्त भारद्वाज, सुनील शर्मा, मोनू गुर्जर सहित कई पत्रकारगण मौजूद रहे।

तनाव मुक्त अभियान का शुभारंभ

■ जलतेदीप, निस., अलवर

अलवर। सामुदायिक रेडियो अलवर की आवाज के तत्वावधान में आज राष्ट्रीय बालिका दिवस की पूर्व संध्या पर तनाव मुक्त अभियान का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की संयोजक और संचालक प्रो. अल्पना विश्नोई ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीशनल एस पी विश्नाराम विश्नोई तथा अध्यक्षता आईईटी ग्रुप की अधिशाषी निदेशिका डॉ. मंजू अग्रवाल ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि सीएमएचओ डॉ. ओपी मीणा, राजेश कृष्ण सिद्ध, प्रेरक रूपाक्षी रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि एडीशनल एस पी विश्नाराम विश्नाई ने कहा कि पुलिस की भूमिका समाज में दिनोंदिन बढ़ती जा रही पुलिस और जनता के बीच परस्पर सामंजस्य होना चाहिए, इससे अपराधों पर जरूर रोक लगेगी। वर्तमान समय में आमजन की पहुंच पुलिस तक बहुत आसान हो चुकी है। डॉ. मंजू अग्रवाल ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि हमें बेटा-बेटी को समान समझने का भाव जाग्रत करना होना और इसकी शुरूआत अपने घर से करनी होगी। बेटा-बेटी में असमानता समाज के लिए कलंक है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ. पी. मीणा ने कहा कि स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहना भी एक सुरक्षा ही है क्योंकि स्वस्थ बालिका ही स्वस्थ परिवार का निर्माण करेगी।

सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कृष्णसिद्ध ने बालिका सुरक्षा पर बोलते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा का भाव पैदा करना जरूरी है। इससे बालिकाओं पर हो रहे अत्याचारों में कमी आयेगी। कार्यक्रम में आईईटी प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा आईसीडीएस प्रेरक रूपाली, कविता सेन, डॉ. अनूप प्रधान, अरुणा बंसल, तारा सैनी, वीर प्रताप सिंह, राजेश कृष्ण दत्त, डिम्पल, काजल, आरती उपस्थित रहे।

पंजाबी युवक युवती परिचय सम्मेलन 1 मार्च को

अलवर। पंजाबी वेलफेयर सोसाइटी व राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ जॉन-7 के तत्वधान में पंजाबी युवक युवती परिचय सम्मेलन 1 मार्च 2020 को होने जा रहा है इस संदर्भ में सोसाइटी के कार्यालय काशीराम सर्किल अलवर पर सोसायटी के जिलाध्यक्ष दीवान चंद सेतिया की अध्यक्षता में एक कार्यकारणी बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में जिलाध्यक्ष दीवान चंद सेतिया ने बताया कि तैयारियां जोरों शोरों से की जा रही है।

ग्रामीणों के सहयोग से बना क्रूज स्कूल, 400 बच्चों की पढ़ाई के लिए 40 लाख रुपए किए खर्च

■ जलतेदीप, निस., अलवर

चौंकिए मत, यह कोई पानी का जहाज नहीं है बल्कि हल्दीना का सरकारी स्कूल है। एजुकेशन एक्सप्रेस के जरिए देशभर में छाप छोड़ चुके अलवर में नवाचार के क्षेत्र में यह पानी का जहाजनुमा स्कूल का भवन तैयार हुआ है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हल्दीना में तैयार हुए इस जहाज में क्लास रूम है और इसे देखने के लिए दूर-दराज से लोग आ रहे हैं। बच्चे भी इस क्लासरूम में बैठने के बाद खासे उत्साहित हैं। दरअसल बच्चों ने भी अब तक जहाज सिर्फ किताबों में ही देखा था। अपनी आंखों के सामने बने इस जहाज को लेकर काफी उनमें उत्साह है।

इस जहाज को मूर्तरूप दिया है समसा के जेईएन राजेश लवानियां ने। राजेश ने सहगल फाउंडेशन के सहयोग से नवाचार का नया रूप पाठशाला में दिया है। प्रिंसिपल बनवारीलाल जाट ने बताया कि स्कूल में 6 से 12 तक की कक्षाएं संचालित हैं और इनमें 400 बच्चे पढ़ रहे हैं। सहगल फाउंडेशन के महिपाल सिंह ने बताया कि स्कूल के रिनोवेशन में करीब 40 लाख से ज्यादा रुपया लगा है। इसमें ग्रामीणों ने भी 2 लाख रुपए का सहयोग किया है। वे अब तक अलग-अलग 42 स्कूलों में नवाचार कर चुके हैं। हल्दीना के सरकारी स्कूल में बने इस एजुकेशन क्रूज में ग्राउंड फ्लोर पर स्मार्ट क्लासरूम है। इसमें 40 बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर है और सामने की दीवार पर 55 इंच की एलईडी लगी हुई है। बच्चे बदलते हुए कालांशों में यहां आकर पढ़ते हैं। फर्स्ट फ्लोर पर एक्टिविटी रूम है जिसमें बच्चे अपनी कल्पनाओं को साकार करने के लिए ड्राइंग बनाते हैं। बच्चों को क्रूज के टेरेस पर खड़ा होना भी काफी रोमांचित करता है। इससे लगता है कि वे पानी के जहाज में खड़े हों। क्रूज में लर्निंग इंडिया, ग्रोइंग इंडिया लिखा नजर आता है और इंडियन नेवी का लोगो भी दिखाई देता है।

इंजीनियर राजेश लवानियां का कहना है कि उनका लक्ष्य स्कूलों को चाइल्ड फ्रेंडली बनाना है। स्कूलों में हुए नवाचार से माहौल बदला है और स्कूलों में 50 फीसदी से अधिक तक नामांकन बढ़ा है। सहगल फाउंडेशन को मेरा प्रस्ताव पसंद आया और उनके सहयोग से हम यह बना पाए। बच्चों को सरकारी स्कूलों के प्रति आकर्षित करने के लिए जरूरी है कि उन्हें नया माहौल दिया जाए और इसी दिशा में सरकार प्रयासरत है।

तीसरे चरण के पंचायत चुनाव को सम्पन्न करवाने को लेकर सभी तैयारियां पूरी

■ जलतेदीप, निस., किशनगढ़बास

पंचायती राज आम चुनाव 2020 के अंतर्गत पंचायत समिति किशनगढ़ बास क्षेत्र में 29 जनवरी को 37 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं पंच पद प्रत्याशियों के मतदान की तैयारी को लेकर उपखण्ड अधिकारी सीएल शर्मा ने बताया कि आगामी 29 जनवरी को क्षेत्र मे तीसरे चरण के पंचायत चुनाव को शांतिपूर्वक तरीके से सम्पन्न करवाने को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है इसके लिए ब्लॉक के अंदर संवेदनशील व अतिसंवेदनशील बूथों को चिन्हित किया गया है जो सतत प्रकिया है । चिन्हित स्थानो पर गश्त जारी है और चेकपोस्ट की व्यवस्था की गई है । उनके द्वारा सभी प्रत्याशियों पाबंद कर दिया गया है आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हो, सरपंच पद प्रत्याशियों के लिए चुनाव लडऩे के लिए 50 हजार रुपये तक खर्च करने का प्रावधान है अगर किसी भी प्रत्याशी द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन किया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।

प्रजातान्त्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की नेताजी के दर्शन की परम आवश्यकताः लाम्बा

■ जलतेदीप, निस., झुंझुनूं

मंडावा मोड़ स्थित लाम्बा कोचिंग झुंझुनूं में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 124वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वतन्त्रता सेनानी भगवती प्रसाद शर्मा, मुख्य अतिथि पूर्व जिला शिक्षाधिकारी लियाकत अली खांन, पूर्व तहसीलदार नेमीचन्द पूनियां, आर्यसमाजी सुधाकर शर्मा, शिक्षाविद् टेकचन्द शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में निदेशक शुभकरण लाम्बा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के विचारों को व्यापक रूप से आत्मसात करने की परम आवश्यकता है। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी लियाकत अली ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेताजी के राष्ट्रीय प्रेम की विचारधारा को अपनाकर देश में अमन चैन कायम करने की आवशकता है। शिक्षाविद् टेकचन्द शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें नेताजी की जीवनी का अध्ययन करना चाहिए। स्वतन्त्रता सेनानी एंव समारोह के अध्यक्ष भगवती प्रसाद शर्मा ने सभी उपस्थित जनों को सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व एंव चरित्र से प्रेरणा लेने की बात कही। प्रो. रमेश सैनी ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सभी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बनने की बात कही। इस दौरान मैनेजिंग डायरेक्टर चन्द्रप्रकाश शास्त्री प्रो. रमेश सैनी प्रो. रवीन्द्र भास्कर, सुरेन्द्र सोहू कमाण्डो अजीत पूनियां प्रमोद पूनियां नरेन्द्र जाखड़ सचिन नुनियां उम्मेद खेद सहित सैकड़ों सेनाभर्ती अभ्यर्थी मौजूद रहे ।

मंगल फिर से बने गूंदपुर के सरपंच

■ जलतेदीप, निस., अलवर

अलवर। जिले की गूंदपुर पंचायत समिति के हुए चुनावों में सरपंच पद पर मंगल चौधरी को एक बार फिर से ग्रामीणों ने अपना सरपंच चुना है। उल्लेखनीय है कि मंगल सरपंच को ग्रामीण क्षेत्रा में किए गए विकास कार्यो को देखते हुए ग्रामीणों ने इस बार फिर मंगल सरपंच को अपना नेता चुन कर सभी प्रत्याशियों को यह बता दिया कि चुनाव रूतबे और पैसों से नही बल्कि अपने व्यवहार और कार्य से जीते जाते है इस बार अलवर ग्रामीण ग्राम पंचायत गुन्दपुर से सरपंच चुनाव में मंगल सिंह चौधरी एक बार फिर सरपंच पद के लिए चुने गए ग्राम पंचायत गुन्दपुर में कुल 3641 वोटर्स हैं जिनमें से 3190 वोट डाले गए जिसमें मंगल सरपंच 118 वोट से विजय घोषित हुए।

कृषि विपणन तंत्र को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री के महत्वपूर्ण निर्णय

38 मण्डियां होंगी वाई-फाई, विकास कार्यों के लिए 34 करोड़ रुपए मंजूर

बहरोड़, किशनगढ़बास, तिजारा, मनोहरथाना और सोजत सिटी में अब स्वतंत्र कृषि उपज मंडियां

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में कृषि विपणन तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। उन्होंने 38 कृषि उपज मंडियों को वाई-फाई से जोड़कर ऑनलाइन करने तथा विभिन्न मंडियों में विकास कार्य करवाने के लिए 34 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। साथ ही 5 गौण अनाज मण्डियों को स्वतंत्र मंडी का दर्जा देने की भी स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री के इन निर्णयों से किसानों को उनके नजदीकी स्थान पर उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। साथ ही वे वाई-फाई सिस्टम के जरिए अपनी उपज को देश की विभिन्न मण्डियों में ई-नाम योजना के तहत अच्छे से अच्छे दाम पर बेच सकेंगे। कृषि उपज मंडियों में लगभग 34 करो? रूपए से वाईफाई सिस्टम एवं विद्युत लाइन के कार्य तथा नए प्लेटफॉर्म, मजदूरों के लिए शेड, चारदीवारी, कार्यालय भवन एवं शौचालय आदि के निर्माण कार्य शामिल हैं।

गहलोत ने ई-नाम (ई-राष्ट्रीय कृषि मंडी) योजना के तहत प्रदेश की 38 कृषि उपज मंडियों को ऑनलाइन करने के लिए वाईफाई नेटवर्क की व्यवस्था और उच्च तकनीक की विद्युत अर्थिंग के लिए लगभग 22.82 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी है।

इसी प्रकार श्रीगंगानगर के अनूपगढ़, जैतसर और रावला मंडी परिसरों में निर्माण कार्यों के लिए भी 6.08 करोड़ रुपए के प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं।

इस राशि में से 1.67 करोड़ रूपए अनूपगढ़ मंडी और 2.82 करोड़ रूपए रावला मंडी में नीलामी प्लेटफॉर्म, फुटपाथ, सड़क, शौचालय, मजदूरों के लिए शेड और अन्य निर्माण कार्यों के लिए खर्च होंगे। साथ ही, जैतसर मंडी परिसर में लगभग 1.57 करोड़ रुपए की लागत के निर्माण कार्यों के लिए भी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री ने डूंगरपुर एवं झालरापाटन मंडी परिसरों में नवीन निर्माण कार्यों के साथ-साथ टीनशेड, चारदीवारी, टॉयलेट, कार्यालय भवन आदि के निर्माण और जीर्णोद्धार कार्यों के लिए भी क्रमशः 3.56 करोड़ रुपए एवं 1.21 करोड़ रुपए के ब्याज रहित ऋण मंडी विकास निधि से उपलब्ध कराने की मंजूरी दी है।

पांच गौण मंडियों को स्वतंत्र मंडी का दर्जा

गहलोत ने किसानों को कृषि विपणन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य के तीन जिलों में स्थित पांच गौण मंडी यार्डों को स्वतंत्र मंडियों के रूप में क्रमोन्नत करने को मंजूरी दी है। उन्होंने अलवर जिले के बहरोड़, किशनगढ़बास और तिजारा, झालावाड़ के मनोहर थाना और पाली के सोजत सिटी में स्वतंत्र मंडियां बनाने के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। ये सभी गौण मंडी यार्ड स्वतंत्र मंडी की स्थापना के लिए निर्धारित मंडी शुल्क के रूप में न्यूनतम 40 लाख रूपए वार्षिक आय के मापदंड को पूरा करते हैं। उल्लेखनीय है कि जन-घोषणा पत्र में प्रदेश की सभी गौण कृषि उपज मंडियों को यथासंभव स्वतंत्र मंडियों के रूप में क्रमोन्नत करने की बात कही गई थी। इसी क्रम में ये पांच स्वतंत्र मंडियां स्थापित की जा रही हैं। इन निर्णयों से प्रदेश के विभिन न मंडी परिसरों में किसानों, व्यापारियों और मजदूरों को सुविधा होगी। साथ ही, किसानों को उनकी कृषि जिन्सों का उचित मूल्य मिल सकेगा और व्यापार बढ़ने से मंडी समिति तथा राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी।

सूचना

सूचित किया जाता है कि में श्रीमति रसीदन पत्नी स्व. श्री असलूप खान जाति मेंव निवासी चोरबसई थाना व तहसील किशनगढबास जिला अलवर की रहने वाली हूं मेरे पति असलूप खान के नाम एक वाहन ट्रैक्टर आर.जे.02 आर.सी.4178 रजिर्स्टड है मेरे पति का देहान्त हो चुका है अब उनकी सम्पत्ति के में व मेरे बच्चे सद्दाम, शौकीन खा, इरफान, तैयब, तौफिक, कशमीरी व बसीरी है में उक्त वाहन को अपने नाम करवा रही हूं इसमें मेरे बच्चों को काई एतराज नहीं है अतः उक्त वाहन को मेरे नाम ट्रांसफर कर दिया जाए अगर किसी को ऐतराज हो तो जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय अलवर में तीन दिवस में अपनी आपत्ति दर्ज कराऐं।

सूचित कर्ता-रसीदन

सार-समाचार

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को 190 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, जयपुर

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 31 दिसम्बर 2019 को समाप्त हुयी तिमाही के दौरान 190 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है, वर्ष दर वर्ष आंकड़ों के अनुसार 31 दिसम्बर 2019 को बैंक का शुद्ध लाभ, जो कि गत वर्ष के इसी अवधि में 95 करोड़ रूपये के मुकाबले में 100 प्रतिशत ज्यादा है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए संजय अग्रवाल, एमडी एवं सीईओ, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि बृहद कारकों में नरमी के बावजूद, हमारी स्थायी वृद्धि और एसेट क्वालिटी में सुधार हमारी उधार देने की सुरक्षित विरासत, विविधीकृत उत्पाद मिश्रण, हमारे प्रमुख बाजारों में विकास के अवसरों और बैंक पुल का परिणाम है। डिपॉजिट के लिए, हम अपने एसेट मॉडल को दोहरा रहे हैं और तय समय में कम लागत वाला, ग्रैन्युलर, एवं स्टिकी रिटेल डिपॉजिट फ्रैंचाइजी बनाने के लिए कोशिश कर रहे हैं।

साथ ही, इंक्रीमेंटल रूप से देखें तो हम ग्राहकों के साथ भागीदारी करने, ब्रांडिंग, वितरण, प्रोडक्ट एवं टेक्नोरलॉजी में निवेश कर रहे हैं। हमारे पास पर्याप्त तरलता है। हम बाजार के माहोल एवं उससे जुडे जोखिमों के अनुसार वृद्धि की अपनी राह पर बढना जारी रखेंगे।

रीको द्वारा बेंगलूरु के उद्योगपतियों के साथ औद्योगिक संवर्द्धन अभियान के तहत सेमीनार आयोजित

राजस्थान में भी औद्योगिक विकास एवं निवेश को दें बढ़ावा : गुप्ता

■ दैनिक जलतेदीप, बेंगलूरु

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने यहां के होटल प्राइड में 'राजस्थान में निवेश के अवसर' विषयक एक औद्योगिक संवर्द्धन अभियान कार्यक्रम आयोजित किया। इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन (आईवीएफ) कर्नाटक एवं राजगढ-सादुलपुर नागरिक परिषद के संयुक्त संयोजन में हुए इस कार्यक्रम में आईवीएफ के स्टेट प्रेसिडेंट बिपिन राम अग्रवाल, परिषद के अध्यक्ष रतन कंदोई, रीको के उपमहाप्रबंधक अजय गुप्ता, प्रबंधक (वित्त) पवन दहिया, उपप्रबंधक (निवेश) अतुल शर्मा व वरिष्ठ उद्योगपति-समाजसेवी मुरारीलाल सरावगी ने मंच साझा करते हुए राजस्थान में अन्य राज्यों की अपेक्षा में उपलब्ध संसाधनों एवं विशेषताओं के विवरण सहित निवेश की अपार संभावनाओं के संबंध में एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। अजय गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा बीते वर्ष में नई औद्योगिक विकास नीति तथा निवेश प्रोत्साहन योजना जारी की गयी है। इसके साथ-साथ राज्य में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए भी राजस्थान सरकार द्वारा सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा पर भी नीतियों के निर्धारण का कार्य जारी है। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में एमएसएमई क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जारी मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना-19 के अंतर्गत निवेश करने वाले उद्योगों को सावधि ऋण पर ब्याज अनुदान भी दिया जा रहा है। रीको द्वारा विकसित 348 औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध औद्योगिक, व्यावसायिक एवं संस्थानिक भूखण्डों का पारदर्शी ऑनलाइन ई-नीलामी के माध्यम से 99 वर्ष की लीज अवधि के लिए आंवटन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आंवटित भूखंडों की भूमि की कीमत की बकाया 75 फीसदी कीमत को पांच वर्ष की अवधि में एक वर्ष के अधिस्थगन के साथ तिमाही किश्तों में दस फीसदी जमा करवाने के लिए भूमि वित्तीय सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

एक्जाल्टा ने भारत में बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए दूसरा तालाब बनाया

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, जयपुर

दुनिया में लिक्विड और पाउडर कोटिंग के प्रमुख सप्लायर एक्जाल्टा ने भारत में रजिस्टर्ड चैरिटेबल ट्रस्ट एसएम सहगल फाउंडेशन (सहगल फाउंडेशन) के साथ साझेदारी में गिडानी गांव में बारिश के पानी का संचयन करने को लिए तालाब का निर्माण पूरा होने की घोषणा की। कंपनी क्षेत्र में तीन वर्ष में तीन तालाब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अलवर जिले में भूरिया बास तालाब सबसे पहले 2018 में बनाया गया था। दक्षिण एशिया में एक्जाल्टा, रिफिनिश, के बिजनेस निदेशक लोकेंदर पाल सिंह ने कहा, एक्जाल्टा स्थानीय समुदायों के स्थिर भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हमारे कर्मचारी रहते हैं, काम करते हैं और अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। सहगल फाउंडेशन के साथ मिलकर हमने गिडानी और उसके आसपास के जिलों में लंबे समय से चली आ रही पानी न मिलने की समस्याओं को पहचाना। अब इस तालाब से न केवल ग्रामीणों की पानी की सभी जरुरतें पूरी होंगी, बल्कि इससे उन्हें ज्यादा स्वस्थ, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा सम्मानजनक जीवन जीने को मिलेगा। इससे पानी और मिट्टी का संरक्षण भी हो सकेगा।

गिडानी गांव के नए तालाब में 13.6 मिलियन लीटर बारिश के पानी को इकट्ठा करने की क्षमता है। इससे स्थानीय कृषकों को खेती पशुपालन और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहयोग मिलेगा।

तालाब से साफ पीने का पानी मिलेगा। इससे खेती और फसलों की सिंचाई के लिए भी प्रचुर मात्रा में पानी मिलेगा। पशुपालन के लिए भी तालाब का जल काम आएगा। इससे ग्रामीणों के जीवनस्तर में भी काफी सुधार आएगा। इस नवनिर्मित तालाब की देखरेख स्थानीय ग्रामीण समुदाय सहगल फाउंडेशन की मदद से करेगा। एक्जाल्टा ने तालाब के तीनों तरफ कई स्थानीय प्रजाति के पेड़ लगाने की भी जिम्मेदारी संभाली है।

एक्जिम बैंक ने की सूरीनाम को 35.80 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, मुंबई

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) ने भारत सरकार की ओर से सूरीनाम सरकार को सूरीनाम के ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर डीजी हाइब्रिड पीवी प्रणालियों के जरिए 50 सुदूरगांवों में बिजली पहुंचाने संबंधी परियोजना के लिए 35.80 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण -व्यवस्था प्रदान की है। इस संबंध में पारामारिबो, सूरीनाम में ऋण -व्यवस्था करार पर हस्ताक्षर किए गए और एक्जिम बैंक के वाशिंगटन प्रतिनिधि कार्यालय के निवासी प्रतिनिधि अजय राणा तथा सूरीनाम के माननीय वित्तमंत्री श्रीगिलमोरहोफड्राड के बीच ऋण व्यवस्था करार का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर सूरीनाम में भारत के माननीय राजदूत महेन्द्रसिंह कन्याल उपस्थित रहे।

उक्त ऋण-व्यवस्था करार परहस्ताक्षरकेसाथ, एक्जिम बैंक द्वारा भारत सरकार की ओर से सूरी नाम सरकार को अब तक 124.98 मिलियन यूएस डॉलर की कुछ नौ ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की जा चुकी हैं।

ये ऋण -व्यवस्थाएं सूरीनाम सरकार को बिजली, जल आपूर्ति, हेलिकॉप्टरों की खरीद और दुग्ध उत्पादक संयंत्र के पुनरुद्धार और उन्नयन संबंधी परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए प्रदान की गई हैं।

केनरा बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर हुआ 330 करोड़

■ एजेंसी, मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर 2019 में समाप्त तीसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत बढ़कर 329.62 करोड़ रुपये हो गया। बैंक के फंसे कर्ज में कमी आने की वजह से मुनाफा बढ़ा है। एक साल पहले की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंक को 317.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। केनरा बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा है कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल आय 14,001.63 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी तिमाही में आय 13,513.35 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 2019-20 की दिसंबर तिमाही में कम होकर 5.05 प्रतिशत रही। वहीं 2018-19 की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 6.37 प्रतिशत रहा था। इस दौरान, सकल एनपीए भी 10.25 प्रतिशत से गिरकर 8.36 प्रतिशत रह गया। मूल्य के आधार पर, शुद्ध एनपीए 26,591.07 करोड़ रुपये से घटकर 21,337.74 करोड़ रुपये रह गया। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक का फंसे कर्ज के लिए प्रावधान 1,802.91 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,977.34 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था।

फोर्स मोटर्स ने साझा मोबिलिटी प्लेटफॉर्म T1N का किया खुलासा

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, पुणे

पुणे स्थित मोटर वाहन दिग्गज फोर्स मोटर्स (भारत की सबसे बड़ी वैन निर्माता) ने मीडिया के सामने देश के प्रथम अगली पीढ़ी के साझा मोबिलिटी प्लेटफॉर्म का खुलासा किया, जिसे इंटरनल कम्बश्चन इंजन और 100% इलेक्ट्रिक ड्राइव दोनों के लिहाज से एक साथ डिजाइन और विकसित किया गया है।

T1N कोडनाम दिए गए इस प्रोजेक्ट को लगभग चार साल पहले सक्रिय किया गया था, जिसका उद्देश्य सही मायनों में एक ऐसा विश्वस्तरीय साझा मोबिलिटी प्लेटफॉर्म विकसित करना था, जो वर्तमान पेशकशों से मीलों आगे होगा और यात्रियों के आराम, उनकी सुविधा तथा सुरक्षा के मामले में स्तर को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक ऊंचा उठाएगा। T1N देश में इस श्रेणी का ऐसा पहला वाहन है जो चालक और सह-चालक के लिए लगाए गए एयर बैग के साथ क्रैश और रोलओवर अनुपालन की पेशकश करता है, भले ही वर्तमान भारतीय कानून ने इन्हें लगाना अनिवार्य नहीं किया है। इसके अलावा T1N चारों पहियों पर लगाए गए बड़े हवादार डिस्क ब्रेक और एबीएस, ईबीडी, ईटीडीसी व ईएसपी के साथ आता है जो अपने यात्रियों को बेजोड़ सुरक्षा प्रदान करते हैं। T1N को वैश्विक आकांक्षाओं के साथ विकसित किया गया है। इसको मध्य पूर्व, अफ्रीका, आसियान और दक्षिण अमेरिका के चुनिंदा बाजारों में उतारने के लिए डिजाइन संरक्षण प्रदान किया गया है, जहां यूरोप, फार ईस्ट और यूएसए द्वारा पेश किए जा रहे महंगे वाहनों की तुलना में T1N के एक शानदार आकर्षण साबित होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट के लिए अपने-अपने डोमेन के विशेषज्ञ लगभग 100 युवा इंजीनियरों और वरिष्ठ प्रबंधकों की एक समर्पित और विशिष्ट टीम को फोर्स मोटर्स द्वारा चुना गया था। इस टीम ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पेशकशों का तुलनात्मक अध्ययन करने के बाद इस नए प्लेटफॉर्म की अवधारणा को विकसित और डिजाइन किया। इसके बाद फोर्स मोटर्स की T1N डेवलपमेंट टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रदर्शन की अपेक्षाओं की बराबरी करने के लिए प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने, परिष्कृत करने और प्रामाणिक बनाने के लिए इटली, स्पेन, यूके, जर्मनी, जापान, यूएसए के अग्रणी डोमेन विशेषज्ञों और तकनीक के माहिर लोगों के साथ परामर्श किया।

सार-समाचार

कप्तानी हमेशा हार-जीत से नहीं आंकी जा सकतीः कोहली

■ एजेंसी, ऑकलैंड

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन का बचाव करते हुए कहा कि टीम के खराब प्रदर्शन करने पर सवाल हमेशा उठते हैं लेकिन कप्तान का आकलन हमेशा नतीजों के आधार पर नहीं किया जा सकता। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाक्सिंग डे टेस्ट में न्यूजीलैंड की शर्मनाक हार के बाद विलियमसन की कप्तानी पर सवाल उठने लगे हैं। न्यूजीलैंड को उस सीरीज में 0-3 से पराजय झेलनी पड़ी। ब्रेंडन मैकलम ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि अब उन्हें कप्तानी में मजा नहीं आ रहा और उन्हें कम से कम टी20 प्रारूप में कप्तानी छोड़ देनी चाहिए। विलियमसन ने खुद कहा है कि वह नए कप्तान के लिए पद छोड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा टीम हित में विश्वास रखता हूं। यदि ऐसा लगता है कि नया कप्तान टीम के लिए अच्छा होगा तो मैं इसके लिए हमेशा तैयार हूं।'

तीनों प्रारूपों में भारत के कप्तान कोहली ने कहा कि कई बार लोग टीम की विफलता का ठीकर तुरंत कप्तान पर फोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, 'इस तरह की बातें अक्सर होती है जब भी टीम खराब प्रदर्शन कर रही होती है। यह तीनों प्रारूपों में कप्तानी की जिम्मेदारी का हिस्सा है। मैं अपना फोकस इसी पर रखता हूं कि टीम के लिए क्या कर सकता हूं और उसे कैसे आगे ले जा सकता हूं।' उन्होंने पहले टी20 मैच से पूर्व कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कप्तानी का आकलन हमेशा नतीजों से किया जा सकता है। आप टीम को कैसे एकजुट करते हैं और कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा सकते हैं। मेरा मानना है कि केन यह काम बखूबी कर रहा है।' कोहली ने कहा, 'टीम में उनका सम्मान है और उन्हें साथी खिलाड़ियों का भरोसा हासिल है। वह काफी चतुर क्रिकेटर हैं। टीम खराब खेलती है तो यह टीम की नाकामी है, कप्तान अकेले की नहीं।'

विश्व कप सेमीफाइनल में हार का बदला नहीं लेंगे

न्यूजीलैंड के खिलाड़ी बहुत प्यारे हैंः विराट कोहली

■ एजेंसी, ऑकलैंड

भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त न्यूजीलैंड के दौरे पर है। टी20 सीरीज के वह अपने दौरा का आगाज करने जा रही है। दोनों टीमों के बीच भिड़ंत आखिरी बार आईसीसी विश्वकप 2019 के सेमीफाइनल में हुई थी। यहां टीम इंडिया को न्यूजीलैंड ने हराकर उसके खिताब जीतने के सपने को तोड़ा था। भारतीय फैंस इस सीरीज को टीम इंडिया के बदले की तरह से देख रहे हैं लेकिन कप्तान विराट कोहली तो कुछ और ही कह रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम को पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले मुकाबले में शुक्रवार को खेलना है। टीम इंडिया की तैयारी दुरुस्त है और मैच से एक दिन पहले कप्तान विराट कोहली ने मीडिया से इस बारे में बात की। कोहली से जब न्यूजीलैंड की टीम से विश्व कप सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेने की बात पूछी गई तो उनका जवाब बहुत ही कमाल का था। विराट ने सवाल के जवाब में कहा, बिल्कुल भी नहीं, बल्कि आप अगर बदले के बारे में सोचते भी हैं तो ये लोग इतने अच्छे हैं कि आप उस तरह से कर ही नहीं पाएंगे। बदले की सीरीज के तौर पर देखे जा रहे दौरे के बारे में आगे कप्तान कोहली ने कहा, ये बस मैदान पर प्रतियोगी क्रिकेट खेलने की बात है। यह एक ऐसी टीम है जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कुछ को कैसे पेश करना चाहिए इसको लेकर एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। हम वाकई में बहुत ही खुश थे जब इस टीम ने विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई थी। जब आप हारते हैं तो आपको इसको एक अलग तरीके से देखना होता है। तो इसी वजह से कोई बदला नहीं लेना।

भारतीय टीम ने इसी रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला है। सीरीज खत्म होने के साथ ही टीम इंडिया न्यूजीलैंड के मुश्किल दौरे के लिए रवाना हो गई। 19 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलने के पांचवें दिन ही टीम न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी।

चोट से हारीं सानिया मिर्जा, पहले दौर से होना पड़ा बाहर

■ एजेंसी, मेलबर्न

मां बनने के बाद टेनिस कोर्ट पर लौटीं सानिया मिर्जा को पहले ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर से ही बाहर होना पड़ा है। चोट के कारण उन्हें महिला युगल के पहले दौर का मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। सानिया और यूक्रेन की नादिया किचेनोक ने पिछ्ले हफ्ते ही होबार्ट इंटरनेशनल का युगल खिताब जीता था। दोनों चीन की शियुआन हान और लिन झू से 2-6, 0-1 से पीछे चल रही थीं।

अभ्यास के दौरान सानिया के दाहिने पैर में चोट लगी है। वह दो साल बाद टेनिस कोर्ट पर लौटी हैं। सानिया और किचेनोक 2-4 से पीछे चल रही थीं, जब चीनी टीम ने सानिया की सर्विस तोड़ी और सेट जीत लिया। सानिया को पहले सेट के बाद मेडिकल टाइम आउट लेना पड़ा। दूसरे सेट के पहले ही गेम में उनकी सर्विस टूटी और वह आगे खेल नहीं सकीं।

उधर, मिश्रित युगल से भी सानिया को अपना नाम वापस लेना पड़ा है, जिसमें उन्हें रोहन बोपन्ना के साथ खेलना था। मिश्रित युगल में भारत की चुनौती लिएंडर पेस पेश करेंगे, जो 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको के साथ खेलेंगे। उन्हें पहले दौर में स्थानीय वाइल्ड कार्डधारी स्टोर्म सैंडर्स और मार्क पोलमैंस से खेलना है।

टी20 विश्व कप में सफलता की कुंजी होगा दबाव का सामना करनाः हरमनप्रीत

■ एजेंसी, मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में दबाव का सामना करना ही सफलता की कुंजी होगा जो उनकी टीम पिछ्ले दो विश्व कप में नहीं कर सकी। इंग्लैंड और मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में हरमनप्रीत ने यह बात कही। भारतीय टीम पिछ्ले टी20 विश्व कप और वनडे विश्व कप से सेमीफाइनल में बाहर हो गई थी।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पिछ्ले दो विश्वकप में काफी करीब पहुंचे लेकिन हमें दबाव का सामना करना सीखना होगा। हम पिछ्ले दो विश्व कप में ऐसा नहीं कर सके।' उन्होंने कहा, 'इस बार हम अधिक दबाव लेने की बजाय अपने खेल का मजा लेना चाहते हैं। हम यह सोचकर नहीं खेलेंगे कि यह बड़ा टूर्नामेंट है। हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है लेकिन दबाव नहीं लेना।'

महिला टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में 21 फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाएगा। भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और श्रीलंका से ग्रुप चरण में होगा। भारत के लिए 104 टी20 मैच खेल चुकी हरमनप्रीत ने कहा कि टीम को दबाव के बारे में सोचने की बजाय अपने हुनर को निखारने पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा, 'पिछ्ले कुछ विश्व कप में हम बड़ा टूर्नामेंट खेलने का काफी दबाव लेते आए हैं। इस बार हमें यह नहीं सोचना है कि यह बड़ा टूर्नामेंट है। हमें अपने हुनर पर फोकस करना है।

मोहम्मद अजहरूद्दीन के खिलाफ 20 लाख रुपए धोखाधड़ी का केस दर्ज

■ एजेंसी, औरंगाबाद

पूर्व क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन और दो अन्य के खिलाफ एक ट्रैवल एजेंट के साथ 20 लाख 96 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। अजहर ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा है कि वह आरोप लगाने वाले मोहम्मद शाहाब के खिलाफ पुलिस में शिकायत करेंगे।

अजहरुद्दीन ने कहा कि औरंगाबाद में मेरे खिलाफ दायर झूठी एफआईआर दर्ज की गई है। मैं अपनी लीगल टीम से राय ले रहा हूं और आवश्यकतानुसार कार्रवाई करूंगा। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में दानिश टूर्स एंड ट्रैवल्स एजेंसी के मालिक शाहाब ने आरोप लगाया है कि उन्होंने पिछले साल नवंबर में अजहर के निजी सचिव मुजीब खान के कहने पर अजहर और कुछ अन्य के लिए 20 लाख 96 हजार रुपए के अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकट बुक कराए थे। शाहाब ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन भुगतान के वादों के बावजूद अभी तक कोई रकम नहीं मिली है । उन्होंने कहा कि भुगतान के बारे में पूछने पर खान के सहायक सुदेश अवाक्कल ने उन्हें ईमेल भेजा कि दस लाख 60 हजार रूपये ट्रांसफर कर दिये गए हैं लेकिन उन्हें कोई रकम नहीं मिली ।

शाहाब ने आईपीसी की धारा 420 (धोखेबाजी), 406 (विश्वास का आपराधिक हनन) और 34 (सामान्य आशय) के तहत अजहर, खान और अवाक्कल के खिलाफ शिकायत की है। अजहर ने हालांकि ट्विटर पर डाले वीडियो में कहा, इस शिकायत में कोई दम नहीं है और सुर्खियों में आने के लिए ऐसा किया गया। मैं कानूनी सलाह लेकर सौ करोड़ रुपए का मानहानि का दावा करूंगा ।

पाक दौरे पर रवाना हुए बांग्लादेशी गेंदबाज, घरवालों से कहा... मेरे लिए दुआ करना

■ एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम पाकिस्तान के दौरे के लिए पहुंच चुकी है। टी20 सीरीज की शुरुआत शुक्रवार को होनी है। पाकिस्तान के मुश्किल दौरे पर रवाना होने से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने अपने चाहने वालों को उनके लिए दुआ करने की बात कही।

पाकिस्तान में टी20 सीरीज खेलने के लिए बुधवार को बांग्लादेश की टीम रवाना हुई। सुरक्षा कारणों से टीम के अनुभवी विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम ने दौरे से नाम वापस ले लिया था। वहीं कुछ कोचिंग स्टाफ ने भी पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। मुश्किल दौरे के लिए हामी भरने के बाद बोर्ड ने टीम की घोषणा की और बुधवार को सभी खिलाड़ी पाकिस्तान में सीरीज खेलने के लिए रवाना भी हो गए। इस दौरे पर निकलने से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने ट्वीट कर सोशल मीडिया पर अपने फैंस को उनके लिए दुआ करने के लिए कहा। जाहिर सी बात है मुस्तफिजुर का ट्वीट पाकिस्तान के सुरक्षा हालात को लेकर ही किया गया था। बुधवार को पाकिस्तान की फ्लाइट पकड़ने से पहले उन्होंने एक सेल्फी लेकर ट्वीट किया और उसमें लिखा, हम पाकिस्तान जा रहे हैं, हमारे लिए दुआ करना।

पाकिस्तान में बांग्लादेश की टीम को तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। सीरीज के तीनों मुकाबले लाहौर में खेले जाने हैं। पहला मैच 24 जनवरी को खेला जाएगा जबकि दूसरा मुकाबला 25 जनवरी को होगा। सीरीज का आखिरी मैच 27 जनवरी को खेला जाना है।

बांग्लादेश की टी20 टीम

महमुदुल्लाह (कप्तान), तमीम इकबाल, सौम्य सरकार, नईम शेख, नजमुल हुसैन, लिटन दास, मिथुन, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन अनिमुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, सफीउल इस्लाम, अल अमीन हुसैन, रुबेल हुसैन, हसन महमूद।

पाकिस्तान की टी20 टीम

बाबर आजम (कप्तान), एहसान अली, इमाद बट्ट, हासिल राउफ, इफ्तखार अहमद, इमाद वसीम, खुर्शीद शाह, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, मुसा खान, शादाब खान, शहीन शाह आफरीदी, शोएब मलिक, उमान कादिर।

नाटक सुबह अब होती है ने महिला की मानसिक प्रताड़ना को उजागर किया

जलतेदीप कासं, जयपुर

जवाहर कला केंद्र के रंगायन में रंग शिल्प द्वारा लहर समूह के सौजन्य से नाटक सुबह अब होती है का सशक्त मंचन किया गया। पंकज सुबीर की मूल कहानी पर नाट्य रूपांतरण

नीरज गोस्वामी ने किया। नाटक में नीरज गोस्वामी ने रघुनंदन शर्मा का पात्र बहुत ही सुलझे हुए ढंग से निभाया। नाटक में पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं की मानसिक प्रताड़ना का करीने से चित्रण किया गया। मिसेज शर्मा का किरदार जयपुर रंगमंच की वरिष्ठ अभिनेत्री भगवंत कौर ने निभाया और उस पात्र को जीवंत किया। नाटक में ऐसे सवाल भी उठाए गए जिस पर आमतौर पर समाज में चर्चा नहीं की जाती। थानेदार पांडे के किरदार में विनोद भट्ट ने सहज अभिनय कर पुलिस वालों को जीवंत किया। नए रंगरूट पुलिस अधिकारी में अनीस कुरैशी ने अपने अभिनय के साथ न्याय किया। मोइनुद्दीन और निखिल ने पुलिस कॉन्स्टेबल की भूमिका में अपने पात्रों के साथ न्याय किया। नाटक का निर्देशन युवा निर्देशक राजू कुमार ने किया द्य मंच सज्जा गुरविंदर सिंह पुरी और अंकित शर्मा की रही जबकि नाटक की प्रकाश व्यवस्था ने नाटक को उठाने में मदद की नाटक का कुछ दृश्य प्रकाश व्यवस्था से काफी हद तक उभरे हुए नजर आए इसकी लाइट डिजाइनिंग की राजेंद्र शर्मा राजू ने नाटक का संगीत पक्ष लाउड होने के कारण नाटक पर काफी हावी रहा कुल मिलाकर लहर के सौजन्य से रंग शिल्प की प्रस्तुति सराहनीय रही जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

एसएमएस स्टेडियम में हुआ गणतंत्र दिवस के राज्य स्तरीय समारोह का पूर्वाभ्यास

जलतेदीप कासं, जयपुर

गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह का गुरूवार को पूर्वाभ्यास किया गया। इसके तहत समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिर्हसल की गई। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति के साथ लोक नृत्य के माध्यम से प्रदेश की रंग-बिरंगी छटा बिखेरी। आर्मी, पुलिस एवं स्कूली बालिकाओं ने मधुर संगीत के साथ बैंड वादन कर अपनी तैयारी परखी। महिला-पुरूष पुलिस कर्मिकों ने अद्भुत साहस एवं शौंय के साथ मोटर साइकिलों पर बेहतरीन संतुलन साधते हुए रोमांचकारी डेयर डेविल शो का प्रदर्शन किया। परेड, मार्च पास्ट, पदक एवं योग्यता प्रमाण पत्र वितरण आदि का पूर्वाभ्यास किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने अर्पूव जोश एवं उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जंगा श्रीनिवास राव एवं जिला कलक्टर जोगाराम सहित पुलिस के अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे द्वारा अश्विन सांघी 'द वॉल्ट ऑफ विष्णु' का लोकार्पण

जलतेदीप कासं, जयपुर

बेस्टसेलर लेखक अश्विन सांघी की पुस्तक 'द वॉल्ट ऑफ विष्णु' का लोकार्पण जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के पहले दिन फ्रंट लॉन में भारतीय अभिनेत्री और लेखिका सोनाली बेंद्रे बहल द्वारा किया गया। पुस्तक लोकार्पण के बाद अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे बहल ने लेखक से पुस्तक पर बातचीत की। द वॉल्ट ऑफ विष्णु' अश्विन सांघी की 'भारत श्रृंखला' की 6वीं किस्त है ,इस पुस्तक की कहानी में आधा भारत और आधा चीन का भू भाग समाहित है।

सोनाली बेंद्रे बहल ने इस मौके पर बोलते हुए कहा 'आश्विन सांघी के उपन्यासों के बारे में जानने और पढ़ने की उत्सकता मुझे हमेशा से ही रहती हैं। मैं उनकी लेखनी के कायल हूँ और उनके इस नई पुस्तक के लिए बधाई देती हूं। आश्विन सांघी ने सोनाली बेंद्रे को अपने लिए भाग्यशाली बताते हुए कहा कि 'सोनाली के साथ मंच साझा करना हमेशा ही उनके और उनके उपन्यासों के लिए शुभ रहा है। अपनी पुस्तक के बारे में बात करते हुए, अश्विन सांघी ने कहा, द वॉल्ट ऑफ़ विष्णु इतिहास, पौराणिक कथाओं, संस्कृति, दर्शन, भूविज्ञान और विज्ञान का एक संयोजन है, यह पुस्तक मेरे भारत श्रृंखला से बिल्कुल अलग नहीं है, बस एक अंतर यह है कि लगभग आधी कहानी एक ऐसे भूमि पर आधारित है जिससे में परिचित नहीं था जो की की चीन था , मेने चीन की यात्रा की और लगभग 3-4 सप्ताह वहां रहा तब जाके यह पुस्तक पूरी हुई।

अभिभाषण के लिए राज्यपाल विधानसभा जायेंगे

जलतेदीप कासं, जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को प्रातः 11 बजे पन्द्रहवीं राजस्थान विधान सभा के चतुर्थ सत्र में अभिभाषण के लिए विधानसभा जायेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 सी.पी. जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल मुख्य सचिव डी.बी. गुता और विधानसभा के सचिव प्रमिल कुमार माथुर विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल मिश्र का स्वागत करेंगे। विधानसभा के मुख्य द्वार पर राज्यपाल मिश्र को आरएसी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय सलामी दी जायेगी। राज्यपाल मिश्र को अभिभाषण के लिए सदन में प्रोसेशन में ले जाया जायेगा। राज्यपाल कलराज मिश्र के आगे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, विधानसभा सचिव प्रमिल कुमार माथुर व राज्यपाल के दोनों परिसहाय और राज्यपाल के पीछे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचिव डी.बी. गुप्ता और राज्यपाल के सचिव सुबीर कुमार चलेंगे।

नेहरू सहकार भवन में हुआ इफको स्टोर का शुभारंभ

जलतेदीप कासं, जयपुर

सहकारी संस्था इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने यहां नेहरू सहकार भवन में इफको के स्टोर का शुभारंभ किया।

इस स्टोर से जयपुर के निवासियों को किचन गार्डेनिंग तथा बागवानी से संबंधित उच्च गुणवत्ता युक्त जैविक खाद एवं उर्वरक इत्यादि उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही इस स्टोर के माध्यम से लोगों को आर्गेनिक प्रोडक्ट, जैव उर्वरक, जैव रसायन के साथ-साथ उच्च कोटि के खाद्य सामग्री जैसे आचार, शहद, मुरब्बा, कसूरी मेथी इत्यादि भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक इफको द्वारा राजस्थान के कृषि की आवश्यकता को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में यूरिया तथा डीएपी के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता युक्त संतुलित उर्वरक एनपीके, सूक्ष्म तत्व जिंक सल्फेट, बोरान, सल्फर, कैल्सियम, जल विलेय उर्वरकों तथा जैव उर्वरकों को भी किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता रहा है।

अब सहकारी संस्था इफको के इस स्टोर से उक्त सभी उत्पाद सीधे खरीदे जा सकेंगे। इस मौके पर इफको नई दिल्ली के विपणन निदेशक, योगेंद्र कुमार, राज्य विपणन प्रबंधक, राजेन्द्र खर्रा, उपमहाप्रबंधक (वि.), किशन सिंह, मुख्य प्रबंधक (कृ.से.), भूप सिंह, प्रबंधक डॉ. ए.पी. सिंह, अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह आज

जलतेदीप कासं, जयपुर

राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेशभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को बेटी बचाओ का सन्देश दिया जायेगा। इसी क्रम में राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ द्वारा राज्य स्तरीय समारोह महारानी कॉलेज सभागार में आयोजित किया जायेगा। परियोजना निदेशक, पीसीपीएनडीटी शालिनी सक्सेना ने बताया कि समारोह में 22 व 23 जनवरी को 'बेटिया अनमोल है', 'कन्या भ्रूण हत्या को ना कहो' एवं 'बेटी बचाओ' विषय पर आयोजित किये गये पोस्टर, ग्रीटिंग कार्ड एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में विभिन्न कॉलेजों की छात्राओं द्वारा बनाई सृजनात्मक कृतियों को भी प्रदर्शित किया जायेगा। पोस्टर निर्माण एवं ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों की 100 से अधिक छात्राओं एवं रंगोली प्रतियोगिता में 58 छात्राओं ने हिस्सा लेकर बेटी बचाओ संबंधी तीन थीम्स पर सृजनात्मक कृतियां तैयार की है।

मंडल की स्वर्ण जयंती उपहार योजना को लेकर आम लोगों में जबरदस्त उत्साह

नीलामी उत्सव में बिके 124 आवास, मिला 20 करोड़ 31 लाख का राजस्व

- स्वर्ण जयंती उपहार योजना में 18 लोगों को मिला होण्डा एक्टिवा स्कूटर

जलतेदीप कासं, जयपुर

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मण्डल द्वारा शुरू की गई स्वर्ण जयंती उपहार योजना में पहले आवास खरीददारों का जबर्दस्त रेस्पोंस मिला है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सीलबंद नीलामी द्वारा 124 आवास बिके, जिससे मंडल को 20 करोड़ 31 लाख रूपये का राजस्व मिला है।

अरोड़ा ने बताया कि इसके साथ ही स्वर्ण जयंती उपहार योजना के तहत मौके पर ही बुधवार को लॉटरी निकालकर 18 होंडा एक्टिवा स्कूटर के लिए विजेताओं के नाम घोषित किए गए। उन्होंने बताया कि आवासन मंडल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती उपहार योजना लांच की गई है, जिसके तहत प्रत्येक खरीददार को निश्चित उपहार के तहत 1-1 मिक्सर

ग्राइंडर और प्रत्येक 5 में से 1 क्रेता को लॉटरी के माध्यम से होंडा एक्टिवा स्कूटर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन भाग्यशाली विजेताओं को उपहार सम्पत्ति का सम्पूर्ण मूल्य चुकाने पर ही संबंधित कार्यालय में प्रदान किया जाएगा।

अरोड़ा ने बताया कि इस योजना में बम्पर उपहार योजना का भी प्रावधान रखा गया है। इस योजना अवधि में मंडल का आवास खरीदने वाले सभी क्रेताओं में से लॉटरी निकालकर 5 भाग्यशाली विजेताओं का चयन किया जायेगा जिनको बीएस 6 तकनीक की मारूति अल्टो एसी कार उपहार स्वरूप प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मलमास के बाद 'नीलामी उत्सव' में मंडल की सम्पत्तियां खरीदने के लिए लोग उमड़ रहे हैं। नीलामी उत्सव में जयपुर वृत्त प्रथम, द्वितीय और तृतीय में 66 मकान बिके, जिससे मंडल को 12 करोड़ 74 लाख रूपये का राजस्व मिला। इसी तरह कोटा वृत्त में 21 लाख 42 हजार रूपये के 4 मकान, बीकानेर वृत्त में 95 लाख 44 हजार रूपये के 5 मकान, उदयपुर वृत्त मे़ 95 लाख 35 हजार रूपये के 7 मकान और अलवर वृत्त में 3 करोड़ 4 लाख रूपये के 23 मकान जोधपुर वृत्त प्रथम मे़ 1 करोड 10 लाख रूपये के 11 मकान और जोधपुर वृत्त द्वितीय में 1 करोड 50 लाख रूपये के 8 मकान बिके।

स्वर्ण जयंती उपहार योजना के तहत भिवाडी में डोली देवी, अजमेर में विजय सिंह राठौड, जयपुर में चौथमल चौधरी, दीपक मिश्रा, अशोक शर्मा, पिंटू कुमार मीणा, सुशील कुमार गोयल, लोकेन्द्र सिंह शेखावत, सुदेश बाई यादव और मनीष शर्मा होंडा एक्टिवा स्कूटर के विजेता रहे।

हाईकोर्ट पहुंचा साई जन्मस्थान विवाद, साई जन्मभूमि पाथरी संस्थान ने खटखटाया दरवाजा

एजेंसी, शिरड़ी

साई बाबा जन्मस्थान का विवाद उच्च न्यायालय पहुंच गया है। साई जन्मभूमि पाथरी संस्थान ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पाथरी गांव को साई का जन्मस्थान बताया था और कहा था कि वह गांव के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये जारी करेंगे। शिरडी के निवासियों ने इसका विरोध किया है। उनका कहना है कि बाबा ने अपने जीते जी कभी भी अपने धर्म, गांव, जाति आदि के बारे में नहीं बताया था। पाथरी के उनके जन्मस्थान होने को लेकर कोई प्रमाणिक सबूत नहीं है।

उद्धव को दोष नहीं दिया जा सकता

साईबाबा जन्मस्थान को लेकर उपजे विवाद पर शिवसेना ने सफाई देते हुए कहा कि यह विवाद बेवजह पैदा हुआ था। इसके लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को दोष नहीं दिया जा सकता। यह कोई नहीं बता सकता कि

19वीं सदी के इस संत का जन्म वास्तव में शिरडी में हुआ था या नहीं। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा, संत साईबाबा के जन्मस्थान को लेकर जो विवाद शुरू हुआ था, वह बाबा की कृपा से थम गया। शिरडी साईबाबा की बदौलत समृद्ध हुआ।

जिस शहर में संत की मृत्यु हुई वहां की समृद्धि को कोई छीन नहीं सकता। साईबाबा संस्थान की संपत्ति 2600 करोड़ रुपये से ज्यादा है, जिससे सामाजिक कार्य किए जाते हैं। शिवसेना सांसद सदाशिव लोखंडे ने कहा था कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपना बयान वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि पाथरी के विकास के लिए तैयार किए गए विकास प्रस्ताव से भी साई जन्मस्थान का उल्लेखनहीं होगा।

सीएए के खिलाफ प्रस्ताव 'राजनीतिक कदम, राज्यों की बमुश्किल ही कोई भूमिका : थरूर

एजेंसी, कोलकाता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने का राज्यों का कदम राजनीति से प्रेरित है क्योंकि नागरिकता देने में उनकी बमुश्किल ही कोई भूमिका है। सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) और प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी एनआरसी के क्रियान्वयन में राज्यों की अहम भूमिका होगी क्योंकि केंद्र के पास मानव संसाधन का अभाव है, ऐसे में उनके अधिकारी ही इस काम को पूरा करेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने भी कहा था कि सीएए के क्रियान्वयन से कोई राज्य इनकार नहीं कर सकता क्योंकि संसद ने इसे पहले ही पारित कर दिया है। हालांकि बाद में उन्होंने कहा था कि यह असंवैधानिक

है। थरूर ने कहा, यह एक राजनीतिक कदम अधिक है। नागरिकता संघीय सरकार ही देती है और यह स्पष्ट है कि कोई राज्य नागरिकता नहीं दे सकता, इसलिए इसे लागू करने या नहीं करने से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, वे (राज्य) प्रस्ताव पारित कर सकते हैं या अदालत जा सकते हैं लेकिन व्यावहारिक रूप से वे क्या कर सकते हैं? राज्य सरकारें यह नहीं कह सकतीं कि वे सीएए को लागू नहीं करेंगी, वे यह कह सकती हैं कि वे एनपीआर-एनआरसी को लागू नहीं करेंगी क्योंकि इसमें उनकी अहम भूमिका होगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

आपको बता दें कि थरूर के पार्टी सहयोगी कपिल सिब्बल ने पिछले सप्ताह यह कह कर बवाल मचा दिया था कि सीएए के क्रियान्वयन से कोई राज्य इनकार नहीं कर सकता क्योंकि संसद ने इसे पहले ही पारित कर दिया है। बाद में, उन्होंने इसे असंवैधानिक करार दिया और स्पष्ट किया कि उनके रुख में कोई बदलाव नहीं है। थरूर ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सीएए पर रोक लगाने का आदेश नहीं देने से इसके खिलाफ प्रदर्शन कतई कमजोर नहीं हुए हैं। उन्होंने पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ गठित करने के शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत किया।

झारखंड : हेमंत सोरेन आज कर सकते हैं मंत्रिमंडल का विस्तार

एजेंसी, रांची

एजेंसी, रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि

कांग्रेस से तीन सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर 2019 को झारखंड के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो, कांग्रेस और राजद के महागठबंधन ने बड़ी जीत हासिल की थी। 81 सदस्यीय विधानसभा में जहां महागठबंधन ने बहुमत से ज्यादा 47 सीटें जीतीं तो वहीं सत्तारूढ़ भाजपा को सिर्फ 25 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी, आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, लोकतांत्रिक जनता दल के नेता शरद यादव, डीएमके नेता स्टालिन और सीपीआई के नेता डी राजा शामिल हुए थे।

सीएए का विरोध कर रही महिलाओं से खाली कराया बेनियाबाग मैदान

एजेंसी, बनारसी

नई दिल्ली के शाहीन बाग, लखनऊ और आजमगढ़ के बाद गुरुवार को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में बनारस की महिलाएं बेनियाबाग मैदान में इकट्ठा हुईं। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। धरना दे रही महिलाओं को उठाने का प्रयास हुआ तो मैदान के इर्दगिर्द खड़े युवाओं ने विरोध किया। डीएम कौशल राज शर्मा और एसएसपी प्रभाकर चौधरी 10 थानों की फोर्स, पीएसी और दंगा नियंत्रक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे।

जिलाधिकारी ने बताया कि जब बेनियाबाग में कुछ अराजक तत्वों ने लोगों को भड़का कर लोग जबरदस्ती विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। वाराणसी में धारा 144 लागू है, इसके लिए कहीं भी प्रदर्शन करने के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। लेकिन यहां पर लोग बिना किसी अनुमति के सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शन करने लगे।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पुरुषों को गिरफ्तार किया, जब महिलाओं को हिरासत में लेने की कोशिश की गई तो इस दौरान लोगों ने पुलिस पर पथराव किया गया।

जेएलएफ- प्रसून ने गुनगुनाया मेरी मां,भावुक हुआ लिटरेचर फेस्टीवल

जलतेदीप कासं, जयपुर

साहित्य के महाकुंभ के सबसे बड़े संसार जयपुर लिटरेचर फेस्टीवल में कविताओं ने अपने खूब रंग जमाए, लेखक, कवि और गीतकार प्रसून जोशी ने अपने सेशन के दौरान शब्दों

से कुछ ऐसा ही समां बांधा। श्रोता उनकी कविताओं के बीच भावुक भी हुए तो कभी मुस्कुराकर प्रसून जोशी की कविताओं का अभिवादन भी किया।

पीएम मोदी की खुले मंच से तारीफ : लेखक,गीतकार और कवि प्रसून जोशी ने साहित्य के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। उन्होंने खुलकर पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीएम मोदी खुद के लिए नहीं,बल्कि पूरे देश के लिए काम करते है। हां ये जरूर है कि कई लोगों को उनकी बातों में असहमति जरूर होती है,लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उनके विरोध में शब्दों की गरिमा खो दे।

मां पर भावुक हुआ प्रसून का सेशन

प्रसून जोशी का अधिकतर सेशन मां पर आधारित था। इस दौरान प्रसून जोशी ने अपने गाने मां के अनुभव शेयर किए। इसी प्रसून जोशी ने मां गाने को गुनगुनाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। इस दौरान बडी संख्या में श्रोता भावुक हुए। इस दौरान प्रसून जोशी ने मां गाने से जुडी कुछ यादे भी ताजा की। उनका कहना था कि आंख बंद कर लीजिए, मां का नाम ले लीजिए, उसके बाद और कुछ बोलने की जरूरत नहीं। प्रसून जोशी से जब ये पूछा गया कि आजकल बच्चों पर कम ही लिखते है तो उन्होंने तारे जमी पर गााने के अंतरा सुनाकर कहा कि आज के दौर में बच्चों की नादानी खत्म हो गई है। बच्चों का गहराई बहुत समझ आती है,इसलिए बच्चों पर लिखना बहुत ही कठित हो गया है। इस फिल्म का गाना बच्चों को ग्रेजुएट करता है।

इमरान हो गए हैं हताश, दुनिया को बरगला रहे हैं: विदेश मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के उस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने पाक की खस्ताहाल इकॉनमी का ठीकरा एक तरह से भारत के सिर फोड़ने की कोशिश की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तानी पीएम कैसे हताश हो रहे हैं। इमरान खान की पैंतरेबाजी पर सवाल उठाते हुए कुमार ने पूछा कि अगर पाकिस्तान भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध के लिए गंभीर है तो आतंकी संगठनों के खिलाफ ऐक्शन क्यों नहीं ले रहा।

दुनिया पाक के दोहरे रवैये को समझ चुकी है

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा, दावोस में पाकिस्तान के पीएम ने काफी चीजें कहीं हैं। हमने रिपोर्ट्स देखी हैं। टिप्पणियों में कोई नई बात नहीं है। काफी महीनों से इसी लहजे में बात कर रहे हैं। ये विरोधाभासी है। तथ्यात्मक गलतियां भी हैं। दर्शाता है कैसे इमरान हताश हो रहे हैं। लग रहा है बिल्कुल निराशा की भावना की तरफ जा रहे हैं। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि ग्लोबल कम्युनिटी ने उनके डबल स्टैंडर्ड को समझ लिया है। एक तरफ आतंकवाद को मानते नहीं है, दूसरी तरफ ऐसे संगठनों को पनाह देते हैं जो भारत और दूसरे देशों में आतंकवाद फैलाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बरगला रहे इमरान

प्रवक्ता ने आगे कहा, अगर पाकिस्तान भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है...अनुकूल माहौल चाहता है तो टेररिस्ट ग्रुप के खिलाफ क्यों एक्शन नहीं ले पा रहे हैं? हमें हमेशा लगता है कि वह अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को बरगलाने के लिए इस तरह का बयान देना पसंद करते हैं। इस तरह के बयान से उन्हें बाज आना चाहिए

आतंकवाद के लिए पाक की फंडिंग चिंता की बात

रवीश कुमार ने आतंकवाद के लिए पाकिस्तान की फंडिंग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है। हमें पता है कि पैरिस में 16 फरवरी से बैठक हो रही है। हमें लगता है कि पाकिस्तान ने आतंकवाद पर कितना काम किया है, उस क्राइटेरिया को देखा जाएगा। अभी मैं कुछ नहीं कह सकता।

विदेश

ब्रेग्जिट विधेयक को ब्रिटिश संसद की मिली मंजूरी, ईयू से अलग होने का आखिरी बाधा भी दूर

एजेंसी, लंदन। कई सालों तक लंबी बहस के बाद आखिरकार ब्रिटेन की संसद ने ब्रेग्जिट विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है। ब्रिटेन की महारानी से मंजूरी मिलते ही यह औपचारिक रूप से कानून का शक्ल ले लेगा। इस तरह ब्रिटेन ने यूरोपीय यूनियन (ईयू) से बाहर निकलने की तरफ एक और निर्णायक कदम बढ़ा लिया है। 31 जनवरी को ब्रिटेन यूरोपीय संघ से बाहर निकल जाएगा और हालिया कदम बेहद अहम माना जा रहा है। निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस पहले ही ईयू से निकलने से संबंधित इस बिल पर मुहर लगा चुका है। ऊपरी सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस बिल पर व्यापक चर्चा हुई और कुछ सुझाव भी पेश किए गए। इसके तहत, यूरोपीय यूनियन के नागरिकों के अधिकार और बाल शरणार्थी से संबंधित कुछ बदलाव थे। हालांकि, अब इस बार सदन में चर्चा के दौरान सुझाए गए पांच सुझाव (चाइल्ड रिफ्यूजी भी शामिल) को अस्वीकृत कर दिया गया।

तुलसी गबार्ड ने हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ किया मानहानि का मुकदमा, 350 करोड़ की क्षतिपूर्ति मांगी

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस में पहली हिंदू सांसद एवं देश के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने की दावेदार तुलसी गबार्ड ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने हिलेरी से 350 करोड़ रुपये (पांच करोड़ डॉलर) की क्षतिपूर्ति की मांग की है। गबार्ड ने आरोप लगाया है कि हिलेरी ने उन्हें 2020 में व्हाइट हाउस की दौड़ में रूसी पूंजी और रूसियों की पसंदीदा बताकर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है। सदर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क में बुधवार को मामला दर्ज कराया गया। 38 वर्षीय गबार्ड ने कहा कि हिलेरी का मुझे रूसी पूंजी कहने का मकसद केवल मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और राष्ट्रपति चुनाव के लिए मेरी प्रचार मुहिम को पटरी से उतारना ही नहीं है, बल्कि इसका इरादा यथा स्थिति के खिलाफ बोलने की हिम्मत करने वाली हर आवाज को चुप कराना है।

वैश्विक भविष्य पर मंडराते खतरों पर पार पाने के लिए नए समाधान जरूरी

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र। महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने वर्ष 2020 के लिए अपनी प्राथमिकताएं पेश करते हुए कहा है कि 21वीं सदी की समस्याओं से निपटने के लिए 21वीं सदी के ही समाधानों का सहारा लेना जरूरी है। यूएन प्रमुख ने बुधवार को सदस्य देशों को संबोधित करते हुए भू-रणनीतिक तनाव, जलवायु संकट, वैश्विक भरोसे के अभाव और टेक्नोलॉजी के नकारात्मक पहलुओं को नए दशक की बड़ी चुनौतियां करार दिया है। यूएन प्रमुख ने कहा कि वर्ष 2020 में संयुक्त राष्ट्र अपनी स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है जो भविष्य की ओर देखने का एक अवसर है। हमें भविष्य की दिशा में आशा के साथ देखना होगा। लेकिन हमें ऐसा बिना किसी भ्रम के करना होगा। यूएन के समक्ष दरपेश चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व पर चार ऐसे खतरे मंडरा रहे हैं जो 21वीं सदी में हुई प्रगति और उसकी संभावनाओं के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

कनाडा जैसे अमीर देश भी भुखमरी का शिकार, समय पूर्व मौत के शिकार हो रहे पीड़ित

एजेंसी कनाड़ा। आमतौर पर भुखमरी को लेकर भारत या अफ्रीका जैसे देशों को लेकर सर्वे होते रहे हैं। लेकिन ताजा अध्ययन कनाडा में पांच लाख से ज्यादा वयस्कों पर हुआ है जिसमें पाया गया है कि कैंसर को छोड़कर देश में होने वाली अधिकांश मौतों का बड़ा कारण भूख से जुड़ा हुआ है। शोध के मुताबिक, अमीर देशों में जिन लोगों को नियमित भोजन नहीं मिल पाता है, उनके जल्द मरने की संभावना अधिक रहती है। कनाडा मेडिकल एसोसिएशन की पत्रिका में छपा यह अध्ययन बताता है कि अमीर देशों में भी लोग भुखमरी के चलते जान दे रहे हैं। शोध के मुताबिक संक्रामक रोग, अनजाने में लगी चोट और खुदकुशी के बजाय पर्याप्त भोजन न मिलने से कनाडा में मौत की संभावना दोगुनी है।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता